ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपत्ति की वापसी अपराध का पहला सबूत : शोभा करंदलाजे @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 20 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-290

भारत का फरार आतंकी कनाडा में बना हैं पुलिस अफसर

शौर्य चक्र विजेता का हत्यारा त्रूदो का हैं खास

- भारत आतंकियों का प्रत्यर्पण मांग रहा
- त्रूदो दे रहा है आतंकवादियों को संरक्षण
- त्रूदो दबाए बैठा है प्रत्यर्पण की 26 फाइलें
- आपसी रंजिश में मरा था निज्जर: थॉमस

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अजीबोगरीब लेकिन प्रामाणिक तथ्य है कि भारत का फरार आतंकवादी कनाडा में पुलिस अफसर बना हुआ है। कनाडा का अहमक प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो अपनी कुर्सी बचाने के लिए खालिस्तानी आतंकियों के समर्थन में बेहूदा बयानबाजी कर रहा है और भारत में शौर्य चक्र विजेता की हत्या कर भागने वाले आतंकवादी को कनाडा में पुलिस अफसर बनाए बैठा है। भारत उस फरार हत्यारे के प्रत्यर्पण की लगातार मांग कर रहा है, लेकिन जस्टिन त्रूदो आतंकवादी को संरक्षण दे रहा है।

भारत और कनाडा के बीच चल रहा विवाद चरम पर है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो की ऊलजुलूल हरकतों के कारण भारत ने कनाडा से राजनयिक सम्बन्ध खत्म कर दिया है और अपने राजनयिकों को कनाडा से वापस बुला लिया है। भारत ने कनाडा के राजनयिकों को भारत से रवाना कर दिया है। भारत सरकार ने कनाडा बॉर्डर सर्विस एजेंसी (सीबीएसए) में अफसर बने संदीप सिंह सिद्धू को आतंकवादी घोषित किया है। भारत सरकार ने संदीप को भगोड़ा घोषित करते हुए उसका पूरा ब्यौरा कनाडा सरकार को भेजा है और उसके प्रत्यर्पण की मांग की है।

भारत ने बताया है कि संदीप सिंह सिद्धू प्रतिबंधित इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन का सदस्य है और उस पर पंजाब में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप है। ▶10 पर

कनाडा की पूर्व एनएसए ने खोल दी त्रूदो की पोल

ओटावा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत के बारे में कनाडा की पूर्व एनएसए जोडी थॉमस ने जस्टिन त्रूदो की पोल खोल दी है। जोडी थॉमस ने कहा है कि निज्जर की हत्या के बाद हुई जांच की समीक्षा के दौरान ही प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो ने कहा था कि निज्जर की हत्या में भारत के शामिल होने के सबूत नहीं हैं। कनाडा पुलिस निज्जर की हत्या को आपसी रंजिश में की गई हत्या का मामला ही मान कर चल रही थी। निज्जर की हत्या रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के प्रतिशोध में की गई थी। मलिक 1985 में एयर इंडिया विमान में धमाका करने का आरोपी था।जोडी थॉमस ने यह खुलासा कनाडा में विदेशी दखल की जांच करने वाली कमेटी के सामने किए हैं। इसी कमेटी के सामने प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो ने निज्जर की हत्या में भारत के शामिल होने के पक्के सबूत न होने की बात कबूली थी। जोडी थॉमस ने इस कमिटी के सामने निज्जर की हत्या के मामले में जांच की जानकारी दी। जोडी थॉमस निज्जर की हत्या के समय कनाडा की एनएसए थीं। उन्होंने इस कमेटी को बताया, निज्जर की हत्या जून 2023 में हुई थी। ▶10 पर

खुफिया एजेंसियों ने केंद्र और राज्य सरकारों को किया अलर्ट

विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां जेहादी साजिश

- सिर्फ शनिवार को 30 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली
- 7 दिन में 80 विमानों को बम से उड़ाने की दी गई धमकियां
- धमकियों से एयरलाइन कंपनियों को हो रहा है भारी नुकसान
- लव जेहाद, भूमि जेहाद, थूक जेहाद के बाद रेल-विमान जेहाद

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश की रेल और हवाई परिवहन व्यवस्था को ध्वस्त करने के लिए पिछले कुछ दिनों से सुनियोजित षडयंत्र चलाया जा रहा है। खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय के साथ-साथ सभी राज्य सरकारों को अलर्ट किया है। भारत सरकार को अस्थिर करने के लिए रेल जेहाद शुरू किया गया। इसके साथ ही अब विमान जेहाद शुरू कर दिया गया है। भारत में लव जेहाद, भूमि जेहाद, थूक जेहाद, रेल जेहाद और अब विमान जेहाद इन सबकी कड़ियां एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। पिछले लंबे अर्से से रेल गाड़ियों में तोड़फोड़ की कोशिशें लगातार हो रही हैं। कई बड़ी रेल दुर्घटनाएं हुईं। कई जगह पर ऐन मौके पर तोड़फोड़ की साजिशें पकड़ ली गईं। अब बड़े ही सुनियोजित तरीके से विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां दी जा रही हैं,

ताकि रेल के बाद विमान यात्रा से भी लोगों में डर पैदा हो। भारत को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने और आम नागरिकों में दहशत फैलाने के लिए यह करतूतें की जा रही हैं और इसे जेहाद का गंदा नाम दिया जा रहा है। देशभर में विमानों में मिल रही बम की धमकियों में लगातार इजाफा हो रहा है। सिर्फ शनिवार के दिन ही 30 से ज्यादा विमानों में बम होने की सूचना मिली है। इनमें देश की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों को धमकियां मिलीं है। ▶10 पर

अगंभीर उड्डयन मंत्री बोले, यह मसखरों का काम है

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विमानों को बम से उड़ाने की धमकियों से फैले दहशत के माहौल में देश के नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू का अत्यंत हल्का-फुल्का बयान आम लोगों में सरकार के प्रति और अधिक वितृष्णा बढ़ा रहा है। मंत्री ने विमानों को बम से उड़ाने की धमकियों को मसखरों और नाबालिगों द्वारा किए जाने वाला कृत्य बता कर पल्ला झाड़ लिया। नायडू ने कहा, ये छोटी-मोटी घटनाएं हैं, हम एयरलाइंस और सुरक्षा एजेंसियों से बात कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन का सम्मेलन

सर्वोच्च न्यायालय विपक्ष की भूमिका में न उतरे : चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का काम और दायित्व आम जनता तक न्याय की पहुंच को सुनिश्चित करना है, लेकिन इस प्रक्रिया में यह स्पष्ट वर्जना रहनी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट को विपक्ष की भूमिका में नहीं उतरना है। चंद्रचूड़ ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय को जनता के न्यायालय के रूप में सुरक्षित रखा जाना चाहिए। चंद्रचूड़ ने कहा, विशेष रूप से आज के बदले हुए समय में हर किसी के बीच बड़ा विभाजन है। आज परिणामों के आधार पर आपको परखा जाता है। जब आप लोगों के पक्ष में निर्णय लेते हैं तो सर्वोच्च न्यायालय को अद्भुत संस्था बताया जाता है। जब आप उनके

उच्चतम न्यायालय को जनता का न्यायालय रहना चाहिए

खिलाफ निर्णय लेते हैं तो संस्था को अपमानित किया जाता है।

दक्षिण गोवा में पहले सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को लोगों की अदालत की अपनी भूमिका को भविष्य के लिए संरक्षित रखना चाहिए, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि इसे संसद में विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि कानूनी सिद्धांत की असंगतता या ▶10 पर

उमर अब्दुल्ला कैबिनेट के प्रस्ताव पर उपराज्यपाल ने भी लगाई मुहर

जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने की उम्मीद

श्रीनगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। उमर अब्दुल्ला कैबिनेट के प्रस्ताव पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी मुहर लगा दी है। वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने के बाद इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था लेकिन केंद्र सरकार ने वादा किया था कि चुनाव के बाद उसे पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया जाएगा।केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बाद बनी सीएम उमर अब्दुल्ला की सरकार का पूरा जोर इस बात पर ही है कि प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कैबिनेट की पहली बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस देने का प्रस्ताव पास किया गया था। उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है, जिसके बाद पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने की ▶10 पर

महाराष्ट्र में 260 सीटों पर महायुति की सहमति

झारखंड में 70 सीटों पर लड़ेगी झामुमो और कांग्रेस

मुंबई/रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)

। महाराष्ट्र में महायुति में 260 सीटों पर सहमति बन गई है। 260 सीटों में से 142 सीटों पर अकेले भाजपा चुनाव लड़ने जा रही है, वहीं शिंदे गुट को 66 सीटें दी जा सकती हैं। अजित पवार के लिए 52 सीटें छोड़ने की तैयारी है। अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि इसी रूपरेखा पर आगे बढ़ा जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी आज इस सिलसिले में अहम बैठक की। उनकी तरफ से सीट शेयरिंग को लेकर मंथन हुआ। माना जा रहा है कि उसके बाद ही सीटों को लेकर कोई ऐलान भी किया जा सकता है। इस समय कुछ सीटों पर पेच फंसा हुआ है जिन पर सहमति नहीं बन पाई है, खबर यह भी है कि अजित गुट और ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता है। ऐसे में सभी विवाद खत्म करने के बाद ही कोई ऐलान ▶10 पर

झारखंड सरकार को चुनाव आयोग का सख्त निर्देश

डीजीपी अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से हटाएं

रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग (ईसी) ने झारखंड सरकार को आदेश दिया है कि वह अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से कार्यकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद से हटा दे। ईसी ने यह भी निर्देश दिया है कि अनुराग गुप्ता की जगह उस विभाग में उपलब्ध सबसे वरिष्ठ डीजीपी स्तर के अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी जाए। चुनाव आयोग (ईसी) ने झारखंड सरकार को आदेश दिया है कि वह अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से कार्यकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद से हटा दे। सूत्रों के मुताबिक, ईसी ने यह भी निर्देश दिया है कि अनुराग गुप्ता की जगह उस विभाग में उपलब्ध सबसे वरिष्ठ डीजीपी स्तर के अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी जाए। गुप्ता के खिलाफ शिकायतों के आधार पर यह कदम उठाया गया है। उनके खिलाफ पिछले चुनाव में ▶10 पर

राष्ट्रीय महिला आयोग की नई अध्यक्ष होंगी विजया रहाटकर

अर्चना मजूमदार आयोग की सदस्य होंगी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विजया रहाटकर राष्ट्रीय महिला आयोग की नई अध्यक्ष नियुक्त की गई हैं। रहाटकर इससे पहले 2016 से 2021 तक महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं। सामाजिक कार्यों में उनकी भूमिका को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, अर्चना मजूमदार को राष्ट्रीय महिला आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग का मकसद महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना, उनके खिलाफ हो रहे भेदभाव और हिंसा को समाप्त करना और उन्हें सभी क्षेत्रों में समान अवसर प्रदान करना है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और राजस्थान की सात सीटों पर उपचुनाव से पहले उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। विजया महाराष्ट्र के संभाजीनगर से आती हैं और राज्य में अगले महीने विधानसभा चुनाव हैं। इससे पहले, ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,120/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 97,570/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 22°

आतंकी संगठन पीएफआई के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई

करोड़ों की 35 सम्पत्तियां जब्त, बैंक खाते भी होंगे सील

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी 35 अचल सम्पत्तियां जब्त कर ली हैं। इन सम्पत्तियों की कुल कीमत 56.56 करोड़ रुपए आंकी गई है। ये सम्पत्तियां पीएफआई के विभिन्न ट्रस्ट, फर्मों और व्यक्तियों के नाम पर थीं। ईडी ने बताया कि पीएफआई और उसके सदस्यों द्वारा देश और विदेशों से अवैध तरीके से धन जुटाकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने और उन्हें वित्तपोषित करने का षड्यंत्र रचा गया था। पीएफआई के विभिन्न बैंक खातों की भी खुफिया पड़ताल की जा रही है। इन बैंक खातों में बेशुमार धन पड़ा है, जिसके ट्रांजैक्शन-ट्रेल की पुष्टि करने के बाद ये खाते सील कर दिए जाएंगे।

ईडी के अनुसार, जब्त की गई सम्पत्तियों में 35.43 करोड़ रुपए की 19 अचल सम्पत्तियां और 21.13 करोड़ रुपए की 16 अचल सम्पत्तियां शामिल हैं। ये सम्पत्तियां केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम,

सिंगापुर और खाड़ी देशों में पीएफआई के 13000 सक्रिय सदस्य

हवाला से आए विदेशी धन का आतंकी गतिविधियों में उपयोग

जम्मू-कश्मीर और मणिपुर जैसे राज्यों में स्थित हैं। ईडी का दावा है कि इन सम्पत्तियों का इस्तेमाल संगठन के विभिन्न अवैध गतिविधियों के लिए किया जाता था। ईडी ने यह भी बताया कि पीएफआई के अधिकारी और सदस्य अवैध रूप से भारत और विदेशों से धन जुटाने में शामिल थे। इस धन का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने और उन्हें वित्तपोषित करने के लिए किया गया था। धन संग्रह का कार्य भारत के अलावा खाड़ी देशों से भी किया गया, जहां कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में पीएफआई के लगभग 13,000 सक्रिय सदस्य थे। ईडी के अनुसार, इन सदस्यों के माध्यम से नकली दानकर्ताओं से धन एकत्र किया गया, जिसे हवाला, बैंकिंग चैनलों और नकद लेन-देन के जरिए भारत पहुंचाया गया।

पीएफआई ने सिंगापुर और खाड़ी देशों में मजबूत नेटवर्क स्थापित किया था, जहां से उसने बड़ी मात्रा में धन जुटाया। इन देशों में काम करने वाले प्रवासी मुस्लिम नागरिकों के लिए जिला कार्यकारी समितियों का गठन किया गया था, जो धन संग्रहण का कार्य करती थीं। इस नेटवर्क के माध्यम से पीएफआई ने 94 करोड़ रुपए जुटाए, जिसे ईडी ने अपराध की आय के रूप में परिभाषित किया है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मन वचन और काया की शुद्धि से साधना होती है सिद्धः डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि साधना के बिना कभी सिद्धि प्राप्त नहीं हो सकती है। जैसे-जैसे यह जीव साधना की ओर बढ़ता है उसे सिद्धिया प्राप्त होती है। जब सिद्धि की प्राप्ति हो जाती है, तब साधना सरल हो जाती है।

अपने मन और इन्द्रियों को बस में करना, इन पर विजय पाना ही साधना है। जैन जगत में नवपद की महिमा अपरंपार है जिनशासन की परम उपासक, जिनभाषित कर्म के सिद्धांत पर अटूट श्रद्धा रखने वाली सुश्राविका मयणासुंदरी ने अपने सुश्रावक पतिदेव महाराजा श्रीपाल के कोढ़ रोग निवारण हेतु उज्जैन नगरी में सिद्धचक्रजी की आराधना करके उस भयंकर रोग से मुक्ति दिलायी थी। नवकार महामंत्र की महिमा से सात सौ कुष्ठ रोगी ठीक हो गये। मन वचन और काया की शुद्धि और एकाग्रता से साधना सिद्ध होती है। धैर्य और विश्वास ही साधक की साधना को सिद्ध करते है। साधक को लाभकारी साधना ही करनी चाहिए। विनाशकारी साधना कभी नहीं करनी चाहिए। मन वचन और काया की शुद्धि के पश्चात भी साधना सिद्ध नहीं होती है, तो किसी पुण्यवान पुरुष के सहयोग से साधना सिद्ध हो सकती है। श्रीपाल की पुनवानी से साधक की साधना सिद्ध हो गई। श्रीपाल को दो विद्याए साधक से प्राप्त हुई, शस्त्र हरणी और जल करणी विद्या। जो जो दृढ़ संकल्प लेकर साधना में उतरते हैं वे सफल हो जाते हैं। मन वचन और काया की शुद्धि , एकाग्रता, धैर्य और विश्वास से ही साधना सिद्ध होती है। साधना के बिना कभी सिद्धि प्राप्त नहीं होती। पूर्व में रूपेशमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन एवं गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जीवन का सच्चा सुख संयम में: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभाजी ने अंजना सति चारित्र का वाचन करते हुए कहा कि संसार असार है। जहां सुख अंजुलि में भरे हुए जल के समान है।

जहां क्षण-सूण में हमारी आयु की डोर छोटी होती जा रही हैं। वहीं दृश्यमान जगत में दिखने वाले सभी सुख, वैभव काम, भौतिक विलास, भोगों के साधन जीवात्मा को क्षणिक सुख प्रदान करने वाले हैं और फिर इस गति रूप संसार- महासागर में भटकाने - डूबोने और अनन्त संसार को बढ़ाने वाले है। यह सब जान - समझ चिंतन कर जो भव्य जीव संसार के तुच्छ क्षणिक सुखों में ज्यादा मोह - आसवत न बनकर अपने जीवन में कुछ - ना कुछ रूप में आगे की यात्रा के लिये अपने साथ में धर्म- सुकृत- दान-पुण्यवानी पाथेय लेकर चलता है, उसकी आत्मा का संसार सीमित हो जाता है। धर्म करणी, जप-तप साधना करने वाला, संयम को स्वीकारने वाला संयमी, साधक आत्मा अपने दोनों लोकों को सुखी बनाते हुए यहां संसार में भी सुखी, खुशहाल आनंदमय जीवन् जीती हैं और फिर इस नाखुर अपार संमार से आयुष्य पूर्ण होने पर यहां से विहार लेते हुए परलोक में भी विपुल सुख-वैभव के स्थान को प्राप्त करती हैं। अत: समय रहते जो धर्म कर लेता हैं उसी का जीवन सफल बन जाता है।

पुलिस ने केंद्रीय मंत्री के भाई को कोल्हापुर से किया गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रहलाद जोशी के भाई गोपाल जोशी, जिन पर जेडीएस नेता द्वारा धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है, को बेंगलूरु पुलिस ने शनिवार को कोल्हापुर से गिरफ्तार कर लिया। पहले ऐसी खबरें थीं कि गोपाल जोशी को सावदत्ती में गिरफ्तार किया गया है, लेकिन बाद में बसवेश्वर नगर पुलिस ने पुष्टि की कि उन्हें कोल्हापुर में गिरफ्तार किया गया है और उन्हें बेंगलूरु लाया गया। केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने अपने भाई गोपाल वी जोशी से तीन दशक से अधिक समय से खुद को अलग कर रखा है और उनके भाई द्वारा किए गए किसी भी वित्तीय लेन-देन में उनकी कोई भूमिका नहीं है। इससे पहले जोशी के परिवार के तीन सदस्यों के खिलाफ बेंगलूरु में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। उनके भाई गोपाल जोशी पर एक महिला से लोकसभा चुनाव में भाजपा का टिकट देने का वादा

कर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। बेंगलूरु में बसवेश्वरनगर पुलिस ने गोपाल जोशी, उनकी बहन विजयलक्ष्मी जोशी और बेटे अजय जोशी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता की पहचान सुनीता चौहान के तौर पर की गई है, जो पूर्व जेडीएस विधायक देवनंद चौहान की पत्नी हैं। उन्होंने बताया कि गोपाल जोशी ने उनसे बिजपुर क्षेत्र से भाजपा का टिकट दिलवाने का वादा किया था, जिसके लिए महिला ने 25 लाख रुपये भी दिए। एफआईआर में खुलासा किया गया कि गोपाल जोशी ने टिकट के लिए पहले पांच करोड़ रुपये की मांग की थी। सुनीता चौहान ने जब अपने पैसे वापस करने के लिए गोपाल जोशी पर दबाव बनाया तो उन्हें हमले की धमकियों और जाति आधारित दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। 17 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के परिजनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया और पुलिस इस मामले की जांच शुरू कर दी है। शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने कहा था कि बसवेश्वर नगर पुलिस स्टेशन भाजपा का टिकट देने के लिए 2 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के मामले की जांच कर रही है। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान आरोपियों ने टिकट का लालच देकर 2 करोड़ रुपये वसूले थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्होंने बिना टिकट दिए और बिना पैसे लौटाए धोखाधड़ी और जातिगत दुर्व्यवहार किया। इस संबंध में बसवेश्वर नगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गयी है। भाई-बहन समेत तीनों आरोपियों को धीरे-धीरे 2 करोड़ रुपये मिल गए।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ राजस्थान परिषद ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पूज सिंधी पंचायत में कमलेश, भरत डूंगरवाल के सौजन्य से जरूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ पूज सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम कपाई ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना के साथ किया। लगभग 300 लोगों ने अन्नदानम का लाभ लिया। इस मौके पर सह-मंत्री रणजीत राखेचा, कोषाध्यक्ष पंकज बैद एवं प्रतिभा राखेचा उपस्थित रहे।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ कस्तूरबा गांधी नेशनल मेमोरियल ट्रस्ट एवं भारतीय गौ परिवार चैरिटेबल ट्रस्ट अरसीकेरे द्वारा आयोजित श्री गौ माताय जागरण महोत्सव कार्यक्रम में भजन कलाकार ओम मुंडेल एवं सुरेश पारीक ने देर रात तक भजनों की प्रस्तुति दी। जिस पर गौभक्त मंत्र मुग्ध हो गए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भारतीय गौ परिवार के गौ सेवा कार्यों की सराहना करते हुए गौ भक्तों से गौ सेवा में जुड़ने का आह्वान किया। आयोजकों ने अतिथि एवं कलाकारों को सम्मानित किया।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ संकट मोचन पार्श्व धाम दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में आश्विन मास की शरद पूर्णिमा के भव्य मेले के आयोजन में बेंगलूर, शिवमोग्गा, होसपेट, चेन्नई, दावणगिरी, भद्रावती से अनेक भैरव भक्तों ने दर्शन किए। ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक सुराणा एवं मुखिया विजय सुराणा सहित समस्त पदाधिकारियों ने प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री एवं लूनी के पूर्व सरपंच डॉ. जवरीलाल लूनावत का स्वागत व अभिनंदन किया। लूनावत ने अपने संबोधन में कहा कि नाकोड़ा भैरव दादा की यह प्रतिमा एवं शांति गुरुजी की यह प्रतिमा अति भव्य व भारत में सबसे बड़ी प्रतिमा है। सुराणा ने बताया कि प्रत्येक पूर्णिमा को यहां मेले का आयोजन होता है।

पेट्रोल पंप के पास स्कूटर में लगी आग बड़ा हादसा टला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के चितपडी इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार देर रात एक दोपहिया वाहन में उस वक्त आग लग गई, जब स्कूटर के अंडरसीट स्टोरेज में रखा पेट्रोल लीक हो गया। स्कूटर मालिक ने पेट्रोल पंप से बोतल में पेट्रोल खरीदा था और उसे वाहन के अंडरसीट स्टोरेज में रख दिया था। जब उसने स्कूटर को किक-स्टार्ट करने का प्रयास किया, तो इंजन से निकली चिंगारी ने लीक हो रहे पेट्रोल को जला दिया, जिससे दोपहिया वाहन में आग लग गई। स्कूटर पूरी तरह से आग की लपटों में घिर गया था, लेकिन पेट्रोल पंप के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़ी आपदा को टालने में मदद की। पंप पर उपलब्ध अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करके, वे आग को फैलने से पहले बुझाने में कामयाब रहे। आग पेट्रोल पंप के करीब लगी, जहां बसों सहित कई वाहन खड़े थे, जिससे अधिक गंभीर घटना को रोकने के लिए समय पर हस्तक्षेप महत्वपूर्ण हो गया। इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आग में स्कूटर पूरी तरह से नष्ट हो गया।

विजयेंद्र ने अपनी सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण कराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने भाजपा के सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत अपनी सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण कराया। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप विकसित भारत के निर्माण के लिए इस अभियान के तहत सक्रिय सदस्य बनें और संगठन को मजबूत करें। इस अवसर पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, राज्य उपाध्यक्ष हलप्पा, राज्य महासचिव नंदीश रेड्डी, राज्य सचिव और विधान परिषद सदस्य डी.एस. अरुण, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश और राज्य मीडिया सह संयोजक प्रशांत आदि उपस्थित थे।

बेंगलूरु को गायन एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में मिला प्रथम स्थान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतियोगिता 2024 के तहत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेंगलूरु को गायन एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री मोहजीत कुमार जी के सानिध्य में अणुव्रत समिति, चिकमगलूरु द्वारा कर्नाटक राज्य स्तरीय चित्रकला, संगीत, कविता लेखनी, गायन, निबंध लेखन प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। इसके तहत गायन प्रतियोगिता में अणुशिका भुतेडिया व कविता लेखन प्रतियोगिता में मुस्कान घोषल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अणुव्रत समिति, बेंगलूरु के संयोजक शांतिलाल पोरवाल ने मंगलकामनाएं संप्रेषित की एवं सम्पूर्ण अणुव्रत परिवार के श्रम की सराहना की। सहसंयोजिका सुमित्रा बरडिया, राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत, प्रतिभागी विद्यार्थी के स्कूल से अध्यापिका और मनीषा घोषल उपस्थित रहे। अणुव्रत समिति, बेंगलूरु अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने सभी प्रतिभागियों की मेहनत हेतु शुभकामनाएं संप्रेषित करते हुए संयोजक एवं सहसंयोजिका का आभार व्यक्त किया।

कर्नाटक भोवी विकास निगम घोटाले को लेकर

सीआईडी ने भाजपा एमएलसी के आवास पर छापा मारा

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक भोवी विकास निगम में करोड़ों रुपये के ऋण घोटाले की जांच कर रहे आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने शनिवार को यहां संतोष कॉलोनी में भाजपा एमएलसी सुनील वल्ल्यापुरे के आवास पर छापा मारा। 2021-22 में हुए इस घोटाले में नौकरशाहों और बिचौलियों की संलिप्तता देखी गई, जिन्होंने कथित तौर पर भोवी समुदाय के सदस्यों के लिए एक नौकरी योजना के तहत ऋण के बड़े हिस्से को ठगा। भाजपा नेता

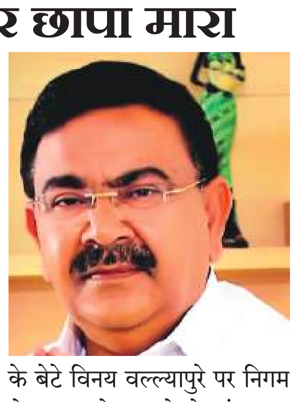

के बेटे विनय वल्ल्यापुरे पर निगम से 12 करोड़ रुपये के फंड का दुरुपयोग करने का आरोप है। सीआईडी अधिकारियों की टीम ने पूरे दिन सभी दस्तावेजों की जांच की।

सीएम ने गृहलक्ष्मी की बचत से बेटे की बी.एड. परीक्षा फीस भरने वाली महिला की सराहना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गृहलक्ष्मी योजना के तहत 2,000 रुपये मासिक भुगतान राशि से अपने बेटे की बी.एड. चौथे सेमेस्टर की परीक्षा फीस भरने वाली एक गरीब महिला की सराहना की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट का जवाब दिया है, जिसमें गृहलक्ष्मी गारंटी योजना की बचत से भुगतान करने पर कर्ज के जाल में फंसे परिवार की दुर्दशा का

उल्लेख किया गया है। सिद्धरामैया और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर को टैग करते हुए पोस्ट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री को धन्यवाद व्यक्त करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। सिद्धरामैया ने एक्स में जवाब दिया कि मैंने बचपन से ही गरीबी के कारण बच्चों को शिक्षा से वंचित होते देखा है, आज भी हमारे बीच ऐसे कई उदाहरण हैं। यह क्षण मुझे उस संघर्ष की याद दिलाता है जो मैंने खुद अपनी वांछित कानून की शिक्षा के लिए किया था। अगर किसी कारण से मेरी शिक्षा रोक दी गई होती और मैं खेती में लग गया होता, तो मुझे आज मुख्यमंत्री के रूप में लाखों कन्नड़ लोगों की सेवा करने का सौभाग्य नहीं मिलता। गरीबी में भी इस युवा की सीखने की इच्छा देखकर मुझे खुशी हुई। गृहलक्ष्मी योजना वास्तव में ऐसे लोगों तक पहुंचने के लिए है और पहुंच रही है। उस मां के प्यार और देखभाल के लिए धन्यवाद, जिसने गरीबी के दौर में भी अपने पास आए गृहलक्ष्मी पैसे का इस्तेमाल अपने बेटे की शिक्षा के लिए किया।

संपत्ति की वापसी अपराध का पहला सबूत: शोभा करंदलाजे

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दें इस्तीफा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा नेता शोभा करंदलाजे ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने वरिष्ठ, मुडा अध्यक्ष मारी गौड़ा का इस्तीफा इसलिए स्वीकार किया, ताकि इस घोटाले का ठीकरा उन पर फोड़ा जा सके। भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया को इस्तीफा देना चाहिए। बैरती सुरेश को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। बैरती सुरेश की गिरफ्तारी से सच्चाई सामने आ जायेगी। उनकी जांच होनी चाहिए। निरीक्षण किया जाना है। उन्होंने अपने साथ लायी गयी फाइलों का ब्योरा उपलब्ध कराने की मांग की। सिद्धरामैया ने अपने केस से बाहर निकलने के लिए 2013 में लोकायुक्त को बंद कर दिया था। सिद्धरामैया को टर्फ क्लब मामले में प्रबंधन के लिए 1.30 करोड़ का चेक मिला। ऐसे में सिद्धरामैया भ्रष्टाचार मुक्त कैसे हैं? शहरी विकास मंत्री बैरती सुरेश मैसूरु जाकर 1997 के बाद की सभी फाइलें लेकर आये हैं। उन्होंने पूछा कि वे कहां गए थे। फाइलों को जला दिया गया है। जब मुडा ने सीएम की पत्नी को जमीन देने का फैसला किया तब सिद्धरामैया के बेटे यतींद्र विधायक थे।

वह मुडा के भी सदस्य थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला उनकी नाक के नीचे लिया गया और जुल्म करके प्लॉट हासिल किये गये। जब यह सब हुआ तब सिद्धरामैया संवैधानिक पद पर थे। संपत्ति की वापसी अपराध का पहला सबूत है। सरकारी खजाने का पैसा भी आज कांग्रेस पार्टी को दिया जा रहा है। सिद्धरामैया दावा करते थे कि वह बहुत पाक-साफ हैं। लेकिन, एक-एक करके उनकी पवित्रता के मुखौटे उतरते जा रहे हैं। राज्य हाई कोर्ट ने सिद्धरामैया और कांग्रेस सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि आपने कानून में संशोधन किया है। राज्यपाल ने अभियोजन की अनुमति दी थी और इसे चुनौती दी गई। यह साबित हो गया कि मुडा घोटाला हुआ और ई.डी. जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि ईडी ने भी कहा है कि कानून में बदलाव किया गया है। अधिग्रहीत गैर-कृषि भूमि को कृषि भूमि के रूप में दिखाया गया था। इसे परिवर्तित कर मुडा ने ले लिया। विजयनगर तृतीय एवं चतुर्थ चरण में आपकी पत्नी को 2015 में 50-50 प्रतिशत के अनुपात में 14वां स्थान प्राप्त हुआ। देवराज असली मालिक नहीं हैं। आपके चचेरे भाई को यह कैसे मिला? यह दान के रूप में क्यों आया? उन्होंने कहा प्रदेश के विकास कार्यों के लिए एक रुपया भी जारी नहीं किया जा रहा है। बेंगलूरु में हो रही बारिश से पूरा शहर जलमग्न हो गया है। बेंगलूरु कैसा है? यहाँ के लोग कैसे हैं? ये सब कोई पूछने वाला और बताने वाला नहीं है। कर्नाटक राज्य एक समय बहुत शांतिपूर्ण राज्य था जो विकास के पक्ष में योजना लागू कर रहा था। देश के कोने-कोने से लोग बेंगलूरु आकर रहने के बारे में सोच रहे थे। हम कई सालों से बेंगलूरु गार्डन सिटी, बेंगलूरु को देश का सिंगापुर बनाने की कई बातें सुनते आ रहे हैं। सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद कर्नाटक में विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हर विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है। भ्रष्टाचार से पैसा कमाना एक व्यवसाय की तरह है। सिद्धरामैया को सबसे ज्यादा बजट पेश करने वाले सीएम होने का गौरव हासिल है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि इस समय वह वित्त मंत्री हैं और यह साबित हो रहा है कि वह सिर्फ भ्रष्टाचार कर रहे हैं। वाल्मीकि विकास निगम में उनके भ्रष्टाचार की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा की जा रही है। उन्होंने सरकार पर इस निगम के पैसे का इस्तेमाल चुनाव में करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की नाक के नीचे से इस निगम में भारी मात्रा में भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक का पैसा, जो अनुसूचित जातियों पर खर्च किया जाना था, तेलंगाना और बेल्लारी में चला गया।

चन्नपट्टना एनडीए उम्मीदवार को लेकर असमंजस की स्थिति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है क्योंकि विधान परिषद सदस्य सीपी योगेश्वर और जेडीएस नेता अपने-अपने रुख पर अड़े हुए हैं। उम्मीदवार चयन को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा और जेडीएस नेता जल्द ही बैठक कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक उम्मीदवार चयन संकट को सुलझाने के लिए बैठक करेंगे। बताया जा रहा है कि यह बैठक बिदादी के पास कुमारस्वामी के फार्महाउस या शहर के किसी निजी होटल में होने की संभावना है। हालांकि उपचुनाव के लिए अधिसूचना प्रकाशित हो चुकी है और नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन उम्मीदवार चयन के मुद्दे को अंतिम रूप नहीं दिए जाने से दोनों दलों के बीच असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। जेडीएस नेता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व जेडीएस द्वारा किया जाता है और यह हमें दिया जाना चाहिए। साथ ही योगेश्वर से कहा गया है कि अगर वह चुनाव लड़ते हैं तो वह उन्हें जेडीएस के सिंबल पर चुनाव लड़ने की इजाजत देंगे।

हालांकि, योगेश्वर न सिर्फ भाजपा के सिंबल पर चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं, बल्कि टिकट की भी दावेदारी कर रहे हैं। यह एनडीए नेताओं के लिए हॉट टॉपिक बन गया है। दोनों दलों के बीच इस बात पर सहमति है कि सीट को बरकरार रखने के लिए एक सक्षम उम्मीदवार को मैदान में उतारा जाना चाहिए। हालांकि, मौजूदा संकट यह है कि जेडीएस उम्मीदवार को चुनाव लड़ना होगा। जेडीएस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने बार-बार दबाव डाला है कि चन्नपट्टना सीट भाजपा को नहीं दी जानी चाहिए और जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी को चुनाव लड़ना चाहिए। कुमारस्वामी ने कहा कि कार्यकर्ताओं की भावनाओं के अनुरूप ही फैसला लिया जाएगा। एनडीए अपना उम्मीदवार उतारने जा रहा है और उन्हें जीत के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। निखिल कुमारस्वामी कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। दोनों पार्टियों के नेताओं को पता है कि टिकट गंवाने पर योगेश्वर निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। ऐसी भी गणना है कि अगर ऐसा हुआ तो इसका फायदा कांग्रेस को हो सकता है। कांग्रेस ने भी इस सीट को प्रतिष्ठित माना है और जोरदार मुकाबले की तैयारी की है। इन सब की पृष्ठभूमि में भाजपा और जेडीएस के नेता उपचुनावों को लेकर बिना किसी जल्दबाजी के बातचीत के जरिए सर्वसम्मत उम्मीदवार का चयन करने के लिए तरह-तरह की रणनीति और कवायद कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री को भ्रष्टाचार और दलाली छोड़कर इस्तीफा दे देना चाहिए: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने मांग की कि मुख्यमंत्री को भ्रष्टाचार और दलाली छोड़कर इस्तीफा दे देना चाहिए। शहर के मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे उन्हें कांग्रेस पार्टी आलाकमान का समर्थन प्राप्त है। सुनने में यह भी आ रहा है कि एसटी विकास निगम से चुराया गया पैसा कांग्रेस आलाकमान तक पहुंच गया है। इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है कि आलाकमान सिद्धरामैया के साथ है। अगर वह हाई कोर्ट के फैसले और पीपुल्स कोर्ट के आदेश में उल्लिखित मुद्दों को एक बार और पढ़ लें तो उनके लिए तुरंत इस्तीफा देना सुविधाजनक होगा। मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना ही होगा। ज्यादा देर तक भाग नहीं सकते। गरिमापूर्ण इस्तीफा राज्य के लिए अच्छा है। ऐसा करने पर उनका सम्मान भी थोड़ा बना रहेगा। मुख्यमंत्री ऐसे बात कर रहे हैं मानो मुडा घोटाला हुआ नहीं हो और भाजपा का दिमाग खराब हो गया हो।

मुख्यमंत्री ने 62 करोड़ का मुआवजा मांगे बिना 14 प्लॉट वापस करने का प्रयास किया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि हाई कोर्ट के फैसले और लोक अदालत के आदेश के बाद भी मुख्यमंत्री ने अपना पाखंड जारी रखा। मुडा कार्यालय में ईडी की छापेमारी लगातार जारी है। हालांकि, मुख्यमंत्री खुद को निर्दोष बताने की कोशिश कर रहे हैं। ईडी को कठपुतली बताकर केंद्र सरकार की आलोचना कर रहे हैं। विजयेंद्र ने कहा मुख्यमंत्री को लगता है कि भले ही वह गिर भी जाएं, उनकी मूंछें गंदी नहीं होंगी।

इस सवाल का जवाब देते हुए कि चन्नपट्टना उम्मीदवार के बारे में कुमारस्वामी के साथ चर्चा का समय और स्थान तय नहीं किया गया है, उन्होंने कहा हम जल्द ही बैठेंगे और चर्चा करेंगे। योगेश्वर चन्नपट्टना से विधायक रह चुके हैं। उन्होंने उस क्षेत्र में अपना योगदान दिया है।

एच. डी. कुमारस्वामी ने बाद में उस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और अब एक सांसद और केंद्रीय मंत्री हैं। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि एचडीके ने उस निर्वाचन क्षेत्र के बारे में हमारी पार्टी के नेताओं से चर्चा की है। मैं भी चाहता हूं कि योगेश्वर के साथ अन्याय न हो। हम इसको लेकर भी चर्चा करेंगे। हालांकि केंद्र के वरिष्ठ ही अंतिम निर्णय लेंगे।

आंतरिक आरक्षण मामला : अनुसूचित समुदाय के नेताओं के साथ सीएम ने की बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जाति जनगणना के कड़े विरोध के बीच आंतरिक आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अनुसूचित समुदाय के नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में वामपंथी समुदाय के मंत्री केएच मुनियप्पा, आरबी तिम्मापुर, राज्यसभा के पूर्व सदस्य एल. हनुमंतैया, पूर्व मंत्री अंजनैया, सिवान्ना, विधान परिषद सदस्य डॉ. तिमैय्या, विधायक बसंतप्पा, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और अन्य लोग उपस्थित थे। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में फैसला सुनाया कि राज्य सरकारों को आंतरिक आरक्षण देने का अधिकार है और इसके अनुसार, नेताओं ने मांग की कि राज्य में अनुसूचित जाति को आरक्षण देने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। दशकों से इस मांग को जानबूझ कर नजरअंदाज किया जाता रहा है। राजनीतिक तौर पर सभी पार्टियां इस मुद्दे पर अगुआई कर रही हैं और समाज को गुमराह कर रही हैं। कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनाव से पहले चित्रदुर्ग में एक सम्मेलन आयोजित किया और आंतरिक आरक्षण देने का वादा किया। इसके मुताबिक सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने मांग की कि सरकार को जनता से दिये गये वादे के अनुरूप काम करना चाहिए। नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि अगले कुछ दिनों में स्थानीय निकायों के चुनाव होंगे।

उस समय तक हमें लोगों को अपना चेहरा दिखाना होगा। इसलिए आंतरिक आरक्षण लागू किया जाना चाहिए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि आंतरिक आरक्षण को लेकर पिछली सरकार के फैसले को लोकसभा में स्वीकार नहीं किया गया। लंबे संघर्ष और मांग के अनुरूप हमारी सरकार कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि आंतरिक आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये आदेश का भी समर्थन किया जाता है। पिछड़े वर्गों के लिए स्थायी आयोग द्वारा आयोजित जाति जनगणना रिपोर्ट के कार्यान्वयन से आरक्षण के लिए वैज्ञानिक डेटा उपलब्ध होगा। कोर्ट इसका फैसला सुनाएगा। उन्होंने अनुरोध किया है कि आने वाले दिनों में इस संबंध में आने वाली आपत्तियों के लिए समुदाय को सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए।

मुडा कार्यालय में ईडी की तलाशी कानूनी जांच नहीं, राजनीति से प्रेरित : इवान डिसूजा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एमएलसी इवान डिसूजा ने शनिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) कार्यालय में की गई तलाशी राजनीति से प्रेरित जांच है, न कि कानूनी जांच। उन्होंने कहा कि भाजपा नफरत की राजनीति कर रही है। मुडा कार्यालय में ईडी द्वारा की गई तलाशी के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा केंद्र जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है और एजेंसियां केंद्र के इशारों पर नाच रही हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा मुडा घोटाले की जांच पर हमें कोई आपत्ति नहीं है। एक वकील के तौर पर मुझे लगता है कि ईडी कानूनी तौर पर मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकता, क्योंकि मामले में कोई वित्तीय लेनदेन नहीं हुआ था। मुडा द्वारा केवल साइट आवंटित की गई थी। एमएलसी ने कहा अगर उन्हें मामले में कोई संदेह था तो ईडी को बहुत पहले जांच करनी चाहिए थी। अगर आवंटित जमीन को लेकर कोई अवैध गतिविधि या विवाद था, तो वे इसकी जांच कर सकते थे। हालांकि, भाजपा इसे सीएम सिद्धरामैया के घोटाले में शामिल होने के रूप में पेश कर रही है। लोकायुक्त पहले से ही उच्च न्यायालय के निर्देश पर जांच कर रहा है और राज्य सरकार ने घोटाले की जांच के लिए एक सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया है। ऐसे में अन्य एजेंसियों को जांच करने की क्या जरूरत थी? उन्होंने कहा कि यह भाजपा द्वारा रची गई नफरत की राजनीति का हिस्सा है। नतीजतन, लोगों का समाज में न्याय पर विश्वास खत्म हो जाएगा। एमएलसी उपचुनावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार राजू पुजारी को ग्राम पंचायत से लेकर जिला पंचायत तक स्थानीय निकायों का ज्ञान है क्योंकि उन्होंने सभी स्थानीय शासन में काम किया है।

भाजपा उम्मीदवार ने ग्राम पंचायत सदस्य के रूप में भी काम नहीं किया है और उन्हें स्थानीय निकायों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

डीके स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्रों से एमएलसी उपचुनाव लड़ने वालों को स्थानीय निकायों को परेशान करने वाले मुद्दों के बारे में जानकारी होनी चाहिए और उन्हें विधान परिषद में इसे उठाने की क्षमता होनी चाहिए। इससे पहले पूर्व सांसद डीके सुरेश ने आरोप लगाया था कि मुडा मामले में प्रवर्तन निदेशालय का हमला राजनीति से प्रेरित है। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मामला पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। लोकायुक्त पहले ही मामला दर्ज कर जांच कर रहे हैं। अब प्रवर्तन निदेशालय का हमला हुआ है। मामले में कोई वित्तीय लेन-देन नहीं हुआ। उसका कहीं कोई जिक्र नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय ने 15 दिन पहले मामला दर्ज किया था। केंद्र सरकार सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय को विपक्षी दलों के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। पिछले 10 सालों से कई हमले और मामले आम हो गए हैं। नागेंद्र को हाल ही में ईडी ने गिरफ्तार किया था। अंत में एक दिन उन्हें सच्चाई का एहसास होगा।

उपचुनाव प्रत्याशियों के चयन को लेकर शिवकुमार ने की अहम बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की है। ज्ञात हो कि उन्होंने राजराजेश्वरी नगर निर्वाचन क्षेत्र में अपने कॉलेज के हॉल में चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं की एक बैठक की।

उन्होंने उम्मीदवार कौन होना चाहिए, इसके बारे में जानकारी दी और बैठक में उम्मीदवार के नाम का उल्लेख किया। विधानसभा उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही अधिसूचना जारी हो गई है।

अभी तक तीनों पार्टियों ने उम्मीदवारों के बारे में खुलासा नहीं किया है। सत्तारूढ़ कांग्रेस को जेडीएस-भाजपा गठबंधन का सामना करना पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में कांग्रेस एक मजबूत उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरने की तैयारी कर चुकी है। वह सभी के साथ बैठक कर उन्हें विश्वास में लेने को तैयार हैं। पूर्व सांसद डीके सुरेश के उम्मीदवार होने की अफवाहों के बीच कई नाम सामने आये हैं। डीके शिवकुमार कह रहे हैं कि वह अपने परिवार से किसी को भी चुनाव मैदान में नहीं उतारेंगे। पिछली बैठक में क्षेत्र के नेताओं ने कहा था कि डीके सुरेश को ही मैदान में उतारना चाहिए। अन्यथा उपचुनाव कराना मुश्किल हो जाएगा। इस बीच शिवकुमार का कहना है कि हम एक आश्चर्यजनक उम्मीदवार उतारेंगे। बताया जा रहा है कि डीके शिवकुमार ने सभी को मिलकर काम करने और कांग्रेस पार्टी को जिताने के लिए कहा है।

अशोक ने मुडा मामले में आरोपियों के पासपोर्ट जब्त करने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने ईडी और राज्य के पुलिस महानिदेशक से निष्पक्ष जांच के मद्देनजर मुडा मामले से जुड़े संभावित सभी गवाहों, आरोपियों, अधिकारियों के पासपोर्ट तुरंत जब्त करने की अपील की है। उन्होंने एक्स में इस बारे में पोस्ट कर कहा कि ईडी की जांच इतनी तेज होने की स्थिति में पूरा मामला दूसरे स्तर पर पहुंच गया है। इस मामले में सत्ता के सर्वोच्च पदों पर बैठे लोगों, उनके परिवार के सदस्यों, वरिष्ठ अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। इसलिए यह मामला जितना गंभीर है उतना ही

संवेदनशील भी है। मुडा में हुए करोड़ों रुपये के घोटाले की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। ईडी अधिकारी मैसूरु मुडा कार्यालय, तालुक कार्यालय का दौरा कर रहे हैं और दस्तावेजों का सत्यापन कर रहे हैं। बताया गया है कि संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की गई है।

इससे पहले अशोक ने कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया था कि मुडा कार्यालय और आवास पर ईडी अधिकारियों द्वारा की गई छापेमारी में केंद्र सरकार या भाजपा की कोई संलिप्तता नहीं थी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब भी कोई हमला होता है तो कांग्रेस का केंद्र पर आरोप लगाना सामान्य बात है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मैसूरु में मुडा कार्यालय और मामले के चौथे आरोपी देवराज के आवास पर ईडी की छापेमारी का हमारी पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। आखिरकार, यह भाजपा नहीं थी जिसने ईडी से शिकायत की थी। मैसूरु स्थित सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमई कृष्णा ने 500 पन्नों का एक दस्तावेज जमा किया था। साथ ही ईडी के अधिकारियों ने खुद उनसे बयान लिया था। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा की भूमिका कहां से आती है। सिद्धरामैया की साइट्स ही नहीं बल्कि 3-4 हजार करोड़ की संपत्ति अवैध है, जिस स्नेहमई कृष्णा की शिकायत पर ईडी ने छापा मारा था, उसके आधार पर मारी गौड़ा ने खुद सरकार को पत्र लिखकर जांच की मांग की थी। इसके बाद स्नेहमई ने शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस ने खुद अवैध होने की बात कही है। इस प्रकार उन्होंने दोहराया कि ईडी का यह हमला राजनीति से प्रेरित नहीं था। 3-4 हजार करोड़ का अवैध मामला है। क्या इतना पैसा सरकारी खजाने में आये तो अच्छा नहीं है? उन्होंने कहा कि हमने ईडी के पास कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

राहुल गांधी और सिद्धरामैया के खिलाफ

अपमानजनक बयान देने के लिए भाजपा विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में यहां आयोजित एक जनसभा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी का कथित तौर पर अपमान करने के आरोप में विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। कांग्रेस नगर पार्षद परशुराम होसामनी की शिकायत पर शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। होसामनी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 15 अक्टूबर को एक कार्यक्रम में यतनाल ने राहुल गांधी और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अपमानजनक बयान दिया। उनकी शिकायत के आधार पर गांधी चौक पुलिस स्टेशन में यतनाल के

खिलाफ शांति भंग करने और झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए जानबूझकर अपमान करने का मामला दर्ज किया गया। इससे पहले भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा था कि अगर पुलिस जी परमेश्वर के घोटालों की निष्पक्ष जांच करती तो वह मुझसे पहले ही गिरफ्तार हो गए होते। परमेश्वर ने कहा था कि अगर उन्होंने पुलिस जांच में सहयोग नहीं किया, तो उन्हें गिरफ्तार करना होगा। जिसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए, यतनाल ने कहा कि उनका घोटाला बड़ा है। उन्होंने कहा कि इंतजार कीजिए और देखिए, उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इससे पहले यहां की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने गुरुवार को विजयपुरा से भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। वे स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव की पत्नी तबस्सुम राव पर कथित टिप्पणी को लेकर अदालत में पेश नहीं हुए। तबस्सुम राव ने विधायक यतनाल के खिलाफ निजी मामला दायर किया था।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा अस्पताल में भर्ती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। करीब दो महीने पहले अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, दिग्गज राजनेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा को शनिवार को फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मणिपाल अस्पताल के एक बयान के अनुसार, जहां 92 वर्षीय राजनेता, जो पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री भी हैं, को स्वास्थ्य जांच और अनुकूलन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और सोमवार को उन्हें छुट्टी मिलने की उम्मीद है। कृष्णा को निमोनिया और फेफड़ों में जमाव के इलाज के लिए चार महीने अस्पताल में

रहने के बाद 28 अगस्त को उसी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। जुलाई तक वह पर्याप्त सहायता और कृत्रिम वेंटिलेशन के साथ आईसीयू में थे, जिसके बाद उन्हें वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया था। अप्रैल में उन्हें तीव्र श्वसन संक्रमण के कारण पहले विठ्ठल माल्या रोड स्थित व्यदेही सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, बाद में उन्हें मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आज तक मैंने जनता दल और भाजपा के बारे में अलग-अलग बात नहीं की: कुमारस्वामी

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि सड़क पर चर्चा करना संभव नहीं है कि किसने किसको जन्म दिया है। उन्होंने विधायक बसनगौड़ा यतनाल के उस बयान का समर्थन किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि जेडीएस का पुनर्जन्म हुआ है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस पर चर्चा करना उपयोगी नहीं होगा। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि दिल्ली के नेताओं को इसकी पूरी जानकारी है और सड़कों पर खड़े होकर इस पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। आज तक मैंने

जनता दल और बीजेपी के बारे में अलग-अलग बात नहीं की है। मैंने एनडीए उम्मीदवार के तौर पर बात की। जो लोग बलिदान की बात करते हैं उन्हें उनसे सवाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह इसलिए काम कर रहे हैं ताकि हमारे गठबंधन में कोई बाधा न आए। मैं देख रहा हूं कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार का प्रशासन कैसा है। क्या प्रशासन चल रहा है? क्या कोई सरकार है? पिछले एक सप्ताह से बारिश हो रही है। बागलकोट, हावेरी, चित्रदुर्ग में प्याज, अंगूर और मक्का उत्पादकों की स्थिति क्या है? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इसके बारे में पूछने वाले किसी भी व्यक्ति के पास कोई दिशा नहीं है। बेंगलूरु शहर के कुछ हिस्सों में बाढ़ आ गई है। क्या किसी ने उस स्थान का दौरा किया है? क्या किसी के पास इस पर कोई विचार है? चन्नपट्टना उपचुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार चयन के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा समेत एनडीए नेता बैठक करेंगे और फैसला लेंगे।

विजयेंद्र ने आरएसएस नेताओं से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र ने यहां गोकुल रोड स्थित राष्ट्रीय स्वयं संघ के कार्यालय केशव कुंज का दौरा किया और संघ के नेताओं के साथ लगभग एक घंटे तक चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि पार्टी के प्रचारक नरेंद्र से उनकी लंबी चर्चा हुई और पार्टी के संगठन को लेकर कई सुझाव मिले। बताया जाता है कि विजयेंद्र को सांसद और पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई के परिवार को शिग्गांव विधानसभा उपचुनाव के लिए टिकट देने के दबाव के बारे में सुझाव मिले थे। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि अन्य दो विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। राज्य सरकार के घोटालों, गारंटी योजनाओं का उपचुनाव पर असर को लेकर चर्चा हुई। पुराने हुब्बल्ली दंगा मामले को वापस

लेने के राज्य सरकार के कदम, मुडा घोटाला आदि पर चर्चा की। मालूम हो कि विजयेंद्र ने पुराने हुब्बल्ली दंगा मामले को वापस लेने वाली राज्य सरकार के खिलाफ नरेंद्र से चर्चा की थी। 25 तारीख को शहर में विशाल विरोध प्रदर्शन किया जायेगा और इस पर भी गंभीर चर्चा की गयी है। मुडा के कार्यालय पर ईडी की छापेमारी, संभावित कानूनी कार्यवाही, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का इस्तीफा लेने की लड़ाई के बारे में विस्तृत चर्चा हुई। चर्चा के दौरान बीवाई विजयेंद्र और नरेंद्र के अलावा किसी और को अनुमति नहीं दी गई।

चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव पर

मतभेद दूर करने के लिए कुमारस्वामी येदियुरप्पा विजयेंद्र से मिलेंगे: निखिल कुमारस्वामी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडी(एस) नेता निखिल कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि उनके पिता और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव के संबंध में मतभेद दूर करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा और उनके बेटे तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि जेडी(एस) और भाजपा नेता रविवार तक उम्मीदवार के नाम पर अंतिम फैसला करेंगे। निखिल ने बताया कि 13 नवंबर को होने वाले चन्नपट्टना विधानसभा उप-चुनाव में एनडीए उम्मीदवार के चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया है। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद कुमारस्वामी के विधानसभा से इस्तीफा देने के बाद चन्नपट्टना सीट खाली हो गई थी। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि एनडीए उम्मीदवार चन्नपट्टना से चुनाव लड़ेगा। निखिल ने कहा कि यह निर्णय केंद्रीय और राज्य स्तर के भाजपा और जेडी(एस) नेताओं द्वारा लिया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते निखिल ने कहा पिछले कुछ महीनों से जो भी छोटे-मोटे मुद्दे या उलझनें चल रही हैं, उन्हें जल्द ही ठीक कर लिया जाएगा। चन्नपट्टना उपचुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाले भाजपा नेता सी पी योगीश्वर के बारे में जेडीएस नेता ने कहा कि यह उनकी इच्छा है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह निर्णय भाजपा और जेडीएस के केंद्रीय स्तर के नेताओं द्वारा लिया जाएगा। रविवार तक हम (उम्मीदवार के बारे में) किसी निष्कर्ष पर पहुंच जाएंगे। जेडीएस और भाजपा सूत्रों के अनुसार, चन्नपट्टना सीट जेडीएस उम्मीदवार के लिए आरक्षित की गई है।

राज्य सरकार डीके और उडुपी में लागत में कटौती के उपाय के रूप में बीपीएल कार्डों का करेगी सत्यापन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार ने लागत में कटौती के उपाय के रूप में बीपीएल कार्डों का सत्यापन शुरू किया है, जिसमें दक्षिण कन्नड़ में 54,093 और उडुपी में 39,627 कार्डों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

अधिकारियों का अनुमान है कि इनमें से लगभग 2 प्रतिशत कार्ड रद्द किए जा सकते हैं, लेकिन पूरी जांच के बाद ही। कार्डधारकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उन्हें सत्यापन के दौरान अतिरिक्त सबूत देने की आवश्यकता होती है, विशेष रूप से अन्नभाग्य योजना से लाभान्वित होने वालों को। परिवार की वित्तीय स्थिति और आय के आधार पर राशन कार्ड रद्द किए जाएंगे। आयकरदाताओं के बीपीएल कार्ड रद्द करने पर जनता में आक्रोश बढ़ गया है, जिनमें से कुछ का दावा है कि उन्होंने रिटर्न

दाखिल नहीं किया है और उनकी गलत पहचान की जा रही है।

खाद्य निरीक्षक अयोग्य कार्ड रद्द करने के लिए जिम्मेदार है। यदि कोई कार्ड निरस्त हो जाता है तो धारक खाद्य निरीक्षक और तहसीलदार से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद जिला उपनिदेशक कार्यालय में अपील कर सकता है। ऐसे मामलों में नए कार्ड बनवाने होंगे, हालांकि कई वर्षों से बीपीएल कार्ड जारी नहीं किए गए हैं। ऐसे परिवारों के कार्ड भी निरस्त किए जाएंगे जिनके सदस्य कार के मालिक हैं या विदेश में रहते हैं। खाद्य विभाग के उपनिदेशक रवींद्र ने बताया कि सभी कार्डों की गहन जांच की जाएगी और केवल अपात्र पाए जाने वाले कार्ड ही निरस्त किए जाएंगे।

भारी बारिश से यातायात प्रभावित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु सहित राज्य के विभिन्न जिलों में शनिवार दोपहर को भारी बारिश दर्ज की गई। जिससे यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। साथ ही कई इलाके जलमग्न भी हो गए। पिछले कुछ दिनों से जारी बारिश से लोगों को शुक्रवार को राहत मिली थी। इससे पहले आईटी राजधानी मंगलवार को लगातार बारिश के बाद एक आभासी हिल स्टेशन में बदल गई थी, साथ ही तापमान में भी गिरावट आई थी। हालांकि, कई इलाकों में जलभराव की सूचना मिली, जिसके कारण भारी यातायात जाम हो गया। सोमवार देर रात से लगातार हो रही बारिश ने पूरे शहर में यात्रियों और पैदल चलने वालों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। राज्य के दक्षिणी हिस्से में स्थित बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, मांड्या, मैसूरु, कोलार, चिकबल्लापुर, रामनगर, हासन, चामराजनगर और कोडागु में भारी बारिश दर्ज की गई।

मुडा घोटाला मामला : लोकायुक्त पुलिस ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी से 3 घंटे तक पूछताछ की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ मामले में लोकायुक्त पुलिस ने शनिवार को मैसूरु में लोकायुक्त कार्यालय में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी, मैसूरु के पूर्व डीसी और रायचूर कांग्रेस सांसद जी कुमार नाइक से पूछताछ की। उन्होंने कथित तौर पर मैसूरु तालुक के केसारे गांव के सर्वेक्षण संख्या 464 पर 3.16 एकड़ कृषि भूमि को 2002 और 2005 के बीच मैसूरु में डीसी के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान गैर-कृषि भूमि में कथित रूप से परिवर्तित करने के संबंध में उनसे तीन घंटे तक पूछताछ की। आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की शिकायत के अनुसार, देवराजू ने 25 अगस्त, 2004 को यह जमीन बी एम

मल्लिकार्जुन स्वामी को बेच दी थी।

इसके अलावा, इसे कृषि भूमि से गैर-कृषि भूमि में परिवर्तित कर दिया गया था। 6 अक्टूबर 2010 को मल्लिकार्जुन स्वामी ने यह जमीन अपनी बहन और सीएम की पत्नी बी.एम. पार्वती को उपहार में दे दी। लोकायुक्त पुलिस सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ 27 सितंबर को दर्ज एफआईआर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। 25 सितंबर को, निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के लिए बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने मैसूरु स्थित आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर मैसूरु के अधिकार क्षेत्र वाले लोकायुक्त पुलिस को सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया।

सनातन के खिलाफ बोलने वाले द्रविड़ शब्द पर चिहुंक रहे

स्टालिन और उदयनिधि गैर संवैधानिक हरकतों पर उतरे

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सनातन के खिलाफ अपशब्द बोलने वाले नेता द्रविड़ शब्द पर चिहुंक रहे हैं। इसे मुद्दा बना कर तमिलनाडु के सीएम स्टालिन और उनके पुत्र उदयनिधि गैर संवैधानिक हरकतों पर उतर आए हैं। स्टालिन और उदयनिधि तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को राज्यपाल बने रहने को लेकर भी चुनौती देने लगे हैं। तमिलनाडु में सुनियोजित तरीके से सियासी पारा गरम किया गया है। यहां राज्य गीत में द्रविड़ शब्द छूटने पर हंगामा हो गया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यपाल आरएन रवि पर गंभीर आरोप लगाए। इस पर राज्यपाल ने सफाई भी दी। हालांकि, राज्यपाल के बयान पर सीएम स्टालिन ने कहा कि यदि आर एन रवि राज्यपाल बने रहना चाहते हैं तो उन्हें खुद को विभाजनकारी ताकतों से मुक्त कर लेना चाहिए और संवैधानिक मानदंडों के अनुसार कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने उनसे राजभवन को राजनीतिक पार्टी कार्यालय में बदलने से बचने की भी सलाह दी।

मामला दूरदर्शन के हिंदी महोत्सव समापन समारोह से जुड़ा है। इस समारोह में तमिल थाई वाज्थु गाया जा रहा था। इस दौरान गलती से गीत से द्रविड़ शब्द छूट गया, जिसके बाद सीएम एमके स्टालिन ने इसे तमिल भाषा का अपमान बताया। स्टालिन ने

कहा कि राज्यपाल को द्रविड़ियन एलर्जी है और केंद्र सरकार को तुरंत उन्हें पद से हटाना चाहिए। हालांकि, इसके बाद राज्यपाल ने सफाई दी थी। वहीं, दूरदर्शन केंद्र ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए माफी मांगी है।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि राज्य के लोग इस वाकये से बेहद नाराज हैं। उन्होंने राज्यपाल पर एकता को खत्म करने का आरोप लगाया। साथ ही मांग की कि केंद्र सरकार राज्यपाल को तुरंत वापस बुलाए। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि की मौजूदगी में डीडी तमिल हिंदी उत्सव कार्यक्रम हुआ। यहां तमिल राज्य गान से द्रविड़ थिरुनाडु लाइन को हटा दिया गया। इससे तमिलनाडु के लोगों में बहुत गुस्सा है। उदयनिधि ने राज्यपाल के इस आरोप का परोक्ष रूप से जिक्र किया कि मुख्यमंत्री ने उनके खिलाफ नस्लवादी टिप्पणी करके अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, डिप्टी सीएम स्टालिन ने कहा, अन्नादुरई की राह पर चलने वाले हमारे नेता (एमके स्टालिन) को गरिमा का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है।

पहले सीएम एमके स्टालिन ने सवाल उठाते हुए कहा था कि अगर राष्ट्रीय गान से इस तरह का कोई शब्द हटाया जाता तो क्या राज्यपाल इसे स्वीकार करते? उन्होंने इस घटना को तमिलनाडु और तमिल भाषा का अपमान बताया और आरोप लगाया कि राज्यपाल रवि ने राज्य की भावनाओं का अनादर किया है। स्टालिन ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वे ऐसे व्यक्ति को पद से हटा दें, जो तमिल संस्कृति और कानून का सम्मान नहीं करता।

हालांकि, राज्यपाल के कार्यालय ने इस आरोप का खंडन किया। उनके मीडिया सलाहकार थिरुग्णना संबंदम ने कहा था कि यह भूल से हुआ था और राज्यपाल का इसमें कोई हाथ नहीं था। उनके मुताबिक, कार्यक्रम की शुरुआत में गायकों की टीम ने अनजाने में द्रविड़ शब्द छोड़ दिया था। उन्होंने इसे तुरंत आयोजकों के ध्यान में लाने की बात कही और इसे एक सामान्य गलती बताया।

राज्यपाल रवि ने स्टालिन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे नस्लीय टिप्पणी बताया था। उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री ने उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए और तमिल गीत का सम्मान न करने का आरोप लगाया। रवि ने दावा किया था कि वे हर समारोह में पूरे सम्मान के साथ तमिल थाई वल्थू गाते हैं और तमिल भाषा को गहराई से सम्मान देते हैं। स्टालिन ने न केवल राज्यपाल पर निशाना साधा था, बल्कि हिंदी महोत्सव के आयोजन को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा था कि गैर-हिंदी भाषी राज्यों में इस तरह के आयोजनों से अन्य भाषाओं का अपमान होता है। उन्होंने सुझाव दिया था कि केंद्र सरकार को हिंदी के बजाय स्थानीय भाषा के महीने का आयोजन करना चाहिए। शुक्रवार शाम को दूरदर्शन तमिल कार्यालय में आयोजित हिंदी माह के समापन समारोह में तमिल थाई वाज्थु गाते समय, जिसमें राज्यपाल भी शामिल हुए थे, राष्ट्रगान गा रहे समूह ने अनजाने में एक पंक्ति छोड़ दी। दूरदर्शन केंद्र ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए माफी मांगी है।

देश की एकता को तबाह कर रहे हैं बाप-बेटे

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में द्रविड़ शब्द को लेकर जारी विवाद पर अब भाजपा नेताओं ने भी प्रतिक्रिया दी है और तमिलनाडु के सीएम पर तीखा हमला बोला है। दरअसल सीएम स्टालिन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु के राज्य गान से द्रविड़ शब्द हटाए जाने का आरोप लगाया और इसे लेकर राज्यपाल को हटाने की मांग तक कर डाली।

इस पर तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष नारायण तिरुपति ने कहा कि देश की एकता को इंडी गठबंधन और खासकर एमके स्टालिन और उनके बेटे द्वारा तबाह किया जा रहा है। बीआर अंबेडकर ने साफ कहा था कि आर्यन और द्रविड़ रेस जैसा कुछ नहीं है। ये सब एक मिथक है। द्रविड़ियन एक भौगोलिक स्थान है। ये लोग बीते 50-60 वर्षों से देश को धर्म, जाति, क्षेत्र और भौगोलिक आधार पर देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. तमिलसाई सुंदरराजन ने कहा कि डीएमके बार-बार ऐसा दिखाना चाहती है कि जैसे केंद्र सरकार हिंदी थोप रही है। असल में हिंदू बनारस यूनिवर्सिटी में तमिल चेयर की स्थापना की गई। महाराष्ट्र में एक बंदरगाह का नाम राजेंद्र चोल के नाम पर रखा गया और साथ ही वहां उनकी प्रतिमा भी लगाई गई। प्रधानमंत्री तमिल भाषा को अन्य राज्यों में लेकर गए हैं। मैं सीएम स्टालिन से सवाल पूछती हूं कि सेंगोल, जो तमिल परंपरा का प्रतीक है, उसे संसद में स्थापित किया गया है। उन्होंने उसे क्या सम्मान दिया? तीन भाषा की नीति हिंदी सीखने के लिए ही नहीं है, बल्कि ये अपनी मातृभाषा से अलग कोई अन्य भाषा सीखने के लिए है, फिर वो क्यों उसका विरोध कर रहे हैं? अन्य राज्यों के लोग भी तमिल भाषा सीख रहे हैं तो फिर आप यहां के लोगों को दूसरी भाषा सीखने क्यों नहीं दे रहे हैं?

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की महत्वपूर्ण कार्रवाई

राजद नेता गुलाब यादव और आईएएस संजीव हंस गिरफ्तार

पटना, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार के पूर्व विधायक राजद नेता गुलाब यादव और आईएएस अधिकारी संजीव हंस को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने अवैध धन से करोड़ों की सम्पत्ति अर्जित की।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजीव हंस बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाते हैं। हंस पर आरोप है कि उन्होंने गुलाब यादव के साथ मिलकर अवैध रूप से करोड़ों की सम्पत्ति जुटाई। जांच में यह सामने आया है कि हंस और यादव ने 95 करोड़ रुपए का एक रिसॉर्ट और 10 करोड़ रुपए का एक फ्लैट खरीदा, जो काली कमाई का हिस्सा है। ईडी का कहना है कि इन सम्पत्तियों की खरीद में हवाला के जरिए पैसे का लेन-देन किया गया।

संजीव हंस की गिरफ्तारी उनके पटना स्थित सरकारी आवास से हुई।

इसके पहले उनके ऊर्जा स्टेडियम के निकट वाले आवास और दिल्ली के तीन ठिकानों पर ईडी ने शुक्रवार को छापा भी मारा था। पूर्व विधायक गुलाब यादव को दिल्ली स्थित रिसॉर्ट से गिरफ्तार किया गया।

आरजेडी विधायक रह चुके गुलाब यादव के व्यवसायिक संबंध संजीव हंस के साथ काफी गहरे रहे हैं। ईडी की कार्रवाई के बाद से बिहार की राजनीतिक प्रशासनिक हलचल बढ़ गई है। ईडी ने इस मामले में अन्य गिरफ्तारियों की संभावना से इन्कार नहीं किया है।

नक्सलियों के आईईडी धमाके में दो जवान शहीद, दो घायल

छत्तीसगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के मोहंदी में नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया, जिसमें इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) के चार जवान घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक इलाज के लिए रायपुर एयर लिफ्ट किया गया, लेकिन उनमें दो जवान शहीद हो गए। अन्य दो की हालत सामान्य है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर जिले के ओरछा, मोंडी एवं एरठभट्टी से तिब्बत सीमा सुरक्षा बल, सीमा सुरक्षा बल एवं जिला रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त पार्टी नक्सली अभियान के लिए धुरबेड़ा की ओर रवाना हुए थे। वापसी के दौरान दोपहर ग्राम कोडलियर के पास जंगल में बारूदी सुरंग के चपेट में आने से तिब्बत सीमा सुरक्षा बल के दो जवान शहीद हो गए। शहीद अमर पंवार (36) महाराष्ट्र और शहीद के राजेश (36) आंध्रप्रदेश के रहने वाले थे।

बुनियादी ढांचा राष्ट्रीय विकास की कुंजी है: गड़करी

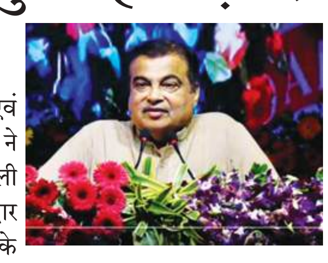

भोपाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बेहतर परिवहन प्रणाली आर्थिक विकास के नए द्वार खोलती है और रोजगार के अवसर पैदा करती है। श्री गड़कारी यहाँ मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग और भारतीय सड़क कांग्रेस द्वारा आयोजित सड़क और पुल निर्माण में नवीनतम उभरते रुझान और प्रौद्योगिकी विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने दोहराया कि बुनियादी ढांचे का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि यह क्षेत्र न केवल प्रगति को गति देता है बल्कि भारत के भविष्य का खाका भी तैयार करता है। उन्होंने गुणवत्ता सुनिश्चित करने, सड़क दुर्घटनाओं को कम करने, पर्यावरण की रक्षा करने और जमीनी चुनौतियों का समाधान करने जैसे प्रमुख उद्देश्यों पर जोर दिया, जिनके बारे में उनका मानना है कि सभी स्तरों पर सामूहिक प्रयासों से ही इन्हें हासिल किया जा सकता है। श्री गडकरी ने अपशिष्ट से संपदा नीति अपनाने की वकालत की, जो सड़क निर्माण में अपशिष्ट पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा देती है, जिससे वित्तीय और पर्यावरणीय दोनों तरह का फायदा है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह सम्मेलन राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में नई गति लाएगा, जो विभिन्न निर्माण परियोजनाओं की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देगा। दो दिवसीय सम्मेलन में कई तकनीकी सत्र शामिल हैं, जहां देश भर के विशेषज्ञ नवीन तकनीकों, निर्माण सामग्री और इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) समझौता प्रक्रिया में चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे। कार्यक्रम में सड़क और पुल निर्माण में उपयोग की जाने वाली नवीनतम मशीनरी और तकनीकों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है।

स्कार्पियों की चपेट में आने से छह कावड़ियों की मौत,12 घायल

बांका, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में बांका जिले के फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र में स्कार्पियो की चपेट में आने से चार महिला समेत छह कावड़ियों की मौत हो गयी तथा 12 अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि शुक्रवार की रात कांवरियों का दल अमरपुर के जेठौरनाथ मंदिर जा रहा था। इस दौरान नगरडीह मोड़ के समीप स्कार्पियो ने कांवरियों को कुचल दिया। इस घटना में चार महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गये।

मृतकों की पहचान अमरपुर थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर इटहरी निवासी राम चरण तांती (50), गौतम यादव की पत्नी पुतुल देवी, रजौन थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव निवासी अर्जुन यादव की पत्नी ललिता देवी (50), अरुण पासवान की पत्नी चुन्नी देवी (45), दिनेश यादव की पत्नी सुमित्रा देवी(45) और शोभानपुर गांव निवासी सहदेव यादव की पुत्री लक्खी कुमारी (17) के रूप में की गयी है।

कर्मयोगी सप्ताह से मिलने वाली सीख व अनुभव से विकसित भारत में मदद मिलेगी: मोदी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां कर्मयोगी सप्ताह- राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह का शुभारंभ किया और कहा कि इससे मिलने वाली नयी सीख और अनुभव विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री ने डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मिशन कर्मयोगी के माध्यम से हमारा लक्ष्य ऐसा मानव संसाधन तैयार करना है जो देश के विकास की प्रेरक शक्ति बने।

अभी तक की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर हम इसी उत्साह के साथ काम करते रहेंगे तो देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के दौरान मिली नई सीख और अनुभव हमें कार्य प्रणालियों को बेहतर बनाने की क्षमता और मदद देंगे, जिससे हमें 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने पिछले दस वर्षों में सरकार की मानसिकता बदलने के लिए उठाए गए कदमों की चर्चा की, जिसका

असर आज लोगों को महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार में काम करने वाले लोगों के प्रयासों और मिशन कर्मयोगी जैसे कदमों के प्रभाव से संभव हुआ है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक अवसर के रूप में देखती है, जबकि भारत के लिए यह एक चुनौती और अवसर दोनों प्रस्तुत करता है। उन्होंने दो एआई के बारे में बात की, एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दूसरा आकांक्षी भारत। प्रधानमंत्री ने दोनों के बीच संतुलन के महत्व पर जोर दिया और कहा कि अगर हम आकांक्षी भारत की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सफलता-पूर्वक उपयोग करते हैं, तो इससे परिवर्तनकारी बदलाव हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि डिजिटल क्रांति और सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण सूचना समानता एक मानक बन गई है। एआई के साथ, सूचना तैयार करना भी समान रूप से आसान हो रहा है, जिससे नागरिकों को जानकारी मिल रही है और उन्हें सरकार की सभी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। इसलिए, सिविल सेवकों को नवीनतम तकनीकी विकास के साथ खुद को अपडेट रखने की आवश्यकता है, जिससे बेहतर होते मानकों को पूरा किया जा सके, जिसमें मिशन कर्मयोगी मददगार साबित हो सकता है।

उन्होंने नई सोच और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नए विचारों के लिए स्टार्टअप, शोध एजेंसियों और युवाओं से मदद लेने का उल्लेख किया। उन्होंने विभागों से फीडबैक तंत्र की व्यवस्था करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने आईजीओटी प्लेटफॉर्म की सराहना की और कहा कि इस प्लेटफॉर्म पर 40 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों ने पंजीकरण कराया है। इस पर1400 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं और अधिकारियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में 1.5 करोड़ से अधिक प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थान अलग-अलग काम करने को मजबूर होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने उनके बीच साझेदारी और सहयोग बढ़ाने की कोशिश की है। उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों से संचार के उचित चैनल स्थापित करने, एक-दूसरे से सीखने, चर्चा करने और वैश्विक स्तर के सर्वोत्तम तौर तरीकों को अपनाने तथा समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया।

मिशन कर्मयोगी की शुरुआत सितंबर 2020 में की गई थी, जिसका उद्देश्य वैश्विक दृष्टिकोण के साथ भारतीय लोकाचार पर आधारित भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा की कल्पना करना था। राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह (एनएलडब्ल्यू) सिविल सेवकों के लिए व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता विकास को प्रोत्साहन देगा, जिससे एक सरकार का संदेश मिलेगा और सभी को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ जोड़ा जाएगा और आजीवन शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

रायपुर में आठ करोड़ का सोना जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

रायपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के भाटागांव बस स्टैंड में शुक्रवार को पुलिस ने लगभग आठ करोड़ रुपये का सोना जब्त किया है। साथ ही सोने के साथ तीन तस्कर को भी पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। पूरा मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने आज आकस्मिक चेंकिग के दौरान बस स्टैंड भाठागांव रायपुर में तीन तस्करों से लगभग 12 किलो 800 ग्राम सोना बरामद किया जिसकी कीमत आठ करोड़ रुपये बताया जा रहा है। मामले में पुलिस ने तीनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बस स्टैंड भाठागांव में आकस्मिक चेकिंग किया। चेकिंग दौरान बस स्टैंड में यात्री लिंगराज नायक, हितेश तांडी और शुभम पात्रों के बैगों की चेकिंग की। इस दौरान पुलिस को 12 किलो 800 ग्राम का सोना मिला। इस मौके पर पुलिस ने तीनों से सोने के संबंध में पूछताछ की। इस पर तीनों ने गोल-मटोल जवाब देने लगे। पुलिस ने सोने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग की। इस पर किसी प्रकार का कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं दिया गया। जिसके कारण बरामद सोने की सामग्री को सीलबंद कर अग्रिम कार्रवाई के लिए आयकर विभाग को सौंपी गई है। गिरफ्तार तस्कर युवको के नाम लिंगराज नायक (34), निवासी थाना तेलीबांधा रायपुर, हितेश तांडी (27), निवासी थाना तेलीबांधा रायपुर, शुभम पात्रों (28) साल, निवासी थाना टिकरापारा रायपुर है।

कृषि रोडमैप से सब्जी, दूध, अंडा, मांस और फल का उत्पादन बढ़ा : नीतीश

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कहा कि कृषि रोडमैप लागू होने से राज्य में सब्जी, दूध, अंडा, मांस और फल सहित अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा है। श्री कुमार ने शनिवार को यहां सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार में विकास कार्यों की क्या स्थिति थी सभी को पता है। वर्ष 2005 से पहले मछली उत्प-ादन बहुत कम था। दूसरे राज्यों से यहां मछलियां मंगाई जाती थी। उन्होंने कहा, 24 नवंबर, 2005 को जब हमलोग सरकार में आए तो राज्य के विकास के लिए नीति और कार्यक्रम बनाए गए। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित सभी क्षेत्रों का विकास किया गया। लोगों की सुविधाओं के

लिए कई कदम उठाए गए। साथ ही महिलाओं की तरक्की के लिए कई कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2008 से वर्ष 2012 के लिए प्रथम कृषि रोड मैप बनाया गया। वर्ष 2012 से वर्ष 2017 के लिए दूसरा कृषि रोड मैप बनाया गया जिसका शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने किया था। वर्ष 2017 से वर्ष 2023 के लिए तीसरा कृषि रोड मैप बनाया गया, जिसका शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था।

वर्ष 2024 से चौथा कृषि रोड मैप लागू किया गया है, जिसका शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। उन्होंने कहा कि कृषि रोड मैप के लागू होने से सब्जी, दूध, अंडा, मांस और फल सहित अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा है। श्री कुमार ने कहा कि चौथे कृषि रोडमैप के लिए एक लाख 62 हजार करोड़ रुपये की राशि की स्वीकृति दी गई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में मछली का उत्पादन दो लाख 88 हजार मीट्रिक टन था, जो अब बढ़कर आठ लाख 73 हजार मीट्रिक टन हो गया है। मछली उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। पहले दूसरे राज्य की मछलियां बिहार में मंगाई जाती थीं और अब बिहार की मछलियां दूसरे राज्यों में भेजी जाती हैं।

आधिकारिक पुष्टि : सुनियोजित था बहराइच में हिंदुओं पर हमला

30 दंगाइयों के घरों पर चलेगा बुलडोजर, नोटिस जारी

बहराइच, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जांच में यह आधिकारिक पुष्टि हो गई है कि बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान किया गया हमला सुनियोजित था। बहराइच के महसी तहसील के महाराजगंज कस्बे में हुई हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद समेत 30 दंगाइयों के घरों पर बाबा का बुलडोजर गरजेगा। जिन लोगों के घरों पर बुलडोजर चलेगा। उनके नाम सामने आ गए हैं। उनके घरों पर जिला प्रशासन ने नोटिस भी चस्पा कर दी है। लोक निर्माण विभाग ने इन सभी घरों पर अतिक्रमण को लेकर नोटिस चस्पा कर दिया गया। नोटिस चस्पा होने के बाद शनिवार को लोगों ने खुद ही मकान खाली करने शुरू कर दिए।

शुक्रवार की शाम पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड की टीम ने महाराजगंज गांव में हिंसा के नामजद आरोपी अब्दुल हमीद सहित करीब 30 दंगाइयों के घरों की नापजोख की। उनके अवैध पाए जाने पर अतिक्रमण हटाने का नोटिस भी चस्पा किया गया। औपचारिकताएं पूरी कर शीघ्र ही इन घरों और दुकानों पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाएगी। सबसे पहले कार्रवाई मुख्य अभियुक्त अब्दुल हमीद के घर पर हो सकती है।

जिन दंगाइयों के घरों पर नोटिस चिपकाया गया है उनमें अब्दुल हमीद, मो. निसार अहमद, दिलशाद, रिहान, इरफान, हबीउल्लाह, अरमान, नदीम, आदिल, जावेद, असलम, रियाज, समी मोहम्मद, बकार, इरशाद, इमरान, जाहिद, दानिश, मसूद अहमद, शरीफ, शमीउल्ला, राजू खां और हुसैन समेत कुछ अन्य लोग शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि बहराइच की महसी तहसील के महाराजगंज कस्बे में बीते रविवार शाम को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा में गाने को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे समुदाय के युवकों ने पथराव शुरू कर दिया। इससे दुर्गा प्रतिमा खंडित होने पर पूजा समिति के सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया तो दूसरे समुदाय के लोगों ने रामगोपाल मिश्रा (24) की हत्या कर दी। घटना का पूरे जिले में विरोध शुरू हो गया था। विसर्जन कमेटी के लोगों ने बहराइच-सीतापुर हाईवे पर चहलारी घाट पुल के पास जाम लगा प्रदर्शन शुरू कर दिया। बहराइच-लखनऊ हाईवे भी जाम कर दिया गया। पुलिस-प्रशासन की नाकामी से ही बहराइच में हिंसा भड़की। प्रतिमा विसर्जन के दिन सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी थे। हैरानी यह है कि सोमवार को दूसरे दिन भी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करने में अफसर नाकाम साबित हुए। इसलिए दूसरे दिन बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी हुई। पूरे मामले में पुलिस का खुफिया तंत्र फेल रहा। शहर में हर साल प्रतिमा विसर्जन होता है, जिसमें डीजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है। ऐसे में पुलिस अफसरों की जिम्मेदारी थी कि वह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते। क्योंकि यात्रा का रूट पहले से ही तय होता है। लेकिन, बहराइच पुलिस और प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यही वजह है कि जब बवाल शुरू हुआ तो पुलिस बल नाकाफी साबित हुआ। उपद्रवी हावी हो गए। उन्होंने जो चाहा वही किया। गोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी।

मस्जिद से हुआ था ऐलान: जो दिखे, काट डालो

बहराइच, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के महाराजगंज कस्बे में 13 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस हिंसा में कई लोग घायल हुए, जिनमें विनोद मिश्रा और उनके दिव्यांग भाई सत्यवान मिश्रा भी शामिल हैं। विनोद का हाथ टूट गया है और उनका सिर भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। वहीं, उनके भाई सत्यवान, जो 90 प्रतिशत दिव्यांग हैं, भी इस हिंसा में बुरी तरह से घायल हो गए। इलाज के बाद अब दोनों अपने घर लौट आए हैं, लेकिन इस घटना ने उनके दिलों में गहरी चोट छोड़ी है। विनोद और सत्यवान ने बताया कि उस दिन वे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में शामिल थे और डीजे के ठीक पीछे खड़े थे। अचानक अब्दुल हमीद के परिवार की ओर से डीजे पर बज रहे गाने पर आपत्ति जताई गई। जब डीजे नहीं रोका गया, तो डीजे ऑपरेटर को गालियां दी गईं और थप्पड़ मारा गया। इसके बाद डीजे की लीड खींच ली गई और दुर्गा प्रतिमा पर पत्थरबाजी शुरू हो गई, जिससे मूर्तियां खंडित हो गईं। इस घटना के बाद तनाव बढ़ गया और हिंसा फैल गई। हिंसा फैलने के बाद मस्जिद से ऐलान सुनाई पड़ा कि जो भी हिंदू दिखे उसे काट डालो। यह ऐलान खुलेआम होता रहा, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

समाजवादी पार्टी के विधायकों ने खूब किया बवाल

जीते खुद के बूते तो श्रेय अखिलेश यादव को क्यों?

कानपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जीत का श्रेय अखिलेश यादव को देने पर सपा विधायकों ने खूब बवाल किया। विधायकों का कहना था कि वे अपने बूते चुनाव जीते तो जीत का श्रेय अखिलेश यादव को क्यों दिया जा रहा है।

इसे लेकर कानपुर में हुई समाजवादी पार्टी की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल और महानगर अध्यक्ष फजल महमूद से विधायक अमिताभ और हसन रूमी भिड़ गए। महानगर अध्यक्ष के उंगली दिखाने पर विधायक ने कहा, तमीज से बात करो।

कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर उपचुनाव में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए शुक्रवार को सपा की समीक्षा बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई। यहां सपा विधायकों, प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों के बीच जमकर बहस हुई। पहले पार्टी के आर्यनगर क्षेत्र के विधायक अमिताभ बाजपेई अपने प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की बात पर उखड़ गए। इसके बाद महानगर अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिनों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के महानगर आने से कैंट की हारी हुई सीट पार्टी की जीत में बदल गई। इस बात से कैंट के सपा विधायक मोहम्मद हसन रूमी भी भड़क उठे। महानगर अध्यक्ष फजल महमूद उंगली दिखाकर बात करने से मामला और बिगड़ गया। इस पर विधायक अमिताभ बाजपेई और हसन रूमी ने कहा कि तमीज से बात करो।

विधायकों का विरोध देखते हुए उनके समर्थकों ने भी मंच पर आकर नारेबाजी शुरू कर दी। बैठक में रूमी का कहना था कि उनकी जीत को सिर्फ राष्ट्रीय अध्यक्ष के आने से क्यों जोड़ रहे हैं।

अमिताभ बाजपेई ने प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल से कहा कि समीक्षा बैठक में ऐसी बातें नहीं की जानी चाहिए।

दरअसल, जिस समय प्रदेश अध्यक्ष सीसामऊ उप चुनाव को लेकर बनाई गई पदाधिकारियों की टीम की सूची लेकर समीक्षा कर रहे थे उसी समय अमिताभ बाजपेई ने माइक से बोला कि जिन पदाधिकारियों की सूची प्रदेश अध्यक्ष लेकर आए हैं, वही सूची जिला और पुलिस प्रशासन के पास भी। उन सभी को प्रशासन की ओर से परेशान किया जा रहा है। ऐसे में समीक्षा बैठक खुले में नहीं बंद कमरे में की जानी चाहिए।

इस पर प्रदेश अध्यक्ष ने अमिताभ से कहा कि यहां इस तरह की बात मत कीजिए। इस पर अमिताभ ने हाथ में पकड़े हुए माइक को झटके से टेबल पर फेंकने की स्टाइल में रख दिया और वहां से बाहर आ गए। उनके साथ उनके समर्थक भी नारेबाजी करते हुए निकल आए। इस मामले में महानगर अध्यक्ष फजल महमूद और राष्ट्रीय सचिव अपर्णा जैन ने दोनों विधायकों पर दोष मढ़ते हुए इसकी शिकायत राष्ट्रीय अध्यक्ष से करने की बात कही।

सपा के महानगर अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा, पार्टी के दोनों विधायकों को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की वजह से 2022 और लोकसभा चुनाव में सपा को बढ़त और जीत मिलने की बात करना अच्छा नहीं लगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष की तारीफ करना इन्हें क्यों बुरा लगा, यह पता नहीं, लेकिन यह पार्टी के लिए ठीक नहीं है।

इसकी शिकायत ऊपर की जाएगी। सपा की राष्ट्रीय सचिव अपर्णा जैन ने कहा, विधायक हसन रूमी को लगता है कि विधानसभा चुनाव में उनकी जीत उनके स्वयं की वजह से हुई है, इसमें पार्टी और राष्ट्रीय अध्यक्ष का कोई योगदान नहीं है। यही वजह है कि जब राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव प्रचार में आने से सपा के तीन प्रत्याशियों के जीतने की बात मंच से की जा रही थी, तब हसन रूमी विरोध करने लगे।

दीपावली की सौगात देने वाराणसी पहुंचेंगे प्रधानमंत्री मोदी

6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का होगा लोकार्पण

वाराणसी,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को दीपावली की सौगात देने के लिए रविवार को वाराणसी पहुंचेंगे। अपने सांसद का ग्रैंड वेलकम करने के लिए काशी तैयार है। तीसरी बार वाराणसी से सांसद और प्रधानमंत्री बनने के बाद काशी को पीएम मोदी विकास की परियोजनाओं की सौगात देंगे। काशी से ही देश को 6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करके देशवासियों को सौगात देंगे ।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, धर्म, पर्यटन से रोजगार, आवास, विमानन जैसी कई सुविधाओं का लोकार्पण करके जनता को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण व नए टर्मिनल भवन की नींव भी रखेंगे। वह आरजे शंकरा नेत्र चिकित्सालय को आमजन के लिए लोकार्पित करेंगे और सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में 20 हजार से अधिक लोगों से संवाद करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा संस्कृत विद्यालयों और अस्पतालों में तीमारदारों के लिए शुरू की गई निःशुल्क भोजन व्यवस्था की घोषणा मंच से कर सकते है। कार्यक्रम के अंतर्गत, करीब 1 बजे पीएम वाराणसी पहुंचेंगे और लगभग 6 बजे काशी से रवाना हो जाएंगे। प्रधानमंत्री की अगवानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री समेत कई केंद्रीय और कैबिनेट मंत्रियों के मौजूद रहने की भी संभावना है। सिविल एविएशन, ओलंपिक संघ आदि के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबतपुर इंटरनेशल एयरपोर्ट से हरहुआ गाजीपुर रिंग रोड स्थित शंकरा नेत्रालय के उद्घाटन के बाद सड़क मार्ग से सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स पहुंचकर परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री एक बड़ी जनसभा को सिगरा स्टेडियम में सम्बोधित करेंगे। इसमें प्रमुख रूप से खिलाड़ी, खेल प्रेमी, बुद्धजीवि, प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता रहेंगे।

यूपी विधानसभा उपचुनाव को लेकर सीएम योगी ने कहा

जीतेंगे सभी सीटें, जरूरी है लोगों से संवाद और बूथ प्रबंधन

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपमुख्यमंत्री, जिलों के प्रभारी मंत्री और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उपचुनाव को लेकर व्यापक विचार विमर्श हुआ और रणनीतियां तैयार की गईं। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी 9 सीटों पर उपचुनाव को जीतने के लिए मंत्रियों और पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित किया। बैठक के दौरान मंत्रियों और पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह भी तय हुआ कि उपचुनाव में पार्टी का कोई भी नेता अपने निर्धारित क्षेत्र में

जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में कोई कमी न छोड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचुनाव जीतना केवल चुनावी सफलता नहीं बल्कि जनता के विश्वास की जीत होगी, इसलिए हर सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया जाना चाहिए।

सीएम योगी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक चुनाव प्रबंधन को मजबूती से संभालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में हर सीट महत्वपूर्ण है और इसके लिए बूथ स्तर पर सटीक प्रबंधन और निगरानी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने और जमीनी स्तर पर लोगों के बीच जाकर चौपाल लगाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि चौपाल के माध्यम से जनता की समस्याओं को समझा जाए और उनका समाधान किया जाए जिससे लोगों का विश्वास पार्टी में बढ़े। बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि प्रभारी मंत्री और पदाधिकारी उन जिलों में अधिक समय बिताएं जहां उपचुनाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को सुनें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जिलों के स्थानीय पदाधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चुनावी तैयारियों को और सुदृढ़ किया जाए।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया और सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी 9 सीटों के लिए पूरी तैयारी कर चुकी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। चौधरी ने विश्वास जताया कि पार्टी न सिर्फ 9 घोषित सीटों पर विजय प्राप्त करेगी बल्कि जल्द ही दसवीं सीट भी घोषित होगी और वह भी भाजपा के खाते में ही जाएगी। जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उसमें 5 सपा और 5 एनडीए गठबंधन के पास थी। भाजपा के खाते में 3 सीट थी।

एक आरएलडी के पास थी और एक निषाद पार्टी के पास थी। कटेहरी, करहल, सीसामऊ, कुंदरकी सीट सपा ने 2022 में जीती थी। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट भी सपा के खाते में थी। जिस पर अभी तारीख नहीं आई है। इसके अलावा फूलपुर, मझवां, गाजियाबाद सदर, खैर, मीरापुर सीट पर उपचुनाव होना है। बैठक में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सूर्यप्रताप शाही समेत राज्य के कई वरिष्ठ मंत्री और प्रभारी मंत्री समेत भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनूठी पहल

जीवंत हुईं संगम नगरी की दीवारें

10 लाख स्क्वायर फीट क्षेत्र में उकेरी जा रही सनातन संस्कृति

प्रयागराज, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनूठी पहल ने संगम नगरी को एक बड़े कैनवास में तब्दील कर दिया है। महाकुंभ- 2025 के लिए प्रयागराज की दीवारों को धर्म, संस्कृति और आस्था के रंगों से सराबोर किया जा रहा है। प्रयागराज और देशभर से आए कलाकार दिन-रात सनातन धर्म से जुड़े प्रतीकों को दीवारों पर उकेर रहे हैं। 10 लाख स्क्वायर फीट से भी बड़े क्षेत्र में महाकुंभ-2025 के लिए पेंटिंग्स तैयार की जा रही हैं।

इंदौर की अर्चना जाधव की 70 लोगों की टीम दिन-रात दीवारों पर पेंटिंग बनाने में जुटी हैं। अर्चना अक्टूबर के पहले सप्ताह में

प्रयागराज आ गई थीं। वो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद देते हुए कहती हैं कि योगी जी की ओर से यह ऐसा कार्य कराया जा रहा है, जो दिव्य भी है और नव्य भी है। उनकी टीम म्यूरल पेंटिंग, 3डी आर्ट, मधुबनी आर्ट आदि पर काम कर रही है। नटराज की नृत्य करती 108 मुद्राएं भी उनकी टीम ने दीवारों पर बनाई हैं। अर्चना बताती हैं कि रामायण को दीवारों पर उकेरा जा रहा है। भगवान राम, माता सीता, हनुमान आदि को दर्शाते हुए पूरी रामायण दीवारों पर बनाई जा रही है। फाइन आर्ट्स के स्टूडेंट्स के अलावा कुछ मूक-बधिर युवा भी दीवारों पर पेंटिंग बना रहे हैं। अर्चना की टीम विशेष रूप से सनातन संस्कृति को बढ़ावा देते चित्रों को बना रही है। अर्चना बताती हैं कि नवंबर के अंत तक वो अपनी पेंटिंग्स को पूरा कर लेंगी। अर्चना की टीम में प्रयागराज के अलावा सुल्तानपुर, अयोध्या, बनारस, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि के छात्र काम में जुटे हुए हैं। सभी को पारिश्रमिक मिलता है।

पुणे के अमित दरस्तवार महाकुंभ मेला क्षेत्र में दीवारों पर सनातन के प्रतीकों की पेंटिंग्स बना रहे हैं। उनकी 10 लोगों की टीम गंगा माता, जीव-जंतुओं, साधुओं की रियलिस्टिक पेंटिंग, वाद्य यंत्र, हिंदू धर्म के चिन्ह आदि पर काम कर रहे हैं। अमित की टीम ने मेला प्राधिकरण के कार्यालय की दीवारों पर बेहद सुंदर चित्र बनाए हैं। समुद्र मंथन, सप्त ऋषि आदि की पेंटिंग भी दीवारों के साथ फ्लाईओवर, पिलर्स पर बनाई जा रही हैं।

दीवारों पर पेंटिंग्स कितने दिनों तक सुरक्षित रहेंगी, के सवाल पर अर्चना जाधव कहती हैं कि दो साल तक पेंटिंग्स अपने मूल स्वरूप में बनी रह सकती हैं, यदि लोग उन्हें नुकसान न पहुंचाएं।वैसे यह पेंटिंग्स पांच साल तक भी सुरक्षित रहेंगी, यदि इनका सही से रख-रखाव किया जाए। संगम नगरी की दीवारों को जीवंत कर रहे अर्चना, अमित, अनामिका, सुभाषना, नेहा जैसे युवा कलाकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस पहल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब देश-दुनिया से श्रद्धालु महाकुंभ में आएंगे तो सनातन संस्कृति, रामायण, भगवान राम, श्रीकृष्ण, भोलेनाथ, सनातन संस्कृति, हिंदू धर्म से जुड़े प्रतीकों को देखकर योगी जी का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देंगे।

वर्ष 2019 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर अर्द्ध कुंभ के दौरान भी हजारों छात्रों, आम नागरिकों और पेंटर्स ने 8 घंटे तक लगातार पेंटिंग वॉल पर हाथों के रंग-बिरंगे छाप से जय गंगे थीम की पेंटिंग बनाई थी, जो गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड दर्ज हुआ था।

रेप के झूठे इल्जाम में युवक ने काटी 4 साल सजा

सच सामने आने पर कोर्ट ने युवती को भेजा जेल

बरेली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली का एक युवक चार साल से रेप के झूठे इल्जाम में जेल की सजा काट रहा था। कोर्ट को जब संदेह हुआ तो इल्जाम लगाने वाली युवती से सवाल-जवाब किया गया और सच सामने आने पर युवक को बाइज्जत बरी करते हुए उस लड़की को जेल की सजा सुनाई गई। कोर्ट ने कहा कि बेगुनाह युवक को जितनी सजा झूठे इल्जाम में काटनी पड़ी है उतनी ही ये लड़की भी काटेगी। साथ ही पीड़ित युवक को 5 लाख रुपए दिए जाने का भी निर्देश दिया।

कोर्ट ने कहा कि जितना समय युवक जेल में रहा अगर वह बाहर रहता और मजदूरी करता तो इतने समय में वह पांच लाख से अधिक कमा चुका होता। ऐसे में ये रकम इसी युवती से वसूल करके निर्दोष लड़के को दी जाए। अगर युवती इसे देने से मना करे तो उसकी सजा 6 महीने और बढ़ा दी जाए। कोर्ट के इस फैसले के बाद पीड़ित अजय उर्फ राघव खुश तो हैं लेकिन उन्हें यही लग रहा है कि ऐसे इल्जाम अदालतों में खत्म हो जाते हैं लेकिन समाज उन्हें उसी नजर से देखता रहता है।

राघव ने बताया, यह मामला 2019 में शुरू हुआ था। सावन के कार्यक्रम के लिए युवती अपनी बड़ी बहन के साथ उनके पास आई और कहा कि उन्हें भी कार्यक्रम सीखना है। इसके लिए अजय उस युवती के घर जाते थे और जब प्रोग्राम होता था तब नीतू के पति भी साथ होते थे। मां और भाई को भी पता था कि इस उद्देश्य से आना जाना है। अजय बताते हैं कि एक बार उनकी मां की तबीयत खराब हुई तो वो सबको बताकर गए कि उन्हें अपनी मां के पास जाना है। अजय के अनुसार, जिस दिन उन्होंने ये बताया उसी दिन युवती खुद भी गायब हो गई।

संपादकीय

असम नागरिकता वैध

असम से जुड़े नागरिकता कानून की धारा 6-ए 'संवैधानिक' है। यह सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से फैसला लिया है। फैसला करीब 12 साल के बाद, 17 याचिकाओं पर, विचार करने के बाद लिया गया है। इस फैसले के बाद 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 की अवधि के दौरान, भारतीय मूल के, जो बांग्लादेशी भारत में आए हैं और यहीं बसे हैं, उन्हें 'भारतीय' नागरिकता मिल जाएगी। हालांकि तारीखों को लेकर भी सवाल हैं कि असम और शेष भारत में प्रवेश करने वाले अवैध प्रवासियों को नियमित करने के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। ऐसा क्यों किया जाना चाहिए? बहरहाल 25 मार्च, 1971 के बाद असम में आने वाले विदेशियों को 'भारतीय' नागरिकता नहीं मिलेगी। 1970 और 1980 के दशक में असम 'विदेशी घुसपैठ' के मुद्दे पर उबलता रहा, आंदोलन तक छिड़ गए और हिंसा भी हुई। असम भारत के पूर्वोत्तर का सीमावर्ती राज्य है। अपनी संस्कृति, सामाजिक पहचान, विरासत और भाषा को सुरक्षित और संरक्षित रखने के मकसद से असमिया बिरादरी ने खासकर बांग्लादेशी प्रवासियों का विरोध किया। आशंकाएं जताई गईं कि असम की संस्कृति और आबादी के समीकरण तक बदल सकते हैं। मुस्लिम आबादी एक दिन बहुसंख्यक हो सकती है। असमिया लोगों का मताधिकार तक प्रभावित हो सकता है। भारत के संदर्भ में विभाजन के दाग आज भी कच्चे और ताजा हैं। अवैध प्रवास एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। 1985 में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी, असम सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के बीच एक तितरफा समझौता हुआ। प्रवास और प्रवेश की तारीखों को लेकर सहमति बनी और उसके बाद संसद में एक विधेयक पारित कर 'नागरिकता कानून' में नई धारा-6 ए- जोड़ी गई। संविधान पीठ के चार न्यायाधीशों, जिनमें प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई. चंद्रचूड़ भी शामिल थे, ने इस धारा को 'संसदीय विधायी समाधान' माना, लिहाजा धारा 6-ए को 'संवैधानिक' भी माना, लेकिन जस्टिस पारदीवाला का मानना था कि धारा 6-ए राजनीतिक समझौते को कानूनी मान्यता देने के लिए लाई गई थी। इस समझौते का मतलब सिर्फ नागरिकता प्रदान करना नहीं था। दरअसल यह असम के लोगों को शांत करने के लिए था कि ऐसे समावेश से राज्य में होने वाले चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मेरा मानना है कि धारा 6-ए की वैधता निर्धारित करते समय समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों के मकसद को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ऐसे में धारा 6-ए समय बीतने के साथ 'असंवैधानिक' हो गई है। जस्टिस सूर्यकांत का मानना है कि याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर पाए कि विदेशी प्रवासियों से असमिया संस्कृति, भाषा और सामाजिक पहचान पर कोई गंभीर प्रभाव पड़ा है। हमने यह दलील भी खारिज कर दी है कि 6-ए भेदभावपूर्ण, मनमानी धारा है। 1966 और 1971 की अवधि में आए प्रवासियों के लिए स्पष्ट परिभाषित शर्तें दी गई हैं। बहरहाल असम में इस कानून के लिए विशेष रूप से छात्रों ने छह साल तक प्रदर्शन किए थे। नतीजतन समझौता हुआ और संसद में कानून पारित किया गया। यदि यह व्यवस्था न की जाती, तो शायद बांग्लादेश से प्रवासियों की संख्या न थमती। गंभीर सवाल यह है कि यदि 1971 के बाद आए प्रवासियों को भी स्वीकार कर लिया जाता है, तो उससे क्या होगा? ऐसी उदारता घुसपैठ के लिए उकसा सकती है।

सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से फैसला लिया है। फैसला करीब 12 साल के बाद, 17 याचिकाओं पर, विचार करने के बाद लिया गया है। इस फैसले के बाद 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 की अवधि के दौरान, भारतीय मूल के, जो बांग्लादेशी भारत में आए हैं और यहीं बसे हैं, उन्हें 'भारतीय' नागरिकता मिल जाएगी। हालांकि तारीखों को लेकर भी सवाल हैं कि असम और शेष भारत में प्रवेश करने वाले अवैध प्रवासियों को नियमित करने के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। ऐसा क्यों किया जाना चाहिए? बहरहाल 25 मार्च, 1971 के बाद असम में आने वाले विदेशियों को 'भारतीय' नागरिकता नहीं मिलेगी। 1970 और 1980 के दशक में असम 'विदेशी घुसपैठ' के मुद्दे पर उबलता रहा, आंदोलन तक छिड़ गए और हिंसा भी हुई। असम भारत के पूर्वोत्तर का सीमावर्ती राज्य है। अपनी संस्कृति, सामाजिक पहचान, विरासत और भाषा को सुरक्षित और संरक्षित रखने के मकसद से असमिया बिरादरी ने खासकर बांग्लादेशी प्रवासियों का विरोध किया।

फोग थार रेगिस्तान के अतिरिक्त उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका एवं दक्षिणी यूरोप आदि स्थानों पर भी पाया जाता है

कहीं किताबों का हिस्सा बनकर ही न रह जाए संकटग्रस्त पादप फोग

सुनील कुमार महला

आज बुजुर्ग ही राजस्थान के मेवा कहलाने वाले 'फोग' के विषय में जानते हैं, युवा पीढ़ी इस वनस्पति व इसके गुणों से अपरिचित है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि जाटों की एक प्रमुख गोत्र का नाम फोगाट है जो संभवत: नागवंशियों की संतान हैं जो फोग को अपना प्रतीक चिन्ह मानते थे। फोगाट जाट हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि 'फोग' मरू क्षेत्र का या यूं कहें कि राजस्थान का मेवा कहलाता है, लेकिन आज झाड़ी या छोटे वृक्षनुमा 'फोग हमारे यहां' बहुत ही कम रह गये हैं।

राजस्थान में प्रसिद्ध तथा वर्तमान में लुप्तप्राय वनस्पति 'फोग' के बारे में आजकल की युवा पीढ़ी शायद ही 'फोग' झाड़ी के बारे में जानती होगी। इस वनस्पति के बारे में राजस्थान में कहा जाता है कि -'फोगला को रायतो, काचरी को साग, बाजरी की रोटी, जाग्या म्हारा भाग।' मतलब यह है कि फोग वनस्पति का रायता, काचरी की सब्जी और बाजरा की रोटी भाग्यवान मतलब नसीब वाले व्यक्ति को ही मिलती है। आज बुजुर्ग ही राजस्थान के मेवा कहलाने वाले 'फोग' के विषय में जानते हैं, युवा पीढ़ी इस वनस्पति व इसके गुणों से अपरिचित है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि जाटों की एक प्रमुख गोत्र का नाम फोगाट है जो संभवतः नागवंशियों की संतान हैं जो फोग को अपना प्रतीक चिन्ह मानते थे। फोगाट जाट हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि 'फोग' मरू क्षेत्र का या यूं कहें कि राजस्थान का मेवा कहलाता है, लेकिन आज झाड़ी या छोटे वृक्षनुमा 'फोग हमारे यहां' बहुत ही कम रह गये हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि फोग थार के रेगिस्तान में भारत और पाकिस्तान में मुख्य रूप से पाया जाता है। फोग थार रेगिस्तान के अतिरिक्त उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका एवं दक्षिणी यूरोप आदि स्थानों पर भी पाया जाता है। फोग को स्थानीय लोग इसे 'फोगड़ा' कहते हैं और वनस्पति विज्ञान की भाषा में इसे केलिगोनम पॉलीगोनोइडिस के नाम से जाना जाता हैं। आज दूर-दराज के क्षेत्रों में यह पौधा देखने तक को नसीब नहीं होता या कम देखने को मिलता है। वैसे राजस्थान के बाड़मेर के बायतु क्षेत्र में, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, सीकर आदि क्षेत्रों में फोग वनस्पति कहीं कहीं देखने को मिल जाती है। जैसलमेर के नाचना क्षेत्र में इसकी झाड़ियां विशेष रूप से पाई जाती हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि 60-70 के दशक में ये अच्छी संख्या में मौजूद थे। यह बहुत ही चिंताजनक है कि आज फोग आईयूसीएन की रेड डेटा बुक के संकटग्रस्त पादप की सूची में शामिल है।ईंधन एवं कोयले के लिए इसकी जड़ों के अत्यधिक दोहन के कारण आज थार रेगिस्तान में फोग की मात्रा लगातार घट चुकी है। फोग की लकड़ी की यह विशेषता होती है कि इसकी लकड़ी आग बहुत जल्दी पकड़ लेती है। यहां तक कि

गीली होने की स्थिति में भी यह आग जल्दी पकड़ लेती है, फोग के कम होने का कारण इसका जल्दी आग पकड़ना भी है। इसीलिए फोग पर राजस्थान में कहावत भी बनी है। कहां गया है कि -'फोग आलो ई बळे, सासू सूदी ई लड़ै।' मतलब यह है कि जिस प्रकार फोग की लकड़ी गीली होने पर भी आग पकड़ लेती है, उसी प्रकार सास सीधी हो तब भी अधिकारपूर्वक बहू को फटकार लगा ही देती है। सिट्टा यह है कि मौका मिलने पर असली स्वभाव उजागर हो ही जाता है। यह बहुत ही चिंताजनक है कि थार में अब बहुत कम फोग झाड़ियां देखने को मिलतीं हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि राजस्थान में स्थानीय भाषा में फोग को फोगाली, फोक तथा तूरनी आदि नामों से जाना जाता है। वास्तव में फोग पोलिगोनेएसी कुल का सदस्य है। यह सफेद व काली रंग की एक झाड़ी होती है, जिसमें अनेक शाखाएं होती है। यह अत्यंत शुष्क एवं ओस दोनों परिस्थितियों में जीवित रह सकने वाला पौधा है। इसमें उच्च पोषण क्षमता वाले अनेक पोषण तत्व पाए जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होते हैं। यदि हम फोग के पोषक तत्वों की बात करें तो फोग में करीबन 18% प्रोटीन, 71.1% कार्बोहाइड्रेट, 9.1% रेशे, अल्प मात्रा में वसा, .7 मिलीग्राम/100 ग्राम विटामिन- बी-2 670 मिलीग्राम /100 ग्राम कैल्शियम, 420 मिलीग्राम/100 ग्राम फॉस्फोरस तथा 12.7 मिलीग्राम/100 ग्राम आयरन पाया जाता है। इसकी जड़ों, फूलों, कलियों तथा बीजों में फ़्लवोनोइडस, एल्केलोईडस, टेनिन, स्टेरॉयड, फिनॉल्स, टेर्पेनोईडस आदि पाए जाते हैं तथा कलियों में एथिल होमोवनिलेट (11.79%) नामक वसीय तेल तथा जड़ों में ड्रीमेनोल (29.42%) नामक वसीय तेल पाया जाता है। जानकारी देना चाहूंगा कि फोग के फलों और इसके फूलों में 18% प्रोटीन एवं 71 % से अधिक कार्बोहाइड्रेट की मात्रा पाई जाती है, जो ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है। फोग का पौधा अत्यंत सूखे और पाले दोनों ही परिस्थितियों में जीवित रह सकता है, और इसकी यही खासियत ही इससे थार के अनुकूल भी बनाती है। इसकी (फोग) तासीर ठंडी होती है और यदि किसी व्यक्ति को 'लू' लग जाए तो इसकी पत्तियों का रस निकालकर लू लगने व्यक्ति को पिलाने से वह तत्काल ठीक हो जाता है। इसकी पत्तियों का रस विष प्रतिरोधक माना जाता है। इसकी फलियों से निकलने वाले बीज की रोटी भी बनाई जा सकती है। इतना ही नहीं, फोग की पत्तियां मिट्टी की उर्वरता को भी बढ़ाती हैं। रेगिस्तान की विषम परिस्थितियों में उगकर यह उस क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन में अहम भूमिका निभाता है। वैसे इसके पत्तियां नहीं होती हैं और टहनी ही इसकी पत्तियां कहलातीं हैं। चैत्र-फाल्गुन के महीने में या यूं कहें कि होली के आसपास इसके झाड़ीनुमा पेड़ पर गांठनुमा छोटे-छोटे फल आते हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'फोगला' कहा जाता है, जिन्हें छाछ या दही में इस्तेमाल किया जाता है। वैसे, मास फरवरी - मार्च -अप्रैल में इसकी नयी पत्तियां फूटती हैं। इसके पुष्प गुलाबी रंग के होते हैं जो छोटे छोटे होते हैं तथा जिनको स्थानीय भाषा में 'रिमझर' बोलते हैं। इसके फूलों की महक लुभावनी होती है। कुछ लोग इसके फूलों को तैल में भूनकर भी खाते हैं। फोग की जड़ों को उबालकर कत्थे में मिलाकर इसे मसूड़ों से संबंधित बीमारी में इस्तेमाल किया जाता है। पश्चिमी राजस्थान में अधिकतर लुहार फोग की लकड़ी के कोयले का इस्तेमाल खाना बनाने में करते हैं। फोग का पौधा धीरे धीरे बढ़ता है और जमीन से एक से डेढ़ मीटर ऊंचा होता है। तने की लकड़ी मजबूत और रेशेदार होती है तथा फोग उन दुर्लभ वनस्पतियों में से एक है जो तेज गर्मी में भी बिना पानी के जिंदा रहती है। यह मिट्टी के अपरदन को रोकता है और मरूस्थलीय प्रसार को रोकने में मददगार है। ऊंट और बकरियां इसे बड़े चाव से खाते हैं और अन्य पशु भी इसे चारे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसकी लकड़ी आसानी से सड़ती-गलती नहीं है और प्राचीन समय में राजस्थान के जहाज कहलाने वाले ऊंट की नकेल इसी की लकड़ी से बनाई जाती थीं। आज बढ़ते शहरीकरण, अकाल के कारण फोग वनस्पति लुप्तप्राय प्रजाति की श्रेणी में पहुंच गई है।

दृष्टि कोण

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार से सबक नहीं सीखा

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के कारण देशभर में हुई बदनामी से सत्ता गंवाने के बावजूद सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस के केंद्र और ज्यादातर राज्यों से सत्ता बाहर होने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार से दामन नहीं छुड़ा पाए हैं। कर्नाटक कांग्रेस की सरकार के जमीनों में बंदरबांट इसका नया उदाहरण है। इसके चलते मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उल्लेखनीय है कि उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएन पार्वती और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ चल रहे भूमि घोटाले की जांच राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी जिसे वापस लेने पर प्राधिकरण ने सहमति जताई। मुख्यमंत्री के जमीन आबंटन में हेराफेरी की जांच के बीच मल्लिकार्जुन खडग़े ने कर्नाटक द्वारा आबंटित जमीन लौटा दी। यह विवाद मार्च 2024 में शुरू हुआ, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने राहुल खडग़े की अध्यक्षता वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन दी। विचाराधीन भूमि मल्लिकार्जुन खडग़े के बेटे राहुल एम. खडग़े को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा बगलूर में हाईटेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर क्षेत्र में आबंटित की गई थी। कांग्रेस का शायद ही ऐसा कोई वरिष्ठ नेता होगा जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप और मामले दर्ज नहीं किए गए हैं। पार्टी में कनिष्ठ से लेकर शीर्ष तक के नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वाली पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती रही है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। करोड़ों की एंबुलेंस खरीद में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदम्बरम, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एए खान, श्वेता मंगल, शफी माथेर और निदेशक एनआरएचएम के विरुद्ध 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का मामला दर्ज किया गया था। एंबुलेंस खरीदने के लिए जो टेंडर जारी किया गया, उसमें गड़बड़ी की गई थी। इस मामले में 31 जुलाई 2014 को जयपुर के अशोक नगर थाना पुलिस ने जयपुर नगर निगम के पूर्व मेयर पंकज जोशी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबरदस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। उस दौरान डीके शिवकुमार व अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। इसी तरह हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने जांच की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की सीबीआई आदि केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। यह मामला अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी से 36 अरब रुपए के 12 वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदने से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया इस वीआईपी चॉपर खरीद के पीछे अहम भूमिका निभा रही थीं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इस मामले को पिछली मोदी सरकार में उठाया था, जिसके बाद घमासान मचा था। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। आरोप है कि कांग्रेस के पैसे से 1938 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी खड़ी की गई।

कुछ अलग

खुदा डायरी न लिखवाए...

खुदा चाहे मुझसे कोई भी काम करवा ले, लेकिन खुदा कसम डायरी न लिखवाए। मैं हर उल्टा सीधा काम कर सकता हूं। नाक कटवा सकता हूं। किसी गरीब आदमी की जमीन अपने नाम करवा सकता हूं। लेकिन डायरी लिखने से डरता हूं। कहीं यह डायरी सीबीआई या किसी अन्य खुफिया एजेंसी के हाथ लग गई तो फिर मारे गए गुलफाम। भारतीय राजनीति में भी कई बार डायरी ने कहर ढाया है। दरअसल, हमारी राजनीति में दो ही चीजें सबसे खतरनाक हैं- एक विपक्ष और दूसरी डायरी! डायरी में चाहे हमने अपनी भावनाओं का इजहार किया हो या फिर गुप्त स्रोत से आए फंड का जिक्र किया हो, कई बार यही डायरी गले की फांस बन जाती है। निजी जीवन में भी खलल पैदा कर देती है और सार्वजनिक जीवन में बहस का मुद्दा बन जाती है। शादी से पहले हमने भी खूब डायरी लिखी थी और उसमें कई राज भी थे। लेकिन किसी दूसरी जगह शादी होने पर घोड़ी चढऩे से पहले हमने वह डायरी अग्नि भेंट कर दी थी ताकि न रहे बांस और न बजे बांसुरी। डायरी संभाल कर रखने का मतलब है, अपने लिए बांस तैयार रखना। भारतीय राजनीति में कई ऐसे मौके आए हैं जब डायरी ने कई नेताओं का भविष्य चौपट कर दिया और कईयों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। जब तक डायरी अलमारी में बंद रहती है, सब ठीक। पर जिस दिन अलमारी खुल गई, समझो कुर्सी भी खतरे में और इज्जत भी! राजनीति में कब किसकी डायरी लीक हो जाए, यह कोई नहीं जानता। एक बार एक मंत्री जी ने अपनी डायरी में बड़े ही चाव से लिखा: 'आज बड़े उद्योगपति से 'गुप्त' मुलाकात की। समझौता तो हुआ, पर जनता को इसकी भनक नहीं पडऩी चाहिए।' अगले ही दिन विपक्ष के हाथ वो डायरी लग गई। और फिर क्या था! विपक्ष ने वो गुप्त मुलाकात इतनी बार सदन में सुनाई कि मंत्री जी का गुप्त समझौता अब गली-गली में चर्चा का विषय बन गया। एक अखबार ने तो इस शीर्षक से संपादकीय तक लिख डाला कि 'डायरी राजनीति और मुसीबत का तडक़ा!' हमारे नेता सोचते हैं कि डायरी में लिखकर अपने 'खास' राज छुपा लेंगे। पर सच्चाई यह है कि राजनीति में डायरी से बड़ा कोई दुश्मन नहीं। एक बार किसी के हाथ लग जाए, तो आपकी सत्ता और सत्ता का सपना, दोनों मिट्टी में मिल सकते हैं। मैं तो जब भी किसी से रिश्वत के दो पैसे लेता हूं, तो उसे साफ हिदायत देता हूं कि कहीं गलती से मेरा नाम डायरी में मत लिख लेना। यानी मैं रिश्वत लेने को पाप नहीं समझता, लेकिन डायरी में नाम लिखने को महा पाप समझता हूं। भ्रष्टाचार के चाहे मैं करीब रहता हूं, लेकिन डायरी से लाख दूरी बनाकर रखता हूं। नए साल में कुछ लोग मुझे गिफ्ट के साथ साथ डायरी दे जाते हैं। मैं गिफ्ट तो संभाल कर रख लेता हूं, लेकिन डायरी कूड़ेदान के हवाले कर देता हूं। बुराई जितनी दूर रहे, उतना ही अच्छा। अब इधर एक राज्य की राजनीति में भी इन दोनों डायरी की खूब चर्चा हो रही है और सोशल मीडिया में भी चटकारे लिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि जांच एजेंसियों के हाथ एक डायरी लगी है और वह डायरी जल्दी ही विस्फोट करने वाली है। सत्ता पक्ष के कई नेता टकटकी लगाए बैठे हैं कि विस्फोट हो और कुर्सी उन्हें मिल जाए। विपक्ष इसलिए टकटकी लगाए बैठा है कि विस्फोट हो और सत्ता उनके हाथ से चली जाए। यानी डायरी विस्फोट करेगी और पक्ष-विपक्ष दोनों इसमें अपना अपना हित देख रहे हैं। अपना भविष्य देख रहे हैं।

देश दुनिया से

विवादित बयानों के चक्रव्यूह में सियासत

सियासी रहनुमां की तकरीर में जहरीले बोल तथा जराफत भरे अंदाज का संगम नहीं होगा तो सियासी अंजुमन की आंखें उदास रह जाएंगी। चुनावी तशहीर में अपने मुखालिफ पर जुबान नहीं फिसलेगी या तोहमतों से भरे इल्जाम नहीं बरसेंगे तो सियासत की तबीयत नासाज हो जाएगी। इंतखाबी दौर में दहशतगर्दों की मौत का मातम नहीं मनाया जाएगा तो सियासत की तौहीन हो जाएगी। जम्हूरियत के महापर्व में यदि आब-ए-तल्ख की महफिल नहीं सजेगी तो सियासी बज्म का रंग फीका रह जाएगा। सियासी मुजाहिरों में यदि जाति, मजहब, आरक्षण, संविधान व पाकिस्तान का जिक्र नहीं होगा तो इंतखाब की तासीर बिगड़ जाएगी।

मुल्क के इंतखाबी दौर में यदि बेतुकी बयानबाजी नहीं होगी तो सियासी हरारत का एक मजमून अधूरा रह जाएगा। सियासी रहनुमां की तकरीर में जहरीले बोल तथा जराफत भरे अंदाज का संगम नहीं होगा तो सियासी अंजुमन की आंखें उदास रह जाएंगी। चुनावी तशहीर में अपने मुखालिफ पर जुबान नहीं फिसलेगी या तोहमतों से भरे इल्जाम नहीं बरसेंगे तो सियासत की तबीयत नासाज हो जाएगी। इंतखाबी दौर में दहशतगर्दों की मौत का मातम नहीं मनाया जाएगा तो सियासत की तौहीन हो जाएगी। जम्हूरियत के महापर्व में यदि आब-ए-तल्ख की महफिल नहीं सजेगी तो सियासी बज्म का रंग फीका रह जाएगा। सियासी मुजाहिरों में यदि जाति, मजहब, आरक्षण, संविधान व पाकिस्तान का जिक्र नहीं होगा तो इंतखाब की तासीर बिगड़ जाएगी। चुनावी दौर में तोहमतों की आंधी से उपजे इल्जाम भी आदर्श बन जाते हैं। उन्हीं आदर्श इल्जामों से सियासत का तवाजुन बिगाड़ कर सत्ता के बड़े खिलाडियों को पटखनी दी जाती है। खोया हुआ जनाधार वापस लाने में जाति, मजहब व आरक्षण की बैसाखियां मददगार साबित होती हैं। दरअसल सियासी कश्तियों में यह कशमकश सत्ता की चौखट पर पहुंचने के लिए है। सत्ता के फलक पर बैठने के लिए अपने ही सियासी दल के खिलाफ विद्रोह या दलबदल को अंजाम देकर सियासी उलटफेर के मजमून लिखे जाते हैं। दुनिया के सबसे बड़े प्रजातंत्र भारत में जम्हूरियत की भाग्य विधाता आवाम है, लेकिन इख्तिदार हासिल होने के बाद सियासी रहनुमाओं के लफ्ज मगरूर हो जाते हैं। सत्ता की जद्दोजहद के लिए सियासी रहनुमाओं के बीच शब्दबाणों की जंग इंतखाबी दौर से लेकर जम्हूरियत की पंचायतों तक देखी व सुनी जा सकती है। सियासत की जुबानी जंग ने मर्यादा की सारी हदूद को तोड़ डाला है। एक सियासी रहनुमां के गैर-जिम्मेदाराना बयान तथा तल्ख तेवर अपने ही सियासी दल तथा समुदाय को उलझन में डाल देते हैं। न्यूज चैनलों पर दौरान-ए-गुफ्तगू में सियासी मुनाजिरों की अमर्यादित बयानबाजी से लोगों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाना आम बात हो चुकी है। बेतुके बयानों से सुर्खियां बटोरना जहां सियासत का मिजाज बन चुका है, तो वहीं विवादित बयानबाजी से लोगों की आस्था को आहत करके माजरत का इजहार करना सियासत का दांव बन चुका है। लेकिन इसके बावजूद लोग अपने बेशकीमती वोट की ताकत से सियासी रहनुमाओं को सत्ता के फलक तक पहुंचा कर लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं, जबकि सियासत किसी की रवादार नहीं होती। धोखा, फरेब, छल, कपट, विश्वासघात, तोहमत, साम, दाम, दंड, भेद जैसे गुण व अवगुण सियासत में समाहित होते हैं। सन्1990 के दशक में देश के सियासतदानों को चुनाव आयोग की ताकत का एहसास कराने वाले दबंग चुनाव आयुक्त रहे 'टीएन शेषन' ने हिंदोस्तान की सियासत तथा सियासी रहनुमाओं के चरित्र में आ रही गिरावट को अपनी पुस्तक 'भारत पतन की ओर' में तफसील से बयान करके सियासी निजाम के भविष्य पर चिंता जाहिर की थी। टीएन शेषन द्वारा सियासत के मुस्तकबिल पर किया गया आकलन वर्तमान में सही साबित हो रहा है। विवादित बयानबाजी के जरिए देश के महान विचारकों, दार्शनिकों, सेना तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की जाती हैं। चुनावी दौर में हेट स्पीच के मामलों पर चुनाव आयोग को नेताओं के चुनावी प्रचार पर रोक लगानी पड़ती है। 'कारण बताओ नोटिस' जारी किए जाते हैं। सियासतदानों की हिकारत भरी बयानबाजी तथा अपमानजनक टिप्पणियों पर देश की अदालतें चेतावनी जरूर पेश करती हैं, मगर चुनाव आयोग की नसीहत व अदालतों की चेतावनी को बयानवीर अनसुना कर देते हैं। सियासी रसूख के आगे सभी व्यवस्थाएं बौनी साबित हो रही हैं। कुदरत के अनमोल तोहफा जुबान से निकले अल्फाज यदि विनम्र लहजे में हों तो एक औषधि का काम करते हैं। अन्यथा लफ्जों के कोई हाथ या पांव नहीं होते बल्कि तीरनुमा तीखे लफ्जों से उपजे गहरे घाव एक मुद्दत गुजर जाने के बाद भी नहीं भरते। बेशक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सियासी मुस्तकबिल को महफूज रखने के लिए वोट बैंक ही मायने रखता है। मगर आपत्तिजनक व हिकारत भरी बयानबाजी से आम लोग, निर्वाचन आयोग व देश की अदालतें भी परेशान हो चुकी हैं। यदि अपने सियासी स्वार्थों के लिए नफरत भरी तकरीरों से लोगों के जज्बात आहत किए जाएंगे या सियासी मफाद के लिए मर्यादा व नैतिक आचरण को ताक पर रखकर लोगों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई जाएगी, तो जम्हूरी निजाम अस्थिरता की जद में आ जाएगा। 'सत्यानृता च परुषा प्रियवादिनी च', हिंस्रा दयालुरपि चार्थपरा वदान्या। नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च वारांगेव नृपनीतिरनेकरूपा। अर्थात सियासत कभी सच, कभी झूठ, कभी कठोर, कभी प्रियवादिनी, कभी हिंसात्मक, कभी दयालु, कभी लालची, कभी उदार, कभी खर्चीली, तो कभी धन संचय करने वाली वेश्या की भांति अनेक रूप धारण करने वाली होती है।

आप का नजरिया

पाठ्यक्रम-परीक्षा के अलावा भी

शिक्षा के जिस नजरिए की जरूरत है, उसे गुणवत्ता की शर्तों पर पारंगत करना होगा और यही संदेश लेकर सुक्खू सरकार कोशिश कर रही है। शिक्षा के पैमाने राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन में हिमाचल को 21वें स्थान तक लुढक़ा देते हैं, तो यह पद्धति और प्रयत्न का निकम्मापन है, जो स्कूल की शाखाओं में सारी कोशिश को पस्त कर रहा है। खैर मर्ज का पता तो सालों से है, लेकिन ठीक करने में भी शंका है। यह शंका सियासी है क्योंकि अनावश्यक स्कूल खोलने की आदत ने सरकारों को तमाशबीन ही बना दिया। खुल जा सिम सिम की तर्ज पर स्कूल-कालेज बिना किसी दूरदृष्टि के खुलते गए और जहां विषय और पाठ्यक्रम मजबूरी बन गए। घर द्वार पर साक्षरता उपलब्ध कराई जा सकती है, शिक्षा को उचित वातावरण मुहैया नहीं करवाया जा सकता। यह सरकारी बनाम प्राइवेट स्कूल के बीच का अंतर भी नहीं है, क्योंकि वहां भी भविष्य के नाम पर वर्दी की चमक या गले में टाई ही लटक रही है। यह दीगर है कि प्रदेश में सीबीएसई व आईसीएसई पाठ्यक्रमों के स्कूल, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत स्कूलों से भिन्न परीक्षा परिणाम, अभिभावकों का स्वाभिमान और छात्रों के भविष्य में बदलाव ला रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है कि विज्ञान, मेडिकल व इंजीनियरिंग की शिक्षा में हिमाचल का कुनबा निजी स्कूलों की दौलत बन रहा है, जबकि बाकी विषयों की फेहरिस्त में कई सरकारी स्कूल भी अपनी श्रेष्ठता का रुतबा कायम रख रहे हैं। गुणवत्ता न तो इमारतों से आएगी और न ही घोषणाओं से परिपूर्ण होगी, बल्कि यह अभिभावकों के विश्वास, छात्रों के अभ्यास और नए संकल्प के आगाज से ही संभव होगा, वरना विभागीय कसौटियां तो वार्षिक छुट्टियों के कैलेंडर में फंसी हैं या सारा साल शिक्षकों के तबादले में गुजर जाता है। एक अच्छे अध्यापक के साथ छात्र भी कुछ बरस गुजराना चाहता है। मसलन प्राथमिक शिक्षा के पांच साल, माध्यमिक शिक्षा के तीन साल या सीनियर सेकेंडरी के चार साल हों, वहां बच्चा एक पाठ्यक्रम के आदर्श अध्यापक में खोजता है। शिक्षा अब पाठ्यक्रम के समुद्र से हीरे खोजने की प्रतिस्पर्धा है, तो इसके लिए स्कूल-कालेज के एहसास में अध्यापक वर्ग का स्थायित्व जरूरी है। सोचना यह होगा कि अध्यापकों की ट्रांसफर पॉलिसी शिक्षा को उत्तीर्ण कर रही है या यह वर्ग अपनी असुरक्षा की भावना में इस रोग से ग्रसित होकर जुगाड़ का पाठ्यक्रम भी बना रहा है। जब तक अध्यापक को मतदाता मान कर उसके समर्थन या विरोध की सियासी भाषा तैयार होती रहेगी, उसका किरदार शिक्षा के काम नहीं आएगा। बेशक सरकारों ने प्रयास किए, योजनाओं ने श्रृंगार किए और पाठ्यक्रमों ने शिक्षा को आधार दिए, लेकिन ये कसौटियां कई स्तरों पर हारीं। पहला मुकदमा अभिभावकों की अदालत में हारा क्योंकि शिक्षा से निकलते करियर का विस्तार सरकारें नहीं कर पाईं। हम समझ नहीं पाए कि मेडिकल-इंजीनियरिंग से इतर करियर का कहीं स्कोप अन्य विषयों में भी है।

बांग्लादेश में ब्राह्मणबारिया पल्ली विद्युत समिति के एजीएम को सेना ने किया गिरफ्तार

ढाका, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की सेना ने ब्राह्मणबारिया पल्ली विद्युत समिति के सहायक महाप्रबंधक (एजीएम) एसके सकील अहमद को गिरफ्तार किया है। उन्हें नौकरी से बर्खास्त करने के कुछ घंटों बाद बिजलीघर को अस्थिर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

31 वर्षीय अहमद को ब्राह्मणबारिया सदर उपजिला के घाटुरा इलाके से गिरफ्तार कर पुलिस को सौंप दिया गया। खबर के अनुसार, ब्राह्मणबरिया सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी मुजफ्फर हुसैन ने अहमद की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अहमद को ढाका के खिलखेत पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। इसकी सूचना खिलखेत पुलिस स्टेशन को भेज दी गई है। ग्रामीण विद्युतीकरण बोर्ड के अनुसार, अहमद 31 अक्टूबर, 2021 को बोर्ड का हिस्सा बने। उन्हें 7 नवंबर को भोला पल्ली विद्युत समिति कार्यालय में तैनात किया गया। 15 जुलाई, 2023 को उन्हें ब्राह्मणबारिया पल्ली विद्युत समिति में स्थानांतरित कर दिया गया।

इस संबंध में मेहजबीन रहमान ने कहा कि उनके पति को 80 पल्ली विद्युत संघों की तरफ से बोर्ड अध्यक्ष को एक ज्ञापन ई-मेल से भेजने पर 29 अप्रैल को निलंबित कर दिया गया। इस निलंबन आदेश को 14 जुलाई को रद्द कर दिया गया। मगर गुरुवार रात को उन्हें बर्खास्त कर सैनिक उन्हें सुबह गिरफ्तार कर ले गए। उन्होंने अंतरिम सरकार से सवाल किया कि क्या यही न्याय है

उल्लेखनीय है कि बोर्ड के कानूनी विंग के निदेशक अरशद हुसैन ने चार अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए गुरुवार रात खिलखेत पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था। इसमें कहा गया है कि यह सभी अंतरिम सरकार की छवि खराब करने और उसे शर्मनाक स्थिति में डालने की कोशिश कर रहे हैं। यह देशद्रोह के समान है।

न्यूज़ ब्रीफ

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री लामिछाने को रविवार को कोर्ट में किया जाएगा पेश

काठमांडू। सहकारी घोटाला मामले में शुक्रवार शाम को काठमांडू से गिरफ्तार किए गए नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने को सुरक्षा कारणों से रातोंरात सड़क मार्ग से पोखरा ले जाया गया। पोखरा थाने की पुलिस लामिछाने को रविवार को अदालत में पेश कर उनकी 15 दिनों की कस्टडी की मांग करेगी। विभिन्न सहकारी बैंकों के करीब 135 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में आरोपित रवि लामिछाने को पुलिस ने काठमांडू स्थित उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के दफ्तर से गिरफ्तार किया था। इस घोटाले की जांच कर रही केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के एसपी हविंद्र बोगटी ने बताया कि सुरक्षा कारणों से आरोपित को रातोंरात सड़क मार्ग से पोखरा ले जाया गया। काठमांडू से पोखरा तक के रास्ते में पुलिस को कई स्थानों पर रवि के समर्थकों के विरोध का भी सामना करना पड़ा लेकिन सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त होने के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। बोगटी ने बताया कि लामिछाने को शनिवार सुबह 4 बजे पोखरा पहुंचा दिया गया। पोखरा के ही मेडिकल कालेज में उनकी चिकित्सा जांच करायी गयी और पोखरा पुलिस की कस्टडी में सौंप दिया गया। सार्वजनिक अवकाश होने के कारण अब उनको रविवार को जिला अदालत में पेश किया जाएगा। पोखरा पुलिस जिला अदालत से उनकी 15 दिनों की कस्टडी की मांग करेगी।

कराची में किशोरी, दो युवतियों और बुजुर्ग महिला की हत्या, शव अलग-अलग कमरों से बरामद

कराची। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची के ल्यारी क्षेत्र की ली मार्केट इलाके में एक अपार्टमेंट (जैनब आर्केड) से तीन महिलाओं और एक किशोरी शव मिले हैं। चारों के गला कटे शव पुलिस ने जैनब आर्केड की सातवीं मंजिल से बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, बदन पर यातना के निशान भी हैं। चारों की पहचान हो गई है। इनके नाम 13 साल की अलीना, 18 साल की मदीहा, 19 साल की आयशा और 51 साल की शहनाज हैं। चारों शव अलग-अलग कमरों में पाए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बंटवा गली में लगे सीसीटीवी की फुटेज जांच के लिए हासिल की जा रही है। परिवार के मुखिया मुहम्मद फारूक ने पुलिस से कहा है कि मृतकों में उनकी पत्नी, बेटी, पोती और एक बहू शामिल हैं। जब यह घटना हुई तब वह और उनके दो बेटे घर पर नहीं थे। उन्हें किसी पर शक नहीं है। न ही उनकी किसी से कोई दुश्मनी है। हालांकि पुलिस ने परिवार के मुखिया फारूक और उसके दो बेटों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने कहा कि इस वारदात में जरूर परिवार के किसी व्यक्ति का हाथ हो सकता है।

बांग्लादेश के मौजूदा हालात पर यूनुस करेंगे प्रमुख नेताओं से चर्चा

ढाका। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस देश के मौजूदा हालात

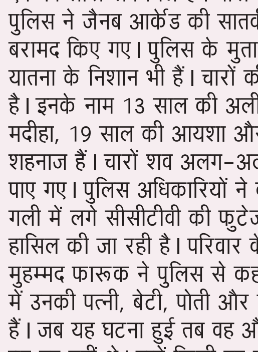

पर कई राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। वार्ता के लिए गनो फोरम, एलडीपी, जातीयताबादी सम्मान जोटे, 12-पार्टी गठबंधन, जातीय मुक्ति परिषद, लेबर पार्टी और बांग्लादेश जातीय पार्टी को आमंत्रित किया गया है। ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, मुख्य सलाहकार ने पांच अक्टूबर से राजनीतिक दलों के नेताओं से चर्चा कर रहे हैं। दुर्गा पूजा की छुट्टियों के कारण यह प्रक्रिया रोक दी गई थी। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद अंतरिम सरकार ने आठ अगस्त से काम करना शुरू किया है। सत्ता संभालते ही अंतरिम सरकार ने जातीय पार्टी समेत सभी राजनीतिक दलों से बातचीत की। अंतरिम सरकार ने इस बार जातीय पार्टी को बातचीत के लिए आमंत्रित करने से परहेज किया है। सबसे पहले पांच अक्टूबर को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी से राज्य अतिथि गृह जमुना में वार्ता की गई। इसके बाद जमात-ए-इस्लामी, गणतंत्र मंच, हिफाजत-ए-इस्लाम, लेफ्ट डेमोक्रेटिक अलायंस, इस्लामी आंदोलन, एबी पार्टी और गोनो ओधिकार परिषद के नेताओं से चर्चा की गई।

इजराइल का गाजा पर हमला 30 से अधिक लोग मारे गए

गाजा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल के हमलों से मलबे के ढेर में तबदील हो चुके गाजा में आतंकवादी संगठन हमास प्रमुख याह्या सिनवार के मारे जाने के बाद दहशतगर्द बिलबिला गए हैं। अब हमास गाजा से बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति को अपना सरगना बनाने पर विचार कर रहा है। इस बीच नासर जंक्शन के पास इजराइली हवाई हमले में 30 से अधिक नागरिक मारे गए।

फिलिस्तीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए (वाफा) ने नासर जंक्शन हमले की जानकारी दी। वाफा के अनुसार, गाजा पट्टी के उत्तर में जबालिया शिविर में नासर जंक्शन के पास इजराइली हवाई हमले में 20 बच्चों और महिलाओं सहित 30 से अधिक नागरिक मारे गए और 50 से अधिक अन्य घायल हो गए। इजराइल के सुरक्षा बलों ने गाजा पट्टी के उत्तर में नासर जंक्शन के पास कई घरों को बम से उड़ा दिया।

वाफा के अनुसार, इजराइल का सात अक्टूबर, 2023 से गाजा पट्टी पर आक्रमण जारी है। अब तक 42,500 नागरिक मारे गए और 99,546 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा मध्य गाजा में अल-मगाजी शिविर पर इजराइली बमबारी में दो नागरिकों की मौत हो गई। इसके अलावा शुक्रवार सुबह गाजा पट्टी पर हुए हमले में 64 नागरिक मारे गए। इनमें 45 लोग जबालिया शिविर के शामिल हैं।

सीरिया में विभिन्न संचार माध्यमों की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइली हमले में हमास सरगना याह्या सिनवार के मारे जाने के बाद आतंकवादी संगठन गाजा के बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति को अपना सरगना बनाने पर विचार कर

रहा है। अब याह्या के भाई मोहम्मद सिनवार से इजरायल के खिलाफ युद्ध में बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है। याह्या सिनवार के सहयोगी खलील अल-हय्या को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है।

अल-हय्या इस समय हमास का मुख्य वार्ताकार है। उसके अलावा नेतृत्व के अन्य दावेदारों में इस्माइल हानिया के पूर्ववर्ती खालिद मेशाल और शूरा परिषद के अध्यक्ष मोहम्मद दरवेश शामिल हैं। तीन महीने से कम समय के भीतर हमास के दो सरगना मारे जा चुके हैं। कई वर्षों तक हमास का नेतृत्व करने वाला इस्माइल हानिया 31 जुलाई को ईरान में मारा गया। इसके बाद हमास का नेतृत्व संभालने वाले याह्या सिनवार को इजराइली सैनिकों ने बुधवार को मार गिराया। सिनवार ने गाजा में सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व दोनों को एक साथ मिला दिया, लेकिन इस बार ऐसा संभव नहीं लगता। इजराइली सेना ने कहा है कि शुक्रवार को उसने जार्डन की सीमा पार कर दक्षिणी इजरायल में घुसने की कोशिश कर रहे दो हमलावरों को मार गिराया।

सिनवार की हत्याः पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हैरान करने वाला हुआ खुलासा

तेल अवीव। साउथ गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन के तहत हमास चीफ याह्या सिनवार को मारकर बेंजामिन नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर 2023 अटैक का बदला भी ले लिया। याह्या सिनवार की मौत कन्फर्म हो चुकी है। मगर उसकी मौत कैसे हुई, इसे लेकर अब पॉस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट की मानें तो याह्या सिनवार की मौत को कन्फर्म करने के लिए इजरायली सैनिकों ने उसकी उंगली काट दी थी। याह्या सिनवार हमास का पोलित ब्यूरो चीफ था। एक वीडियो में यह देखा गया कि याह्या सिनवार के चहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। उसकी खोपड़ी का कुछ हिस्सा उड़ा हुआ दिखा, जो कि पोस्टमॉर्टम करने वाले चीफ पैथोलॉडिस्ट के दावों से मिलता है। बता दें कि इजरायली सैनिकों ने नुकसान के आकलन और किसी भी बचे हुए लोगों की तलाश के लिए जमीनी छापेमारी करने से पहले ठिकाने पर एक टैंक से गोला दागा था। गुप्त सूचना के आधार पर दक्षिणी गाजा में की गई एक ग्राउंड रेड में हमास नेता याह्या सिनवार मारा गया। याह्या सिनवार के शव का पोस्टमॉर्टम करने वाले चीफ पैथोलॉजिस्ट की मानें तो हमास चीफ सिनवार की मौत सिर में गोली लगने से हुई है। उन्होंने बताया कि हमास नेता को टैंक के गोले से भी चोटें आई थीं, मगर उन्होंने यकीन से कहा कि याह्या सिनवार की मौत सिर में गोली लगने से ही हुई है। सोशल मीडिया पर याह्या सिनवार का वीडियो वायरल है। उसमें वह मौत से कुछ देर पर सोफे पर बैठा नजर आता है। इजरायली सैनिक ड्रोन से इसकी पुष्टि कर रहे थे। याह्या सिनवार के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली कटी हुई थी। वीडियो में बाएं हाथ की सभी उंगलियां पहले थी, मगर बाद में एक उंगली गायब दिखी। वह उंगली डीएनए मैच के लिए थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायली सैनिकों ने उसकी मौत की पुष्टि के लिए उसकी उंगलियां काट दी थी। उसके सिर में गोली मारी गई थी, जिससे उसकी खोपड़ी उड़ गई। उसका हाथ बुरी तरह से घायल हो चुका था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायली सैनिक जब सिनवार के ठिकाने में दाखिल हुए तो उन्हें याह्या सिनवार जैसा दिखने वाला एक शव मिला। मगर वे पूरी तरह से कन्फर्म होना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने डीएनए जांच के लिए उसकी उंगली काट दी। दरअसल, याह्या सिनवार इजरायल की जेल में पहले सजा काट चुका था। उसी दौरान इजरायल ने सिनवार का प्रोफाइल बना लिया था। दरअसल, 2011 में एक कैदी-अदला-बदली के तहत रिहा होने तक दो दशकों तक सिनवार इजरायली जेल में बंद था। उस दौरान इजरायली सैनिकों के पास सिनवार का प्रोफाइल था। बता दें कि याह्या सिनवार 7 अक्टूबर के हमले का मास्टरमाइंड था। हमास के उस हमले में इजरायल के 1200 लोगों की मौत हो गई थी।

अब तक बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां सच हुईं, 2043 तक यूरोप में स्थापित होगा मुस्लिम शासन

सोफिया, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बाबा बेंगा की भविष्यवाणियां पूरी दुनिया में चर्चित हैं। अब तक उन्होंने जो भी भविष्यवाणी की है वो अधिकांशतः सही साबित हुई है। एक बार फिर उनकी भविष्यवाणी ने सुर्खियां बटोरी हैं, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन आ जाएगा। बाबा वेंगा ने अपनी भविष्यवाणियों में यूरोप के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएँ जताई हैं और इस दिशा में कुछ अहम घटनाओं की भविष्यवाणी की है। इसके अलावा, बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि साल 2025 में यूरोप में एक बड़ा संघर्ष होगा, जो महाद्वीप में तबाही का कारण बनेगा। इस संघर्ष के कारण यूरोप में हालात बिगड़ जाएंगे और यह मानवता के लिए एक संकट का समय साबित होगा। इसके बाद, 2033 में ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर परिणामों की भविष्यवाणी भी की गई है। बाबा वेंगा का कहना था कि ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र स्तर बढ़ेगा, जिससे लोगों का जीवन और भी मुश्किल हो जाएगा। हालांकि, बाबा वेंगा की भविष्यवाणियाँ हमेशा सटीक नहीं होतीं, लेकिन जिन घटनाओं का उन्होंने पहले उल्लेख किया था, वे समय के साथ सच साबित हुईं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यूरोप में 2043 तक मुस्लिम शासन की भविष्यवाणी भी सच साबित होती है या नहीं। इस प्रकार की भविष्यवाणियाँ लोगों के मन में डर और अज्ञात की जिज्ञासा को जन्म देती हैं, लेकिन इन पर विश्वास करने से पहले तथ्यात्मक आधार पर विचार करना जरूरी है। बाबा वेंगा, जिनका जन्म बुल्गारिया में हुआ था, ने अपनी मृत्यु से पहले साल 5079 तक की भविष्यवाणी की थी। उनकी भविष्यवाणियों में कई घटनाएँ पहले ही सही साबित हो चुकी हैं, जैसे सोवियत यूनियन का विघटन और 9/11 के आतंकी हमले। अब उनका दावा है कि 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन का उदय होगा और पूरे महाद्वीप में नारा-ए-तकबीर गूंजेगा। इस बयान के बाद, कई लोग इसे भारत में हो रही सांप्रदायिक चर्चाओं से जोड़ कर देख रहे हैं, जहां कुछ लोग हिंदू एकता की बात करते हुए मुस्लिम आबादी के बढ़ने को लेकर चिंतित हैं।

जापान में सत्तारूढ़ एलडीपी के मुख्यालय पर पेट्रोल बम फेंके गए

टोक्या, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जापान की राजधानी टोक्यो में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्यालय पर शनिवार सुबह पेट्रोल बम फेंकने के आरोप एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जापान टुडे अखबार ने सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के हवाले से यह जानकारी दी।

खबर के अनुसार, इस व्यक्ति ने अपनी कार से दंगा निरोधी पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। इससे आग लग गई। आग को जल्द ही बुझा लिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। इस व्यक्ति ने अपनी कार को प्रधानमंत्री कार्यालय के मैदान में ले जाने की कोशिश की, लेकिन बाड़ के कारण सफल नहीं हो सका। इसके बाद उसने एक धुआं बम फेंकने की कोशिश की। वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उसे हिरासत में ले लिया।

पार्टी महासचिव हिरोशी मोरियामा ने कहा, अपराधी के मकसद ज्ञात नहीं हैं, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को हिंसा से चुप नहीं कराया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घटना सुबह 6 बजे से कुछ देर पहले हुई।

भारत के बाहर रह रहे देशवासियों की सेवा करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : राष्ट्रपति मुर्मू

लिलोंग्वे, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा के अंतिम चरण में मलावी पहुंचीं भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत के बाहर रह रहे अपने देशवासियों का कल्याण करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनकी सरकार भारतीयों की चिंता को दूर करने और उनकी सुरक्षा, कल्याण और उन्नति सुनिश्चित करने के लिए विश्व में अपने सहयोगियों के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि भारत आपसी विश्वास, समानता, और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों पर आधारित अफ्रीकी महाद्वीप के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है। अफ्रीका के साथ सहयोग का हमारा मॉडल स्थानीय संसाधन का उपयोग करने और क्षमता निर्माण का है। यह अफ्रीका की आवश्यकताओं की प्राथमिकता पर आधारित है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि ग्लोबल साउथ के अग्रणी सदस्य के रूप में भारत विश्व की दोतिहाई जनसंख्या के हितों का प्रतिनिधित्व करने की अपनी भूमिका को गंभीरता से लेता है। मलावी में आप सभी के बीच उपस्थित होकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। भारत और मलावी के राजनयिक संबंधों को 60 वर्ष पूरे हो गए हैं। यह

रिश्ते ऐतिहासिक हैं। मलावी से भारत के गहरे सांस्कृतिक संबंध भी हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का मलावी के राष्ट्रपति लाजर मैक्कार्थी चकवेरा ने स्टेट हाउस में गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने भारत-मलावी संबंधों को सुदृढ़ करने के अलावा कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लिलोंग्वे में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया। उन्होंने प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध और अन्य सैन्य अभियानों के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों और नागरिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति ने उन भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि दी, जिनके बलिदान को इस स्मारक में महत्व दिया गया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने मलावी के पहले राष्ट्रपति डॉ. हेस्टिंग्स कामुजु की समाधि पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।

अमेरिका में कौन बनेगा राष्ट्रपति- सट्टा बाजार में किसकी चमक रही है किस्मत

न्यूयॉर्क, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पूरी दुनिया की नजर अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव पर है। यहां कौन जीतेगा और हारेगा इसको लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। इस पर सट्टा बाजार की भी नजर है। कमला हैरसि और डोनाल्ड दोनों अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। इस बीच कई ओपनियिन पोल्स भी आए हैं, जिनमें ट्रंप-हैरसि के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। लेकिन सट्टा बाजार क्या कह रहा है।

सट्टा बाजार को अमेरकिी चुनाव की भवष्यिवाणी में काफी विश्वसनीय माना जाता है। क्योंकि लोग उसमें पैसे लगाते हैं। पहले के सर्वे में माना गया था कि हैरसि ट्रंप से कुछ आगे हैं। लेकिन अब पूरा खेल पलटता नजर आ रहा है। पॉलीमार्केट के अनुसार, 15 अक्टूबर तक पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के जीतने की संभावना 60 प्रतिशत तक थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नेशनल सर्वे

ट्रैकर की मानें तो 49 प्रतिशत वोटर कमला हैरसि को वोट देने का प्लान बना रहे हैं जबकि सिर्फ 47प्रतिशत वोट ट्रंप के समर्थन में हैं। जबकि सट्टा बाजार इसके बिल्कुल उलट कहानी बयां कर रहा है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में डेटा साइंस के प्रोफेसर थॉमस मिलर ने फॉर्च्यून को बताया, सट्टेबाजी पोर्टल सटीक अनुमान लगाते हैं, क्योंकि इनमें लोगों का पैसा लगा होता है। मिलर खुद एक साइट चलाते हैं, जो प्रेडिक्टइट कॉन्ट्रैक्ट कीमतों के आधार पर इलेक्टोरल कॉलेज के नतीजों का अनुमान लगाती है। इससे भी पता चलता है कि ट्रंप भारी मतों से जीत रहे हैं। पॉपुलर सट्टेबाजी प्लेटफार्म प्रेडिक्टइट ने दावा कयिा कि लोग ट्रंप की जीत पर ज्यादा पैसा लगा रहे हैं। अब ट्रंप के जीतने की संभावना 54 प्रतिशत है, जबकि हैरसि के जीतने की संभवना 49 प्रतिशत रह गई है। जुलाई से अब तक ऐसा पहली बार है कि हैरसि को 50 प्रतिशत से कम लोगों का समर्थन मिल रहा है। ज्यादातर सट्टेबाजी प्लेटफार्म ट्रंप को ही जीतते हुए देख रही हैं। बेटफेयर ने ट्रंप की जीत की संभावना लगभग 58 प्रतिशत तक मानी है जबकि कलशी ने 57 प्रतिशत फीसदी। प्रेडिक्टइट 54 प्रतिशत तथा स्मार्केट ने ट्रंप की जीत की संभावना 58 प्रतिशत मानी है। पोल ऑफ पोल करें तो पाएंगे कि ट्रंप के जीतने की संभावना 57 प्रतिशत से ज्यादा है। सितंबर के अंत में यह लगभग 48 प्रतिशत थी। लेकिन उसके बाद से जबरदस्त बदलाव आया है।

ट्रंप-हैरसि में कौन कतिना आगे

- कलशी: ट्रम्प 57 प्रतिशत, हैरिस 43 प्रतिशत
- स्मार्केट्स: ट्रम्प 58 प्रतिशत, हैरिस 42 प्रतिशत
- पॉलीमार्केट: ट्रम्प 60 प्रतिशत, हैरिस 40 प्रतिशत
- प्रेडिक्टइट: ट्रम्प 54 प्रतिशत, हैरिस 49 प्रतिशत
- बेटफ़ेयर: ट्रम्प 58 प्रतिशत, हैरिस 42 प्रतिशत।

आईएसएल : ईस्ट बंगाल पर दबदबा बरकरार रखने उतरेगा मोहन बागान सुपर जायंट

कोलकाता, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सिटी ऑफ जॉय विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में एक और प्रतिष्ठित कोलकाता डर्बी का गवाह बनने जा रहा है, जब मोहन बागान सुपर जायंट सुपर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल पर दबदबा बरकरार रखने के लिए उतरेगा।

दोनों क्लबों को इस आईएसएल सीजन में की शुरुआती चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। ईस्ट बंगाल एफसी अकेली टीम है जो अपने चारों मैच हारी है, जबकि मैरिनर्स ने आक्रामक कौशल दिखाया है लेकिन वे अब तक खेले चार मैचों में सात गोल खाकर रक्षात्मक रूप से लडखड़ा रहे हैं।

मोहन बागान मोहम्मडन एससी पर 3-0 की जीत के बाद मैदान पर उतरेगा। स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना का लक्ष्य इस सीजन में पहली बार लगातार जीत और क्लीन शीट पाना होगा।

मोहन बागान ने 2024 में अपने 12 घरेलू आईएसएल मैचों में से प्रत्येक में गोल दागा है, उनमें से 11 मैचों में कम से कम दो गोल किए हैं। उन्होंने 2024 में साल्ट लेक स्टेडियम में 29 गोल किए हैं।

वहीं, ईस्ट बंगाल एफसी मैरिनर्स के खिलाफ अपने पिछले आठ आईएसएल मुकाबलों में जीत से दूर है और हर मुकाबले में कम से कम दो गोल खाए हैं। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड अभी भी सीजन की अपनी पहली जीत की तलाश में है।

मोहन बागान सुपर जायंट के स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग के खिलाफ हालिया जीत पर विश्वास जताया है, और आश्वासन दिया कि मैच में क्या होगा, अब वो ही मायने रखता है।

उन्होंने कहा, हमने कुछ दिनों तक आराम किया। अब, हमारे खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार हैं। मेरा मानना है कि हम पिछले मैच के बाद अच्छी स्थिति में हैं। लेकिन अब, महत्वपूर्ण मैच है और हमारा ध्यान उसी पर केंद्रित है।

ईस्ट बंगाल एफसी के रणनीतिकार बिनो जॉर्ज ने इस सीजन में मजबूत टीम तैयार करने के लिए प्रबंधन की सराहना की।

उन्होंने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम अपनी योजनाओं पर टिके रहेंगे। प्रबंधन ने इस बार एक अच्छी टीम बनाई है। अब बतौर कोच योजना बनाना हमारा काम है। हम अपना 100 प्रतिशत देंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

एशिया-पैसिफिक एमेच्योर टीम चैंपियनशिप: कार्तिक सिंह के प्रदर्शन से भारत 8वें स्थान पर पहुंचा

है फोंग। भारतीय गोल्फर कार्तिक सिंह के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत एशिया-पैसिफिक एमेच्योर टीम चैंपियनशिप में भारत आठवें स्थान पर रहा।

कार्तिक ईवन पार 72 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत स्पर्धा में दसवें स्थान पर रहे,जबकि रोहित (77) और अनंत सिंह अहलावत (76) दोनों संयुक्त 25वें स्थान पर रहे। कार्तिक ने पांच बर्डी और पांच बोगी तथा दस पार के साथ शानदार प्रदर्शन किया और सप्ताह के लिए कुल 2-अंडर स्कोर किया। यह एक और बेहतरीन प्रदर्शन था और वह भारतीय गोल्फ संघ द्वारा उन पर जताए गए भरोसे को सही साबित कर रहा है। वियतनाम व्यक्तिगत और टीम प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान पर है। गुयेन एनह मिन्ह ने वियतनाम को ऐतिहासिक जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विंपर्ल है फोंग में चार दिनों के दौरान, एनह मिन्ह ने विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग में 84वें स्थान पर रहते हुए 57 खिलाड़ियों के बीच सर्वोच्च रेटिंग वाले खिलाड़ी के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को बनाए रखा। 71, 67, 71 और समापन 67 के राउंड के साथ, एनह मिन्ह ने 12-अंडर कुल 276 के स्कोर के साथ समापन किया। उन्होंने पूरे सप्ताह केवल तीन बोगी की, दो पहले दिन और एक राउंड तीसरे में। व्यक्तिगत स्टैंडिंग में, वे दूसरे स्थान पर रहने वाले ऑस्ट्रेलियाई डेक्लान ओ'डोनोवन से दो शॉट आगे रहे, जिन्होंने छह-अंडर 66 के साथ समापन किया, जो सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ राउंड था। न्यूजीलैंड के रॉबी टर्नबुल आठ अंडर 280 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे, उनके बाद जापान के ताइशी मोटो (281) और मलेशिया के एंसन येओ (282) का स्थान रहा। पारंपरिक एशिया-प्रशांत गोल्फ़िंग दिग्गजों जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की चुनौतियों को मात देते हुए, वियतनामी तिकड़ी एनह मिन्ह, ले खान हंग और हो एनह हुई ने एक शानदार जीत के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। एनह मिन्ह के 67 और एनह हुई के 69 के अंतिम राउंड की बदौलत, वियतनाम ने इस इवेंट में अंतिम दिन आठ-अंडर 136 का टीम स्कोर बनाया, जिसमें प्रत्येक तीन-सदस्यीय टीम में दो सर्वश्रेष्ठ दैनिक स्कोर गिने जाते हैं। खान हंग, जिनका तीसरे दिन 69 का स्कोर निर्णायक साबित हुआ, ने पांच-ओवर 77 के साथ समापन किया। 20-अंडर 556 के कुल स्कोर के साथ वियतनाम ने गत चैंपियन और नोमुरा कप के 10 बार के विजेता जापान, से तीन स्ट्रोक की बढ़त हासिल की।

बीसीबी ने प्रमुख कोच हथरुसिंघे को पद से हटाया, मारपीट और शर्तो के उल्लंघन करने के लगाए आरोप

ढाका। खिलाडी के साथ मारपीट और कदाचार के आरोप में दो दिन पहले हुए निलंबन के बाद बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने टीम के प्रमुख कोच चंडिका हथरुसिंघे को पद से हटा दिया है। यह निलंबन मैदान पर मौजूद उनके व्यवहार और रोजगार शर्तों के उल्लंघन के आधार पर किया गया है। चंडिका के स्थान पर फिल सिमंस को फरवरी 2025 में होने वाली आगामी चैंपियंस ट्रॉफी तक टीम का प्रमुख कोच नियुक्त किया गया है। बीसीबी के अध्यक्ष फारूक अहमद ने कहा कि हथुरुसिंघे ने बंगलादेश के एक क्रिकेटर के साथ मारपीट की और अपने अनुबंध में उल्लेखित से अधिक छुट्टियां लीं। बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर कदाचार के दो मामलों पर स्पष्टीकरण मांगा था। हथुरुसिंघे ने अगले दिन प्रतिक्रिया दी जिसके बाद गुरुवार को स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपातकालीन बोर्ड बैठक बुलाई गई।

एक ही ओवर में लगातार लिए पांच विकेट, पार्कर ने किया कारनामा

नई दिल्ली। क्रिकेट मैच के दौरान एक ही ओवर में पांच लगातार गेंद पर पांच विकेट लेते गेंदबाज के बारे में आपने कभी नहीं सुना होगा।

आस्ट्रेलिया में 116 साल के क्रिकेट इतिहास में ये पहली बार देखने को मिला, जब ग्लेन पार्कर नाम के गेंदबाज ने ये कारनामा कर दिखाया। विक्टोरियन सब-डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन में गेंदबाज ग्लेन पार्कर ब्राइटन के लिए खेल रहे थे और सामने थी हूपर्स क्रॉसिंग की टीम। शुरुआती ओवर्स से ब्राइटन के गेंदबाजो की जमकर पिटाई हो रही थी तभी वो हुआ जो अकल्पनीय था। ब्राइटन टीम के कप्तान पैट कैसेडी ने गेंदबाजी के लिए ग्लेन पार्कर को बुलाया। ग्लेन पार्कर ने एक ही ओवर में, लगातार पांच गेंदों में अविश्वसनीय रूप से पांच विकेट लिए। ये इतिहास रचने के बाद ग्लेन पार्कर से जब पुछा गया कि उन्होंने क्या खास किया तो पार्कर ने कहा कि वो सही जगह गेंद को गिरा रहे थे और बाकी बल्लेबाजी लगातार उनको गलत लाइन में खेलते चले गए। ये क्रिकेट इतिहास की पहली ट्रिपल हैट्रिक थी आज तक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में इससे पहले ये कारनामा नही हुआ था। मैच की पहली गेंद पर बल्लेबाज कैच हुआ बाकी दो बल्लेबाज बोल्ड और दो एलबीडब्ल्यू आउट हए। गेंदबाजी के लिए वैसे भी आस्ट्रेलिया स्वर्ग माना जाता रहा है और ऐसे में फर्स्ट क्लास क्रिकेट के कुछ अनोखे रिकार्ड कंगारू गेंदबाजो के नाम अगर नजर आए तो चौंकिएगा मत।

आईएमएल की गवर्निंग काउंसिल में सुनील गावस्कर, शॉन पोलक, सर विवियन रिचर्ड्स शामिल

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) ने अपनी गवर्निंग काउंसिल के गठन की घोषणा की है, जिसमें क्रिकेट की तीन महान हस्तियाँ लीग कमिश्नर सुनील गावस्कर, सर विवियन रिचर्ड्स और शॉन पोलक शामिल हैं। ये तीनों खिलाड़ी आईएमएल की रणनीतिक दिशा, नियमों और संचालन की देखरेख करेगी।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का पहला संस्करण 17 नवंबर से 8 दिसंबर, 2024 तक खेला जाएगा, जिसमें नवी मुंबई का डी.वाई. पाटिल स्टेडियम शुरुआती चरण की मेजबानी करेगा। लखनऊ और रायपुर अन्य दो स्थान होंगे, जिनमें रायपुर फाइनल की मेजबानी करेगा।

क्रिकेट के अग्रणी और टेस्ट में 10,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज, सुनील गावस्कर अपने चतुर क्रिकेट दिमाग और खेल की अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं।

गावस्कर ने एक विज्ञप्ति में कहा, गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के रूप में हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग क्रिकेट की भावना के प्रति सच्ची बनी रहे, जबकि वैश्विक स्तर पर प्रशंसकों को मनोरंजन प्रदान किया जाए। आईएमएल न केवल खेल के महारथियों के लिए एक श्रद्धांजलि है, बल्कि उन प्रशंसकों के लिए एक उत्सव भी है जो अपने नायकों को संजोना जारी रखते हैं।

सर विव रिचर्ड्स, जो अब तक के सबसे विध्वंसक बल्लेबाजों में से एक हैं, 1970 और 1980 के दशक में क्रिकेट पर छाई वेस्टइंडीज टीम के अभिन्न सदस्य थे। वे सीमित ओवरों के खेल में अपने समय से आगे के खिलाड़ी थे और उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज एक भी टेस्ट सीरीज़ नहीं हारी।

आईएमएल की गवर्निंग काउंसिल में शामिल होने पर सर विवियन रिचर्ड्स ने कहा, आईएमएल एक अविश्वसनीय मंच है जो प्रशंसकों को खेल के पिछले महारथियों को फिर से एक्शन में देखने का अनूठा रोमांच प्रदान करेगा। मैं गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा बनने और इस अभिनव लीग को सफलता की ओर ले जाने में मदद करने के लिए उत्साहित हूँ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अब तक के सबसे सफल ऑलराउंडरों में से एक शॉन पोलक, आईएमएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में अपने अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा को सामने लाएंगे।

पोलक ने कहा, क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के साथ गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा बनना शानदार है। आईएमएल उन महान खिलाड़ियों के कौशल और क्लास का आनंद लेने का एक मौका है, जिन्होंने वर्षों से इतने सारे प्रशंसकों का मनोरंजन किया है। वे नई पीढ़ी को भी प्रेरित करेंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं लीग को सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनाने के लिए अपनी भूमिका निभाऊंगा।

भारत ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वापसी के लिए तैयार ईशान किशन

नई दिल्ली। ईशान किशन को इस साल की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि उन पर घरेलू क्रिकेट की तुलना में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को प्राथमिकता देने का आरोप था। अब वे भारत ए टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वर्तमान में झारखंड की अगुआई कर रहे किशन ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों और सीनियर राष्ट्रीय टीम के साथ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच में खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो टेस्ट 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक मैके में और 7 से 10 नवंबर तक एमसीजी में होने हैं। हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक टीम की पुष्टि नहीं की है, लेकिन रुतुराज गायकवाड़ या अभिमन्यु ईश्वरन के टीम की कप्तानी करने की उम्मीद है।

चामिका करुणारत्ने की जगह ऑलराउंडर चामिंडू टीम में शामिल

पल्लेकल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चामिका करुणारत्ने की जगह तेज गेंदबाज ऑलराउंडर चामिंडू विक्रमसिंघे को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका ने स्पिन आक्रमण में जेफरी वेंडरसे को भी शामिल किया है जिसकी अगुआई महेश थीक्षाना और वानिंदू हसरंगा करेंगे। वेंडरसे और वेलालेज अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेंगे। विक्रमसिंघे को पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20आई टीम में शामिल किया गया था लेकिन जब स्पिन के अनुकूल सतहें आम हो गईं, तो उनकी जगह डुनिथ वेलालेज को शामिल किया गया। तेज गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शिराज ने अपनी जगह बरकरार रखी है। इस बीच दिलशान मदुशंका चोट के कारण वेस्टइंडीज टी20आई श्रृंखला से बाहर रहने के बाद वापस लौटे हैं। हालांकि, वेस्टइंडीज के खिलाफ तीनों टी20आई खेलने वाले युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को एकदिवसीय टीम से बाहर रखा गया है। असिथा फर्नांडो तेज गेंदबाजी आक्रमण को पूरा करेंगे। श्रीलंका की बल्लेबाजी इकाई हाल के मैचों से अपरिवर्तित है, जिसमें कप्तान चरिथ असलांका टीम की अगुआई कर रहे हैं। टीम में अनुभवी खिलाड़ी अविष्का फर्नांडो, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा शामिल हैं जबकि कामिंडु मेंडिस, जनिथ लियानागे और निशान मदुश्का जैसे खिलाड़ी गहराई और बहुमुखी प्रतिभा जोड़ते हैं। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 20 अक्टूबर से शुरू होगी, जिसके सभी खेल पल्लेकेले में खेले जाएंगे। श्रीलंका वनडे टीम में चैरिथ असलांका (कप्तान), अविष्का फर्नांडो, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, सदीरा समरविक्रमा, निशान मदुश्का, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, चामिंडु विक्रमसिंघे, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका, मोहम्मद शिराज को शामिल किया गया है। ये टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलेंगी।

फाइनल में भिड़ेंगे न्यूजीलैंड-साउथ अफ्रीका महिला टी20 वर्ल्डकप में बनेगा इतिहास

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच महिला टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 20 अक्टूबर यानी रविवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम पहली बार वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचेगी। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर 14 साल बाद फाइनल में पहुंची है। वहीं साउथ अफ्रीका टीम लगातार दूसरी बार विश्व कप के खिताबी मुकाबला खेलेगी। न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को हराया वहीं साउथ अफ्रीका ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराया था। दोनों टीमों में से कोई भी टीम अभी तक यह टूर्नामेंट नहीं जीत सकी है। जो टीम इसे जीतेगी उसके नाम पहली बार टी20 विश्व कप ट्रॉफी होगी। भारतीय समय के मुताबिक यह मैच शाम 7:30 बजे दुबई में खेला जाएगा।

3 अक्टूबर को महिला टी20 वर्ल्ड कप का आगाज हुआ था जिसमें कुल दस टीमों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कई मैचों का फैसला आखिरी ओवर में हुआ। हालांकि खिताब की प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की हार टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर थी। साल 2009 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल ऑस्ट्रेलिया के बगैर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया टीम सबसे ज्यादा 6 बार यह ट्रॉफी अपने नाम कर

चुकी है। वहीं फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड में ना तो उनकी पुरुष टीम और ना ही महिला टीम इस ट्रॉफी को अभी तक जीत सकी है।

न्यूजीलैंड ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में पहुंची है। टी20 विश्व कप में उतरने से पहले इस टीम ने साल 2024 में खेले 13 टी20 मैचों में से सिर्फ एक मैच जीता था। इसके बाद विश्व कप में उसने जो प्रदर्शन किए उससे फैंस भी हैरान है। अब यह टीम खिताब से एक कदम की दूरी पर है।

साउथ अफ्रीका को 'चोकर्स' कहा जाता है, क्योंकि यह टीम बड़े मुकाबलों में हार जाती है। पुरुष और महिला टीम पर यह टैग सटीक बैठता है। साउथ अफ्रीकी टीम लगातार दो बार उप विजेता रही है। इसकी पुरुष टीम हाल में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में हार गई थी।

बेंगलुरु टेस्ट- न्यूजीलैंड को 107 रन का टारगेट

भारत दूसरी पारी में 462 रन पर ऑलआउट, सरफराज की सेंचुरी, पंत 99 पर आउट

बेंगलुरु, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ बेंगलुरु में चल रहे पहले टेस्ट मैच को जीतने के लिए 107 रन का टारगेट मिला है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को भारत दूसरी पारी में 462 रन पर ऑलआउट हो गया।

चौथे दिन का खेल बारिश के कारण तय समय से 20 मिनट पहले समाप्त कर दिया गया। न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में केवल 4 बॉल फेंके गए थे, तभी खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया। इसके कुछ देर बाद बारिश शुरू हो गई और स्टंप्स की घोषणा कर दी गई। कीवी टीम का स्कोर 0/0 है।

इस टेस्ट मैच में भारतीय टीम पहली पारी में 46 रन पर सिमट गई थी। जवाब में न्यूजीलैंड ने 402 रन बनाकर 356 रन की बढ़त हासिल की थी।

भारत की ओर से दूसरी पारी में सरफराज खान 150, ऋषभ पंत 99, विराट कोहली 70, रोहित शर्मा 52 और यशस्वी जायसवाल 35 रन बनाकर आउट हुए। बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

न्यूजीलैंड के लिए विलियम ओरुर्के और मैट हेनरी ने 3-3 विकेट झटके। एजाज पटेल ने 2 विकेट लिए। टिम साउदी और ग्लेन फिलिप्स को 1-1 विकेट मिला।

चौथे दिन का खेल बारिश के कारण जल्दी समाप्त हो गया। भारत के दूसरी पारी में ऑलआउट हो जाने के बाद न्यूजीलैंड की पारी शुरू ही हुई थी। अभी केवल 4 बॉल फेंके गए थे, तभी खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया। उसके कुछ ही देर बाद तेज बारिश होने लगी और चौथे दिन का समाप्त कर दिया गया। न्यूजीलैंड के ओपनर टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे नाबाद लौटे।

दिल्ली हाफ मैराथन: एड्रिस-चेप्टेगी और मैककोलगन-लिमो के बीच होगा दिलचस्प मुकाबला

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस, दिल्ली हाफ मैराथन के आगामी संस्करण में रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में शीर्ष सम्मान के लिए कुछ विश्व स्तरीय धावक भाग लेंगे।

युगांडा के जोशुआ चेप्टेगी, जो दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं, का सामना इथियोपिया के दो बार के 5000 मीटर विश्व चैंपियन मुक्तार एड्रिस से होने वाला है।

दिलचस्प बात यह है कि एड्रिस ने हाल ही में टिलबर्ग में 10 मील की दौड़ में चेप्टेगी को हराया था। शुक्रवार शाम को यहां रेस से पहले प्रेस मीट में शीर्ष एथलीटों ने हिस्सा लिया।

युगांडा पुलिस बल में कार्यरत चेप्टेगी ने बताया कि कैसे भारत में उनकी पहली रेस ने उनके करियर के लिए एक बेंचमार्क स्थापित किया।

उन्होंने कहा, भारत ने मेरे लिए एक बड़ी भूमिका निभाई, खासकर इसलिए क्योंकि यह मेरी सफलता की कहानी का एक बड़ा हिस्सा था। इसने

मुझे एक वास्तविक अवसर दिया, और दस साल बाद भी, मेरी प्रबंधन टीम ने कहा, %यदि आप अपने करियर के और 10 साल सड़कों पर बिताना चाहते हैं, तो आपको भारत वापस जाना होगा। इसलिए मैं लोगों को कुछ वापस देने के लिए भारत वापस आया हूं।

दिल्ली हाफ मैराथन में अपने प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त चेप्टेगी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रविवार की दौड़ मेरे लिए अच्छी रहेगी। मेरी प्राथमिकता दिल्ली हाफ मैराथन के माध्यम से अपने अगले अध्याय की ओर बढ़ना है।

हाल ही में लगी चोट से उबरने को लेकर एड्रिस ने कहा, मेरी चोट अब लगभग 95 प्रतिशत ठीक हो गई है, हालांकि एक छोटी सी समस्या आई है। लेकिन यह प्रबंधनीय है। मैं वर्तमान में अपने पिछले फॉर्म के 70-80 प्रतिशत पर हूं और लगातार सुधार कर रहा हूं। मेरा लक्ष्य पूरी ताकत से वापसी करना है, खासकर लंबी दौड़ के लिए। मेरे परिवार ने पूरे समय मेरा बहुत साथ दिया।

2019 में एक चुनौतीपूर्ण दौड़ को याद करते हुए, एथलीट ने बताया कि कैसे चोटों के कारण उन्हें शुरुआत में मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, दोहा में 5000 मीटर की फ़ाइनल के दौरान, गर्मी और उमस बहुत ज़्यादा थी। यह कठिन था, लेकिन इसने मेरे पक्ष में काम किया। मैं अंतिम 400 मीटर तक समूह के साथ रहा और अंतिम चरण में, मैं अन्य एथलीटों और खुद को आश्चर्यचकित करने में कामयाब रहा। किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि मैं उस दिन जीत जाऊंगा।

महिलाओं के वर्ग में 10,000 मीटर में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन, इलिश मैककोलगन शामिल हैं। हालांकि, केन्या की सिंथिया लिमो, 2016 विश्व हाफ मैराथन की रजत पदक विजेता, आगामी दौड़ में ब्रिटिश धावक को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली हाफ मैराथन से पहले अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत करने वाली मैककोलगन ने कहा, इतने लंबे समय तक खेल से बाहर रहना कठिन है। वापसी में लगभग छह महीने लगते हैं और फिर फिटनेस को फिर से बनाने में और समय लगता है। मैं अभी तक ब्रिटिश रिकॉर्ड या अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हूं, लेकिन चीजें अच्छी तरह से हो रही हैं। मैंने हाल ही में लगातार सप्ताहांत में दो हाफ मैराथन की, जो मैं आमतौर पर नहीं करती। एक करना मुश्किल है, दो तो छोड़िए, लेकिन इसने मुझे विश्वास दिलाया है कि मेरा शरीर ठीक है और अच्छी तरह से ठीक हो रहा है।

वह 2008 के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता के लिए भारत लौट रही हैं और दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, मेरी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता भारत में 2008 के राष्ट्रमंडल युवा खेलों में थी, इसलिए मैं यहाँ फिर से दौड़ने के लिए उत्साहित हूँ। दिल्ली हाफ मैराथन मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है, जो पेशेवर दौड़ में मेरी वापसी का प्रतीक है। मैं अपना पीबी नहीं बना पाई, लेकिन मैं इस इवेंट से पहले अपनी प्रगति से खुश हूँ।

सर्राफा बाजार में तेजी से पहली बार 79 हजार के पार पहुंचा सोना, चांदी भी लखटकिया होने के करीब

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोने की तरह चांदी ने भी जोरदार छलांग लगाई है। सोने की कीमत में 800 से 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु पहली बार 79 हजार रुपये के स्तर को पार कर गई है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,140 रुपये से लेकर 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 72 हजार का स्तर पार करके 72,560 रुपये से लेकर 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी ने भी करीब 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती दिखाई है। भाव में आई इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चांदी 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

सर्वे: ब्याज दर 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदारी पर पड़ेगा असर, वर्ष 2029 तक 1.04 लाख करोड़ डॉलर का आवासीय बाजार होगा

मुंबई । भारत की आर्थिक वृद्धि रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है। आवासीय बाजार हर साल 25.6 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, जिसके 2029 तक बढ़कर 1.04 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, इस वृद्धि में महंगे होम लोन बड़ी बाधा बन सकते हैं। एक मकान खरीदार धारणा सर्वेक्षण सर्वे में शामिल करीब 90 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि होम लोन के 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदने पर उनको विचार करना पड़ सकता है। सर्वे में कहा गया है कि 71 फीसदी से अधिक लोग मानते हैं कि अगर ब्याज दर 8.5 फीसदी से कम रहती हैं, तो खरीदारी का फैसला प्रभावित नहीं होगा।54 फीसदी ने कहा कि ब्याज दर 8.5 फीसदी से 9 फीसदी के बीच होने पर उन्हें अपनी पसंद पर विचार करना पड़ेगा। करीब 98 फीसदी मकान खरीदारों की प्राथमिकता समय पर परियोजनाओं का पूरा होना है। 93 फीसदी लोग बेहतर निर्माण गुणवत्ता चाहते हैं, जबकि 72 फीसदी उत्तरदाता अच्छे हवादार मकान खरीदना चाहते हैं।59 फीसदी से अधिक लोगों के लिए रियल एस्टेट निवेश का पसंदीदा क्षेत्र है। 67 फीसदी से अधिक लोग खुद के इस्तेमाल के लिए मकान खरीदना चाहते हैं। 35 फीसदी से अधिक खरीदारों के लिए 45-90 लाख का बजट पसंदीदा विकल्प है। 28 फीसदी 1.5 करोड़ तक के मकान खरीदना चाहते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लगातार जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव में शनिवार को कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट,10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर पर

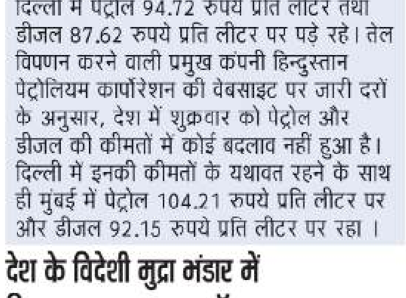

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा। यह हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी गिरावट है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.54 अरब डॉलर घटकर 602.10 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 9.8 करोड़ डॉलर घटकर 65.66 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.34 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 2 करोड़ डॉलर घटकर 4.33 अरब डॉलर रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शौर्य चक्र विजेता...

संदीप के खालिस्तान आतंकवादी लखबीर सिंह रोडे और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ भी संबंध हैं। संदीप सिंह सिद्धू ने ही शौर्य चक्र विजेता बलविंदर सिंह संधू की हत्या की थी। तबसे वह फरार है। बलविंदर सिंह संधू ने खालिस्तान जनमत संग्रह का खुलकर विरोध किया था। उनकी अक्टूबर 2020 में हत्या कर दी की गई थी।

भारत ने कनाडा को सारी जानकारियां देते हुए कहा है कि संदीप सिंह संधू फिलहाल सीबीएसए में कार्यरत है और हाल में उसे सुपरिटेंडेंट पद पर तरक्की भी दी गई है। भारत ने संदीप के शीघ्र प्रत्यर्पण की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पिछले एक दशक या उससे अधिक समय में भारत ने कम से कम 26 प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध किया लेकिन कनाडा सरकार ने अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

उल्लेखनीय है कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाड़ा द्वारा लगाए गए इल्जामों के कारण भारत के साथ उनकी खींचतान जारी है। कुछ दिन पहले पीएम त्रूदो ने भारतीय राजनयिकों पर आरोप लगाया था कि वो लोग भारत को खालिस्तानियों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। हालांकि भारत ने इस आरोप को खारिज कर दिया था और बाद में सामने आया था कि कनाडा ने जो आरोप लगाए उसके उनके पास कोई पुख्ता सबूत भी नहीं है।

उधर, कनाडा में बैठ कर भारत तोड़ने की साजिश रचने वाले खालिस्तानी आतंकी जस्टिन त्रूदो की जय-जयकार कर रहे हैं। खालिस्तानियों ने 18 अक्टूबर को भारतीय तिरंगे का अपमान किया और उसका वीडियो भी जारी किया। खालिस्तानी आतंकियों ने यह प्रदर्शन टोरंटो में किया। इस प्रदर्शन में मौजूद खालिस्तानियों ने पीएम मोदी का पुतला जलाया और नारे लगाए। टोरंटो में खास्लितानियों ने भारतीय झंडे के साथ ही रूस के झंडे का भी अपमान किया। उन्होंने यहां खालिस्तान जिंदाबाद वाला राग दोहराया और जस्टिन त्रूदो की शान में कसीदे पढ़े। इस दौरान खालिस्तानी आतंकी निज्जर और भिंडरावाले के पोस्टर भी लहराए गए।कनाडा में खालिस्तानी भारत के खिलाफ यह जहर त्रूदो की शह पर उगल रहे हैं। त्रूदो ने हाल ही में खालिस्तानियों के भारत तोड़ने के अभियान को बोलने की आजादी करार दिया था। इसके बाद इनकी हिम्मत और भी बढ़ गई है। त्रूदो भी महज कुछ वोटों के लिए कनाडा को गर्त में धकेल रहे हैं।

कनाडा की पूर्व एनएसए...

यह एक ही गुरुद्वारे में हुई दूसरी हाई प्रोफाइल हत्या थी। इसी गुरुद्वारे में ठीक एक साल पहले रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या हुई थी। पुलिस और खुफिया जांच में कहा गया था कि निज्जर की हत्या, मलिक की हत्या का जवाब थी। जोडी थॉमस ने कहा, खालिस्तानी प्रभाव वाले सिख समुदाय के लोग कनाडा पुलिस की इस जांच नतीजे से संतुष्ट नहीं थे। वह इस मामले में अपनी अलग-अलग आशंका जता रहे थे।भारत ने कनाडा से उसके आरोपों पर लगातार सबूत मांगे, लेकिन कनाडा कोई सबूत नहीं पेश कर पाया। इसको लेकर भी जोडी थॉमस ने कहा, हम इस मामले में भारत को अपने साथ लाना चाहते थे। हम इसमें ऐसा सबूत भी रखना चाहते थे जो अमेरिका ने पन्नू मामले में रखा है। लेकिन यह कठिन था क्योंकि हमने जांच में ऐसा कोई भी ठोस सुराग नहीं पाया। जोडी थॉमस के इस खुलासे के बाद भारत के उन दावों को और मजबूती मिली है कि वह निज्जर की हत्या में शामिल नहीं था और इस संबंध में कनाडा के पास कोई सबूत नहीं है।

गौरतलब है कि इससे पहले त्रूदो भी इसी कमेटी के सामने पेश हुए थे और उन्होंने भारत के दावे को मजबूत किया था। इसके बाद भारत ने कहा था कि कनाडा और भारत के रिश्तों को खराब करने के जिम्मेदार अकेले त्रूदो होंगे। त्रूदो के दावे पर कनाडा के भीतर भी सवाल उठे हैं। कनाडा के बड़े नेता मैक्सिम बर्नियर ने त्रूदो पर इस मामले के बहाने दूसरे विवादों पर पर्दा डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि इस हत्या के मामले में कोई भी सबूत नहीं पेश किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि हरदीप सिंह निज्जर कोई कनाडाई नहीं था। बर्नियर ने कहा, एक मिथक को दूर किया जाना चाहिए कि हरदीप सिंह निज्जर एक कनाडाई था। वह असल में एक विदेशी आतंकवादी था, जिसने 1997 से कई बार कनाडा में शरण लेने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था। उसके दावों को खारिज कर दिया गया लेकिन फिर भी उसे इस देश में रहने की अनुमति दी गई और किसी तरह 2007 में उसे नागरिकता दे दी गई। जस्टिन त्रूदो के दावों पर कनाडा लगातार फंसता जा रहा है। कनाडा की स्थिति इस मामले में काफी कमजोर है और भारत झूठे आरोपों को कतई बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। भारत ने कनाडा के 6 राजनयिकों को निकाल दिया है और अपने भी राजनयिक वापस बुला लिए हैं।

विमानों को ...

देश भर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बढ़ोत्तरी शनिवार के दिन देखी गई है। सिर्फ शनिवार को 30 से ज्यादा विमानों में बम की धमकी मिली है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय एयरलाइनों को बम की झूठी धमकी देने की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने की योजना बना रहा है, जिसमें ऐसा करने वालों को नो-फ्लाई सूची में डालना भी शामिल है। लेकिन इन चेतावनियों से धमकी देने वाली खबरों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है।, क्योंकि धमकी देने वाले तत्व हवाई जहाज से यात्रा नहीं करते और जो यात्रा करते हैं, वे भी इस जेहादी बदमाशी में शामिल हैं।

अकेले शनिवार को विस्तारा, एयर इंडिया और इंडिगो समेत कई भारतीय एयरलाइनों की 30 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एयर और एलायंस एयर के विमानों को धमकियां मिली हैं। इस हफ्ते अब तक भारतीय एयरलाइनों की कम से कम 70 फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है और उनमें से अधिकांश फर्जी साबित हुईं।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत घरेलू एयरलाइनों की तरफ से संचालित 30 से अधिक उड़ानों को शनिवार सुबह से बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें से एक विमान के शौचालय में एक नोट मिला जिसमें लिखा था कि इस विमान में बम है। शनिवार को विस्तारा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उसकी पांच विमानों को सोशल मीडिया के माध्यम से सुरक्षा संबंधी धमकियां मिलीं, जबकि इंडिगो ने कहा कि उसकी कम से कम चार उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले हैं। बता दें कि विस्तारा की पांच विमानें यूके106 (सिंगापुर से मुंबई), यूके027 (मुंबई से फ्रैंकफर्ट), यूके107 (मुंबई से सिंगापुर), यूके121 (दिल्ली से बैंकॉक) और यूके131 (मुंबई से कोलंबो) हैं।

विस्तारा एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया और अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के मार्गदर्शन के अनुसार सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। इसके अलावा, उदयपुर से मुंबई जाने वाली विस्तारा की फ्लाइट यूके 624 के बारे में सूचना थी और उतरने के बाद विमान को अनिवार्य जांच के लिए एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि विमान के शौचालय में एक नोट मिला था जिसमें कहा गया था कि विमान में बम है। इंडिगो ने खतरों के संबंध में कम से कम चार फ्लाइट्स के लिए बयान जारी किए। जिसमें 6ई17 (मुंबई से इस्तांबुल), 6ई11 (दिल्ली से इस्तांबुल), 6ई184 (जोधपुर से दिल्ली) और 6ई108 (हैदराबाद से चंडीगढ़) हैं। इस मामले में एयरलाइन ने कहा कि वह मुंबई और दिल्ली से इस्तांबुल की उड़ानों से जुड़ी स्थिति से अवगत है।जोधपुर से दिल्ली की उड़ान के बारे में, कंपनी ने कहा कि विमान राष्ट्रीय राजधानी में उतरा और सभी यात्री विमान से उतर गए हैं। हैदराबाद से चंडीगढ़ की उड़ान के बारे में, इंडिगो ने कहा कि उतरने पर, विमान को अलग कर दिया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार दिया गया। चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर हवाई अड्डे के अधिकारियों की तरफ से आइसोलेशन बे में विमान की पूरी तरह से जांच की जा रही थी।

देश में विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां लगातार मिल रही हैं। पिछले 5 दिन में 70 विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। त्यौहारों का वक्त है। लोग अपने घरों तक पहुंचने के लिए फ्लाइट ले रहे हैं, लेकिन ऐसी धमकियों ने देश में डर का माहौल बना दिया है। पिछले कुछ महीनों से ऐसी धमकियों का सिलसिला जारी है। इससे पहले अस्पतालों और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। लोग अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं, लेकिन मोदी सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही, जिससे धमकियों का सिलसिला रुक सके। फ्लाइटों को मिल रही बम की धमकियों के कारण एयरलाइन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उड़ानों को रोकने और चेकिंग की प्रक्रिया के कारण एयरलाइंस करोड़ों रुपए का नुकसान झेल रही हैं। पिछले 7 दिनों में 80 से अधिक उड़ानों को बम धमकियां मिली हैं, लेकिन धमकी देने वाले अब तक पकड़े नहीं जा सके हैं।

विमानों में लगातार बम की धमकियों की घटनाओं से सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से सतर्क हो गई हैं। हवाई अड्डों पर विशेष सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। सुरक्षा एजेंसियां सभी उड़ानों की पूरी जांच-पड़ताल कर रही हैं और यात्रियों से धैर्य बनाए रखने की अपील की गई है। फ्लाइट्स में लगातार मिल रही बम धमकियों ने विमानन क्षेत्र में हड़कंप मचा रखा है। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं, लेकिन धमकियों का असर एयरलाइन कंपनियों पर भी पड़ रहा है, जिससे उन्हें करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है। इस घटनाक्रम में शामिल संदिग्धों की तलाश जारी है और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ...

त्रुटि के लिए न्यायालय की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन परिणामों के नजरिए से इसकी भूमिका या इसके काम को नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के न्याय तक पहुंच पिछले 75 वर्षों में काफी विकसित हुई है और ये कुछ ऐसा है जिसे हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जब समाज समृद्ध और संपन्न होता है, तो ऐसी धारणा होती है कि आपको केवल बड़ी-बड़ी चीजों पर ध्यान देना चाहिए। हमारा न्यायालय ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा न्यायालय जनता का न्यायालय है और मुझे लगता है कि जनता के न्यायालय के रूप में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

सीजेआई ने कहा कि मुझे लगता है, विशेष रूप से आज के समय में, हर किसी के बीच यह बड़ा विभाजन है, जिसमें परिणामों के आधार पर आपको परखा जाता है, जब आप लोगों के पक्ष में निर्णय लेते हैं तो सर्वोच्च न्यायालय को अद्भुत संस्था बताया जाता है, और जब आप उनके खिलाफ निर्णय लेते हैं तो संस्था को अपमानित किया जाता है। सीजेआई के अनुसार, मुझे लगता है कि यह एक खतरनाक बात है। न्यायाधीशों को मामलों के आधार पर स्वतंत्रता की भावना के साथ निर्णय लेने का अधिकार है।

जम्मू कश्मीर को...

उम्मीदों को ज्यादा बल मिला है।

ध्यान देने वाली बात यह भी है कि उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट मीटिंग में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने से जुड़ा प्रस्ताव लाया गया था लेकिन अनुच्छेद 370 और 35 ए का कोई जिक्र नहीं हुआ था। केंद्रशासित प्रदेश के प्रस्ताव को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने तो मुहर लगा दी है। इस मुद्दे को लेकर डिप्टी सीएम सुरेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि केंद्र को अपना वादा पूरा करना चाहिए और राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए, यह हमारा अधिकार है। हम वही मांग रहे हैं जो उन्होंने पहले ही वादा किया था। उन्होंने यह भी कहा है कि उमर अब्दुल्ला 2 दिन में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा चुनाव के दौरान भी कहा था कि सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट मीटिंग में जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूर किया जाएगा, और कुछ वैसा ही सीएम ने पहली कैबिनेट में किया भी।

उधर, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस पर मुस्लिम पार्टी होने का ठप्पा लगाने से इन्कार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने जम्मू से एक हिंदू उपमुख्यमंत्री बनाया है। उन्होंने उन आरोपों का भी खंडन किया कि एनसी कश्मीर की पार्टी है और केवल कश्मीरियों के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जम्मू और कश्मीर के सभी लोगों की सेवा करेगी।

मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार जम्मू में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमने उसी पार्टी से डिप्टी सीएम भी बनाया है। पिछले चुनावों में सभी ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस मुसलमानों की पार्टी है, कि यह कश्मीरियों का संगठन है, और जम्मू का कोई स्थान नहीं है। लेकिन हमने एक ऐसे डिप्टी सीएम को बनाया जो जम्मू से है और हिंदू है। अब वे लोग क्या कहेंगे? उमर ने कहा कि चुनाव के नतीजे आते ही हमारे कुछ शुभचिंतकों ने यह अफवाह फैलाना शुरू कर दिया कि जम्मू को अब नजरअंदाज कर दिया जाएगा, क्योंकि उन्होंने एनसी या कांग्रेस के उम्मीदवारों को नहीं चुना। मैंने पहले दिन से ही कहा था कि यह सरकार सबके लिए होगी। अगर हम सेवा करेंगे, तो हम जम्मू -कश्मीर के सभी लोगों की सेवा करेंगे।एनसी-कांग्रेस गठबंधन ने 10 साल के अंतराल के बाद और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की। जेकेएनसी ने 42 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस छह सीटें जीतने में सफल रही। भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 सीटें जीतीं, जो सभी जम्मू क्षेत्र में थीं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने तीन सीटें जीतीं और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, सीपीआई-एम और आप ने एक-एक सीट जीती। सात सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीतीं। उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। नौशेरा विधानसभा सीट से जीतने वाले सुरिंदर कुमार चौधरी ने उनके डिप्टी के रूप में शपथ ली।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 8-10 सालों में इस पार्टी को कमजोर करने की नहीं बल्कि इसे पूरी तरह से नष्ट करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाफ हर संभव तरीका अपनाया गया। हमारे साथियों को डराया-धमकाया गया, कुछ को लालच दिया गया, लेकिन पार्टी के नेता अडिग रहे और इन साजिशों को कामयाब नहीं होने दिया। सभी ने साबित कर दिया है कि यह संगठन नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं का नहीं, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं का है।

महाराष्ट्र में 260...

संभव माना जा रहा है।दूसरी तरफ महा विकास अघाड़ी की भी 260 सीटों पर ही सहमति बन चुकी है। वहां भी कुछ ही दिनों में सीट शेयरिंग को लेकर ऐलान होने वाला है। सिर्फ कुछ सीटें बची हैं जिन पर पेंच फंस रहा है, बाकी सभी सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट मानी जा रही है। खबर यह भी है कि उद्धव गुट और कांग्रेस के बीच में ज्यादा तकरार देखने को मिल रही है, ऐसी सीटें सामने आई हैं जहां पर दोनों ही दल दावा ठोक रहे हैं। इसी वजह से तल्ख अंदाज में संजय राउत कह चुके हैं कि बात अब सीधे कांग्रेस आलाकमान से करनी पड़ेगी क्योंकि स्थानीय नेता इतने सक्षम दिखाई नहीं दे रहे। दूसरी तरफ कांग्रेस भी अब हाईकमान के फैसले का इंतजार कर रही है। इस समय सारी लड़ाई दक्षिण नागपुर, श्रीगोंदा, परोला, हिंगोली, मृगतृष्णा, शिरडी, रामटेक, सिंदखेड के राजा, दर्यापुर, गोरे, उदगीर, आप सर, कोलाबा, बाइकाल, वर्सोवा।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज घोषणा की कि कांग्रेस और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा 81 विधानसभा क्षेत्रों में से 70 पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। इसके अलावा बाकी बची हुई सीटों पर राष्ट्रीय जनता दल, सीपीएम माले और उनके सहयोगी चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, कौन किस सीट से चुनाव लड़ेगा यह तय नहीं किया गया है।

झारखंड के सीएम सोरेन ने बताया कि अभी अलायंस में शामिल सहयोगी पार्टियों के नेताओं के साथ बातचीत चल रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आरजेडी और सीपीआईएल से बातचीत से यह भी साफ हो जाएगा कि कांग्रेस और जेएमएम किन-किन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सीएम सोरेन ने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर की मौजूदगी में सीट शेयरिंग की घोषणा की है।

झारखंड विधानसभा में सीट शेयरिंग के फॉर्मूले से आरजेडी काफी निराश नाराज नजर आ रही है। आरजेडी के सांसद मनोज झा ने मीडिया से बातचीत में कहा, हम आपके सामने एक खास वजह से आए हैं। आप देख सकते हैं कि हमारा पूरा नेतृत्व हमारे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी के आग्रह पर यहां आया है। आज सुबह हमारी एक बैठक हुई थी और उस बैठक में यह तय हुआ कि वोटों की ताकत और जनाधार आरजेडी के पक्ष में है। उदाहरण के लिए, मैं आपको बता दूं कि पिछली बार हम 7 सीटों पर लड़े थे क्योंकि लालू यादव का दिल बड़ा था, उनका लक्ष्य भाजपा को बाहर करना था और आज भी लक्ष्य वही है, हम 5 सीटों पर दूसरे नंबर पर रहे।

मनोज झा ने कहा कि हमारे गठबंधन के बाकी साथी शायद इतनी सीटों पर प्रतिशत के हिसाब से दूसरे नंबर पर नहीं रहे होंगे। एकतरफा फैसला लिया गया। अलग-अलग जिलों में हमारी मौजूदगी बहुत मजबूत है, हम अपने गठबंधन के साथियों से आग्रह करेंगे कि वे उसी हिसाब से फैसला लें। हमारे प्रभारी यहां हैं, हमारे प्रदेश अध्यक्ष यहां हैं और कल से हमारे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी भी खुद यहां हैं। सबके होने के बावजूद अगर आपने गठबंधन की प्रक्रिया में हमें शामिल नहीं किया, तो यह दुख की बात है। आज जो बैठक हुई, उसमें हमने 15 से 18 ऐसी सीटों की पहचान की है विभिन्न जिलों में हम अकेले भी भाजपा को हराने में सक्षम हैं।

पिछले चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा या जेएमएम ने 43 सीटों पर चुनाव लड़ा था जबकि कांग्रेस ने 31 सीटों पर चुनाव लड़ा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार कांग्रेस को 27 से 28 सीटें मिलने की संभावना है। जेएमएम को अपनी सीटों में बढ़त की उम्मीद है। ऐसा माना जा रहा है कि हेमंत सोरेन झारखंड में एक अहम चेहरा हैं और उनके नाम पर महागठबंधन को वोट मिलेंगे।

डीजीपी अनुराग...

काफी शिकायतें मिली थीं। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को होंगे। पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

2019 के आम चुनाव के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने उन पक्षपातपूर्ण आचरण का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्हें झारखंड के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (विशेष शाखा) के रूप में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया था। उस समय उन्हें दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर के कार्यालय में तैनात किया गया था। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक उनके झारखंड लौटने पर रोक लगा दी गई थी। इससे पहले भी 2016 के राज्यसभा उपचुनाव के दौरान गुप्ता पर पद के दुरुपयोग के आरोप लगे थे। वे तब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर थे। उस समय आयोग ने उनके खिलाफ एक जांच समिति गठित की थी। जिसके नतीजों के आधार पर विभागीय जांच के लिए उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी किया गया। इस मामले में जगन्नाथपुर थाने में उनके खिलाफ 2018 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद 2021 में झारखंड की झामुमो सरकार ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 (ए) के तहत उनके खिलाफ जांच की अनुमति दी।

राष्ट्रीय महिला ...

राजस्थान में भाजपा की सह-प्रभारी रह चुकी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। उनकी इस नियुक्ति से मतदाताओं में संदेश जा सकता है कि भाजपा महिलाओं को उचित सम्मान दे रही है और नेतृत्व करने का जिम्मा सौंप रही है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, रहाटकर इस पद पर तीन साल या 65 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो) के लिए नियुक्त किया गया है। वह आयोग की नौवीं अध्यक्ष होंगी। रहाटकर भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी रही हैं। महाराष्ट्र महिला आयोग में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सक्षमा (तेजाबी हमलों के पीड़ितों की मदद के लिए), प्रज्ज्वला (स्वयं सहायता समूहों को केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ने के लिए) और सुहिता (महिलाओं के लिए हेल्पलाइन सेवा) जैसी कल्याणकारी पहलों की शुरुआत की।

इसके अलावा, उन्होंने पॉक्सो अधिनियम, तीन तलाक विरोधी प्रकोष्ठ और मानव तस्करी विरोधी इकाइयों पर फोकस करके कामूनी सुधारों पर भी काम किया। रहाटकर ने डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू किए और महिलाओं के मुद्दों को समर्पित साद नामक प्रकाशन भी शुरू किया। महिला सशक्तिकरण में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। जिसमें राष्ट्रीय कानून पुरस्कार और राष्ट्रीय साहित्यिक परिषद से सावित्रीबाई फुले पुरस्कार शामिल हैं।

करोड़ों की...

ईडी अब तक पीएफआई के 26 सदस्यों और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके अलावा, फरवरी 2021 से मई 2024 के बीच 9 अभियोजन की शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। ईडी की इस कार्रवाई से साफ हो गया है कि केंद्र सरकार आतंकवादी संगठनों और उनके वित्तपोषण के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। इस मामले में अभी और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

पीएफआई के खिलाफ यह कार्रवाई भारत में आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ईडी की जांच से यह स्पष्ट हो चुका है कि संगठन ने विदेशी नेटवर्क का इस्तेमाल कर भारत में कट्टरपंथी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची थी। इस कार्रवाई से यह संकेत मिलता है कि सरकार आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को बंद करने के लिए सख्त कदम उठा रही है।

प्रवर्तन निदेशालय ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफि इंडिया के खौफनाक इरादों को खुलासा किया है। पीएफआई समाज में घुसपैठ के जरिये आतंकी फंडिंग, हथियारों का प्रशिक्षण और देश-विदेश में हिंसा भड़काने में लगी हुई थी। इस्लामिक संगठन पीएफआई हिंसा की आग में भारत को झोंकना चाहता था। इसकी गृहयुद्ध की भी साजिश थी। ईडी को जांच में पता चला है कि पीएफआई को विदेश से फंडिंग हो रही थी। खाड़ी देशों में उसका बड़ा नेटकर्क हैं और 13000 से ज्यादा लोग इसमें शामिल हैं। सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, कतर ओमान में इसके सक्रिय सदस्य हैं। इस प्रतिबंधित संगठन ने समितियां बनाई थीं, जो फंड जुटाने में लगी थीं। हवाला के माध्यम से भी फंड भेजा जा रहा था।

पीएफआई इस्लामिक आंदोलन खड़ा करने की कोशिश कर रहा था। अहिंसक हवाई हमले और गुरिल्ला हमले की भी साजिश थी। पीएफआई पर वर्ष 2022 में ताबड़तोड़ छापे पड़े थे। एनआईए, ईडी और स्थानीय पुलिस ने यह कार्रवाई की थी। उसी समय इसके गंदे इरादों का पर्दाफाश हुआ था। वर्ष 2022 में पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया गया था। पीएफआई भारत में जेहाद के जरिए अशांति फैलाना चाह रहा था। भारत को अस्थिर करने की उसकी मंशा थी। यह गृहयुद्ध की तैयारी में था। वर्ष 2020 में दिल्ली में हिंसा भड़काने का भी इस पर आरोप है। हाथरस में उसने सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2022 में पटना यात्रा के दौरान अशांति फैलाई और साजिश रची।

आज मंगल नीच राशि कर्क में करेंगे गोचर

मंगल शनि बनाएंगे षडाष्टक योग

ग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह 20 अक्तूबर को मिथुन राशि से कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। कर्क चंद्रमा की राशि है और यह मंगल देव की नीच राशि मानी जाती है। जबकि मकर राशि में ये उच्च के माने जाते हैं। मंगल ग्रह कर्क और सिंह राशि में अधिक शुभ फल देते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मंगल ग्रह जिन्हें मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी ग्रह माना गया है वह 20 अक्तूबर को कर्क राशि में गोचर करेंगे। 20 अक्टूबर को दोपहर 02:22 मिनट पर मंगल मिथुन राशि से निकल कर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। इसके बाद 7 दिसंबर को मंगल कर्क राशि में ही वक्री होंगे और वक्री गति से गोचर करते हुए 21 जनवरी 2025 की सुबह 10:05 मिनट पर फिर से मिथुन राशि प्रवेश कर जाएंगे। इस दौरान मंगल और शनि एक दूसरे से छठे आठवें भाव में होकर षडाष्टक योग बनाएंगे। ऐसे में मंगल शनि के योग से दुनिया के विभिन्न देशों में हिंसक घटनाओ के होने की आशंका है। दुनिया के कई देशों के बीच चल रहे युद्ध से हाल और बेहाल होंगे। मंगल ग्रह भूमि, जमीन-जायदाद, प्रापर्टी, युद्ध, सेना, रक्त और क्रोध के कारक ग्रह माने जाते हैं। जब भी मंगल ग्रह राशि परिवर्तन करते हैं तो इनका विशेष प्रभाव लोगों के जीवन पर पड़ता है। कर्क राशि में मंगल ग्रह का गोचर करने से कुछ राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने के संकेत हैं। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा और धन लाभ के मौके बनेंगे।

वैदिक ज्योतिष में भूमि पुत्र मंगल को अग्नि का कारक कहा गया है इसलिए चन्द्रमा की राशि कर्क में जाकर वो नीच के हो जाते हैं। चन्द्रमा जल का कारक है और अग्नि जल का कोई मेल नहीं है इसलिए मंगल पूर्ण बलहीन होकर अपना कोई भी शुभ प्रभाव यहां नहीं देते हैं। मंगल के लिए कर्क राशि नीच राशि कहलाती है इसलिए मंगल का यह गोचर बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

देश और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में गति आएगी। मंगल के कारण प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। मंगल की वजह से दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है।

ग्रहों के सेनापति हैं मंगल

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को सभी ग्रहों का सेनापति होने का दर्जा प्राप्त है। मंगल मेष राशि और वृश्चिक राशि के स्वामी माने गए हैं। विख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि मकर राशि में मंगल उच्च के हो जाते हैं वहीं कर्क राशि में मंगल को नीच का माना जाता है। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति से इनकी मित्रता है। बुध से मंगल की नहीं बनती है। जबकि शुक्र और शनि इनके सम संबंध हैं। मंगल देव पराक्रम, स्फूर्ति, साहस, आत्मविश्वास, धैर्य, देश प्रेम, बल, रक्त, महत्वकांक्षा एवं शस्त्र विद्या के अधिपति माने गए है। यहां आपको विशेष रूप से बताना चाहता हूं कि अग्नि तत्व होने से मंगल सभी प्राणियों को जीवन शक्ति देता है। यह प्रेरण, उत्साह एवं साहस का प्रेरक होता है।

शुभ-अशुभ प्रभाव

प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। मंगल-शनि षडाष्टक योग के कारण दुर्घटनाएं आगजनी आतंक और तनाव होने की संभावना। आंदोलन धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होगा। राजनीतिक आर-ोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का कर्क राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि–कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती है। नौकरी और व्यापार में तरक्की के योग बन रहे हैं। मान- सम्मान और पद- प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। मनमुटाव हो सकता है।

वृष राशि–मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। इस समय धैर्य से काम लें। कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। धन- लाभ होने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन राशि–किसी भी तरह के वाद- विवाद से दूर रहें। धन- हानि हो सकती है, इसलिए खर्च सोच-समझकर ही करें। लेन- देन के लिए समय शुभ नहीं है। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

कर्क राशि–तनाव का सामना करना पड़ सकता है। गुस्सा करने से नुकसान हो सकता है, इसलिए गुस्से पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

सिंह राशि–व्यापार से जुड़े लोगों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। धन- हानि हो सकती है। लेन- देन न करें। इस समय निवेश करने से नुकसान हो सकता है। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या राशि–आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। धन- खर्च न करें। निवेश सोच-समझकर ही करें। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना होगा।

तुला राशि–कार्यक्षेत्र में दबाव और तनाव रह सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ कुछ अनबन हो सकती है।

वृश्चिक राशि–शारीरिक और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु राशि–धनु राशि के जातकों को इस गोचर से सावधान रहने की आवश्यकता है। अधिक मेहनत करनी होगी। अधिक खर्चों से बचने का प्रयास करें। लेन- देन से दूर रहें। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

मकर राशि –जीवनसाथी के साथ मनमुटाव हो सकता है। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। खान- पान का विशेष ध्यान रखें नहीं तो स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ राशि– गुस्से पर नियंत्रण करने का प्रयास करें। अधिक खर्च करने से बचें। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधूर बनाए रखने के लिए जीवनसाथी के साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करें।

मीन राशि– संतान पक्ष की तरफ से कुछ समस्याएं हो सकती हैं। आर्थिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। खर्चा सोच- समझकर ही करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा।

घर की इस दिशा में लगाएं भगवान शिव का पसंदीदा पौधा, मां लक्ष्मी पैसों से भर देंगी घर

भगवान शिव को चढ़ाए जाने वाले बेलपत्र का पेड़ उन चुनिंदा पेड़-पौधों में है, जिन्हें हिंदू धर्म में सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है। वैसे तो गर्मियों में बेल फल का शरबत ठंडक पहुंचाता है और काफी फायदेमंद भी होता है। बेल का पेड़, जड़, फल और पत्तियों में कई औषधीय गुण होते हैं। बेलपत्र का पेड़ न केवल औषधीय और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह घर में सकारात्मकता और समृद्धि भी लाता है।

भगवान भोले का प्रिय

बेल को महादेव का प्रिय माना जाता है, पुराणों के अनुसार, शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने से भगवान शिव प्रशन्न होते हैं। भगवान शिव की पूजा बेलपत्र के बिना अधूरी मानी जाती है। यह माना जाता है कि जिस घर में बेलपत्र का वृक्ष होता है, वहां महादेव की विशेष कृपा बनी रहती है। इसके साथ ही, माता लक्ष्मी का वास भी होता है, जिससे धन-धान्य की कमी नहीं होती।

किस दिशा में लगाए बेलपत्र का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेलपत्र का पौधा हमेशा उत्तर या पश्चिम दिशा में लगाना चाहिए। इस दिशा में लगाने से कई समस्याओं का समाधान होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इससे घर में रहने वाले सदस्य तेज और ऊर्जावान बनते हैं। माना जाता है कि, बेलपत्र का पेड़ लगाने से बुरी शक्तियों का घर में प्रवेश नहीं होता।

यह तंत्र संबंधी बाधाओं को दूर करने में मदद करता है और परिवार के सदस्यों की सुरक्षा करता है। घर में बेलपत्र होने से चंद्र दोष से भी मुक्ति मिलती है, जिससे मानसिक शांति बनी रहती है।

दूसरे दिन भी चढ़ा सकते हैं बेलपत्र

बेलपत्र की तीन पत्तियों के डंठल को तोड़कर महादेव को अर्पित करने का विधान है। इसको लेकर दिलचस्प तथ्य यह है कि पत्ता कभी बासी नहीं होता।

यदि पूजा के लिए बेलपत्र की आवश्यकता हो, तो आप दूसरे के चढ़ाए हुए बेलपत्र को धोकर पुनः उपयोग कर सकते हैं, जिससे पूजा में कोई कमी नहीं आती।

बेलपत्र कब नहीं तोड़ना चाहिए

हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार, चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी और अमावस्या तिथि पर बेलपत्र नहीं तोड़ना चाहिए, साथ ही सोमवार को भी तोड़ने से बचें। बेलपत्र को टहनी सहित कभी नहीं तोड़ना चाहिए।

कब है अहोई अष्टमी? यहां जानिए पूजा विधि और महत्व

अहोई अष्टमी का व्रत संतान की लंबी आयु की कामना और तरक्की के लिए किया जाता है। यह व्रत कठिन व्रतों में से एक है, जिसे कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। यह व्रत तारे देखकर खोला जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं इसबार अहोई अष्टमी व्रत कब है, पूजा विधि और महत्व क्या है।

अहोई अष्टमी कब है –

पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि 24 अक्टूबर रात 1 बजकर 18 मिनट पर शुरू होगी और 25 अक्तूबर को देर सुबह 1 बजकर 58 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथि पड़ने के कारण 24 अक्टूबर 2024 गुरुवार को व्रत रखा जाएगा।

अहोई अष्टमी व्रत महत्व – अहोई अष्टमी का व्रत अपने बच्चों की खुशहाली और लंबी उम्र के लिए महिलाएं रखती हैं। साथ ही जो नि:संतान हैं वो संतान प्राप्ति के लिए उपवास करती हैं।

अहोई अष्टमी पूजा विधि

– इस उपवास में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है।

–इस दिन दूध भात का भोग लगाएं।

–वहीं, शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे दिया जलाएं।

–आप अहोई अष्टमी के दिन देवी पार्वती को सिंदूर चढ़ाएं। इससे आपके वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी।

–अगर आप संतान की प्राप्ति चाहते हैं तो इस दिन चांदी के 9 मोतियों को लाल धागे में पिरो लीजिए और फिर माता अहोई को को अर्पित करिए।

– इसके अलावा अहोई अष्टमी पर देवी पार्वती को सभी श्रृंगार के सामान चढ़ाएं। मान्यता है ऐसा करने से संतान के जीवन में सुख शांति बनी रहती है।

करवा चौथ पर सरगी क्यों खाते हैं इस बार कितने बजे खाई जाएगी

करवाचौथ विवाहित स्त्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पर्व महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए मनाती हैं। इस दिन स्त्रियां निर्जला उपवास रखती हैं और रात को चांद के दर्शन करने बाद अपने पति के हाथों पानी पीकर व्रत खोलती हैं। आपको बता दें कि करवाचौथ का उपवास सरगी खाने के बाद शुरू होता है, जिसे सास अपनी बहु के लिए तैयार करती है। इसमें, फल, पानी, मेवे और मिठाई आदि चीजें शामिल होती हैं। इस साल सरगी खाने का शुभ मुहूर्त और महत्व क्या है आगे आर्टिकल में जानते हैं।

करवा चौथ पर सरगी खाने का शुभ मुहूर्त –

इस साल करवा चौथ के दिन सरगी खाने का शुभ मुहूर्त सुबह 3 : 30 मिनट से लेकर 4 :30 मिनट तक रहेगा।

सरगी खाने का महत्व –

दरअसल, सरगी इसलिए खाई जाती है ताकि आप दिनभर के उपवास के लिए आपका शरीर तैयार रहे। इसलिए सरगी में उच्च फाइबर और प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ शामिल किए जाते हैं, जिससे आप पूरा दिन ऊर्जावान बनी रहें।

करवा चौथ शुभ मुहूर्त –

इस साल करवाचौथ का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर दिन रविवार की सुबह 6 : 46 मिनट से शुरू होगा और 21 अक्टूबर की सुबह 4:16 मिनट पर समाप्त होगा। वहीं, करवा चौथ की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 05:46 से 07:02 तक रहेगा।

चांद निकलने का समय–

करवा चौथ पर चांद निकलने का समय शाम 7 : 54 मिनट का है। लेकिन, अलग-अलग शहरों में चंद्रोदय की टाइमिंग में कुछ मिनटों का अंतर हो सकता है।

कब है कार्तिक माह का पहला प्रदोष व्रत जानिए व्रत की तिथि,पूजा का मुहूर्त

हर माह की त्रयोदशी तिथि देवों के देव महादेव की पूजा के लिए समर्पित होती है। त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है और संध्या के समय विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। मान्यता है कि भगवान शिव प्रदोष व्रत रखने वाले अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी कर देते हैं। प्रदोष व्रत का महत्व और फल दिन के अनुसार होता है। 18 अक्टूबर से कार्तिक माह शुरू हो गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कार्तिक माह में पहला प्रदोष व्रत कब और किस दिन है और इस दिन कौन से योग बनने रहे हैं।

कार्तिक माह में पहला प्रदोष व्रत

कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 29 अक्टूबर को सुबह के समय 10 बजकर 31 मिनट से शुरू हो रही है और 30 अक्टूबर को दोपहर 1 बजकर 15 मिनट पर समाप्त होगी। कार्तिक माह में पहला प्रदोष व्रत 29 अक्टूबर मंगलवार को रखा जाएगा।

मंगलवार के दिन आने के कारण यह भौम प्रदोष व्रत होगा। भौम प्रदोष व्रत करने से धन संपत्ति से संबधित परेशानियां दूर होती हैं।

पूजा का मुहूर्त

29 अक्टूबर को प्रदोष काल में 5 बजकर 38 मिनट से 8 बजकर 13 मिनट तक भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का शुभ मुहूर्त है।

बन रहे हैं ये शुभ योग

कार्तिक माह के पहले प्रदोष व्रत पर दुर्लभ शिववास योग का निर्माण हो रहा है। 29 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 31 मिनट तक महादेव अपने प्रिय वाहन नंदी पर सवार रहेंगे। इस शुभ समय पर महादेव की पूजा व अभिषेक से सभी काम में सफलता प्राप्त करने का संयोग प्रबल हो सकता है। इसके साथ ही इस दिन इंद्र योग, तैतिल और गर के साथ करण योग का भी निर्माण होने वाला है। इन सभी योगों के कारण प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा फलदाई होगी।

29 अक्टूबर का पंचांग

सूर्य के उदय होने का समय सुबह 6 बजकर 31 मिनट

सूर्य के अस्त होने का समय शाम 5 बजकर 38 मिनट

चंद्रोदय का समय सुबह 4 बजकर 27 मिनट (30 अक्टूबर)

चंद्रास्त का समय शाम 3 बजकर 57 मिनट

ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 48 मिनट से 5 बजकर 40 मिनट

गोधुलि मुहूर्त शाम 5 बजकर 38 मिनट से 6 बजकर 4 मिनट

निशिता मुहूर्त रात को 11 बजकर 39 मिनट से 12 बजकर 31 मिनट

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

बिग बॉस 17 फेम सना ने नहीं मानी चुनौतियों से हार

बताया कैसे किया सामना

बिग बॉस 17 से सुर्खियों में आई सना रईस खान ने हाल ही में अपना एक अनुभव साझा किया। अपने पेशे की चुनौतियों से डट कर मुकाबला करने की कहानी बताई। ये भी बताया कि कैसे वो अपने वकालत के पेशे और जिंदगी में सामंजस्य बनाकर आगे बढ़ती हैं।सना की मानें तो जिंदगी और प्रोफेशन को लेकर विचार स्पष्ट है।कहती है मैं काम को उसकी अहमियत और जरूरत के हिसाब से प्राथमिकता देती हूं।नामी वकील टीम वर्क पर भरोसा करती हैं। यही वजह है कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों को मैनेज करने के लिए अपनी टीम बना रखी है। उन्होंने बताया कि टीम की वजह से ही उन्हें अपने काम पर फोकस करने में मदद मिलती है।रियलिटी शो स्टार ने आगे कहा मैं पहले एक वकील थी, लेकिन बिग बॉस ने मुझे पूरे भारत में पहचान दिलाई और अब देश की आम जनता सनसनीखेज और हाई-प्रोफाइल मामलों को लेकर मेरे केस के बारे में जानती है। बिग बॉस 17 के बाद इंद्राणी नेटफ्लिक्स डॉक्यू सीरीज ने मुझे इंटरनेशनल पहचान दिलाई। यह देश का सबसे बड़ा मर्डर केस था जिसे सीरीज ने जाहिर किया।फिर सना रईस खान ने अपने प्रोफेशन में आने वाली अन्य मुसीबतों और चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। सना ने बताया कि मेरे पेशे में बहुत जोखिम है, जहां लोगों की जान दांव पर लगी होती है। मैं सोशल जस्टिस में विश्वास रखती हूं जानती हूं कि हरेक केस के साथ लोगों की जिंदगी और मौत जुड़ी होती है।सना ने फिर उन धमकियों का जिक्र किया जिसने उन्हें परेशान तो किया लेकिन डट कर मुकाबला करने का सबक भी दिया। उन्होंने बताया, हरियाणा एनकाउंटर केस में अपनी मुवक्किल दिव्या पाहुजा के लिए लड़ते समय मुझे जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। खैर मैंने उसे जमानत दिलाई लेकिन फिर उसकी हत्या कर दी गई। इस घटना की वजह से मैं काफी दिनों तक परेशान थी।बिग बॉसळ फेम स्टार ने बताया कि समय बीतने के साथ मुझे अहसास हुआ कि मैं अपने काम से समाज में किस तरह का प्रभाव डाल सकती हूं, क्योंकि अल्लाह ने मुझे इस पेशे में रखा है, जहां मैं लोगों की जान बचा सकती हूं और खुशी का कारण बन उन्हें दूसरा जीवन दे सकती हूं।सना रईस खान ने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया। कहा मुझे हमेशा से खेल का शौक रहा है और जल्द ही एक नए स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट की घोषणा होगी।

अमेरिकन एक्ट्रेस ओलिविया मुन्न के लिए ओरिगेमी से भी ज़्यादा मुश्किल है बेबी रैप

अभिनेत्री ओलिविया मुन्न को अभी भी पेरेंटिंग कला में पूरी तरह महारत हासिल नहीं है। 44 वर्षीय अमेरिकी अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसका मकसद फैलो मॉम से बेबी रैप का सही तरीके से उपयोग करने की सलाह लेना था, ताकि वह अपनी 3 हफ्ते की बेटी मेई को सीने से लगाकर घूम सकें। इस वीडियो में मुन्न अपनी बेटी के साथ किचन में खड़ी हैं। थोड़ी कंफ्यूज हैं और कह रही हैं, मुझे पता है कि मैं यह गलत कर रही हूं, इसलिए मैं ऐसे ही रहने दे रही हूं।मुन्न ने गुजरे वक्त को याद किया। उन्होंने अपने 2 साल के बेटे मैल्कम का जिक्र करते हुए कहा, मैं मैल्कम के समय से ही एक मॉम रैप बनाना चाहती थी, लेकिन मैं कभी नहीं समझ पाई। यह बहुत मुश्किल है। मुन्न ने इसके बाद करीने से समझाया है कि रैप होता क्या है? बोले, अगर आपको नहीं पता कि यह क्या है, तो यह एक बड़ा, लंबा कपड़ा होता है जिसे आप अपने चारों ओर लपेटते हैं और यह आपके बच्चे को आपसे चिपका कर रखता है। इस वजह से आपके हाथ खाली होते हैं और आप कोई दूसरा काम कर सकते हैं - लेकिन क्या करूं मैं तो अब तक इसे समझ नहीं पाई हूं।अभिनेत्री ने आगे कहा कि जो मां ऐसा कर सकती हैं, वे क्वीन हैं। इसके साथ ही उन्होंने माना कि वह अभी भी अपनी बेटी को सही तरीके से लपेटने के सबसे अच्छे ट्यूटोरियल की तलाश में हैं। बोलती हैं, यह बहुत मुश्किल है। यह ओरिगेमी से भी ज्यादा मुश्किल है। यह बहुत पागलपन भरा है। मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है। मैंने यूट्यूब, इंस्टाग्राम, टिकटॉक सब देखा है। और वहां कई मां आपको बताएंगी कि यह मुश्किल नहीं है, लेकिन यह है। यह बहुत कठिन है।इस पोस्ट पर मुन्न के कई प्रशंसकों और मांओं ने बेबी-वियरिंग रैप के इस्तेमाल का सही तरीका समझाया है।

एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा है, क्या आपके आस-पास कोई स्लिंग/रैप लाइब्रेरी है? दूसरे यूजर ने अपना अनुभव शेयर किया। कहा, मैं एक महिला के पास गई और उन्होंने मुझे अलग-अलग विकल्प समझाए। अगर आपको रैप से परे-शानी हो रही है, तो आप हमेशा कैरियर का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप नवजात के लिए उपयुक्त कैरियर पा सकते हैं और उनका इस्तेमाल करना बहुत आसान है। मैं एक बेबी स्टोर पर गया और उनसे इसे अपने ऊपर बांधने को कहा और फिर मैंने उनके सामने करीब पांच बार अभ्यास किया।

बॉडीकॉन आउटफिट में अनुष्का सेन दिखी बेहद हॉट

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी ज्यादा पॉपुलर हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी पहचान बना ली है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस दौरान उनका सेक्सी अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं।एक्ट्रेस अनुष्का सेन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत की थी और अब वो इंडस्ट्री का फेमस चेहरा बन चुकी हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक झलक पाने के लिए काफी ज्यादा बेताब रहते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इसमें उनका किलर लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने रेड कलर का आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं।बालों की चोटी बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरत तरीके से निखारा है।एक्ट्रेस भले ही इन दिनों किसी टीवी सीरियल में नहीं दिखाई दे रही हैं। लेकिन आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ के अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

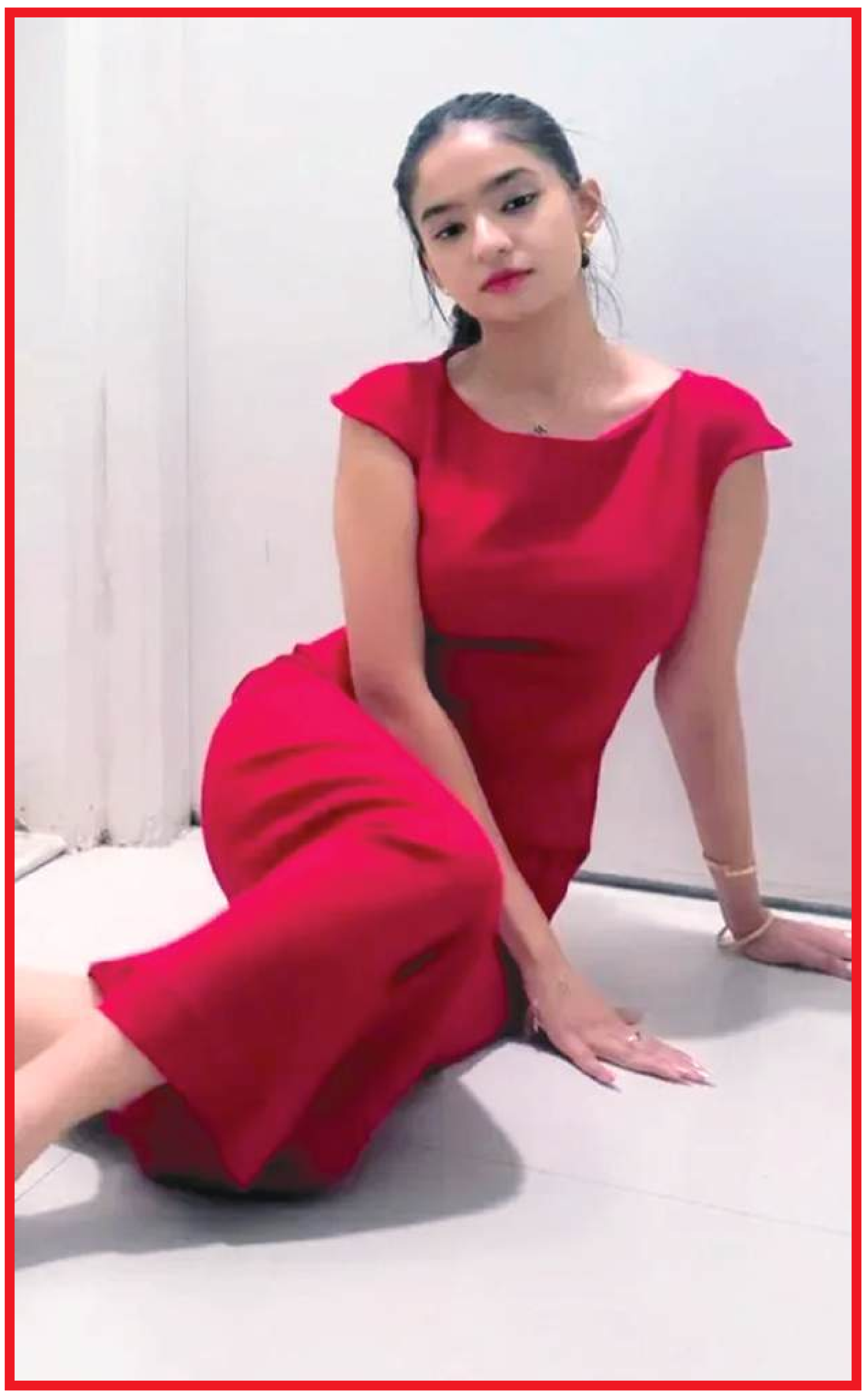

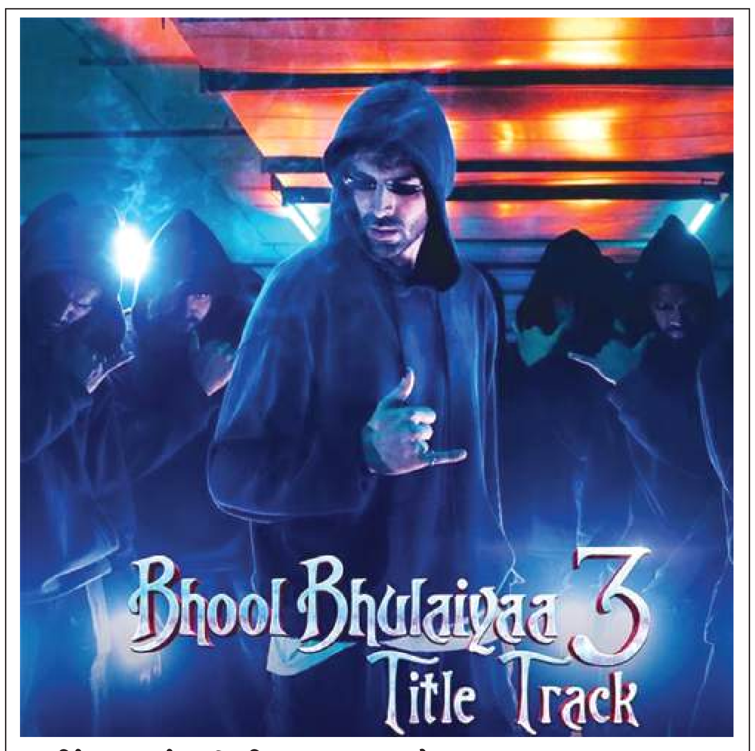

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 का मुख्य गाना जारी

पिछले लंबे समय से अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में कार्तिक की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है।इसके अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाती हुई नजर आएंगी।अब निर्माताओं ने भूल भुलैया 3 का मुख्य गाना जारी कर दिया है, जिसमें कार्तिक जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं।इस गाने को पिटबुल, नीरज श्रीधर और दिलजीत दोसांझ ने साथ मिलकर तैयार किया है।भूल भुलैया 3 इस साल दीवाली के खास मौके पर यानी 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन से होगा।भूल भुलैया 3 2007 में आई फिल्म भूल भुलैया की तीसरी किस्त है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अनीस बज्मी ने संभाली है।

कंगना रनौत की इमरजेंसी की रिलीज का रास्ता साफ, मिला सेंसर सर्टिफिकेट

कंगना रनौत की इमरजेंसी की रिलीज के बीच कई उतार चढ़ाव आए लेकिन अब फिल्म की मुश्किलें खत्म होती हुई दिख रही हैं। फाइनली इसे सेंसर बोर्ड ने इमरजेंसी को सर्टिफिकेट दे दिया है। कंगना ने हाल ही में अनाउंस किया कि वे जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगी। कंगना ने इतना प्यार और सपोर्ट दिखाने के लिए अपने फैंस का धन्यवाद किया।कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनकी फिल्म इमरजेंसी को सेंसर बोर्ड की तरफ से सर्टिफिकेट मिल गया है और वे जल्द ही रिलीज डेट अनाउंस करेंगी। उन्होंने एक्स पर लिखा- हमें यह अनाउंस करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी फिल्म इमरजेंसी को सेंसर सर्टिफिकेट मिल गया है। हम जल्दी ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगे। आपके प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद।सेंसर बोर्ड ने फिल्म में लगभग 13 कट्स और बदलाव करने को कहा था जिसके लिए मेकर्स राजी हो गए और फिल्म को यूए सर्टिफिकेट के साथ पास किया। हाल ही में खबर आई थी कि इमरजेंसी को पंजाब इलेक्शन के बाद रिलीज किया जा सकता है जो कि 14 नवंबर को होंगे। दरअसल इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही सिख कम्यूनिटी इसके विरोध में खड़ी है। इसीलिए इसकी रिलीज डेट 14 नवंबर के बाद रखी जा सकती है।बता दें इमरजेंसी को कंगना ने खुद ही डायरेक्ट किया है और इस फिल्म में उन्होंने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल प्ले किया है। फिल्म 1975 में देश में लगे आपातकाल के बारे में हैं। पहले इमरजेंसी 14 जून को रिलीज होने वाली थी लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते इसकी डेट 6 सितंबर को पोस्टपोन कर दी गई थी। जिसके बाद इसके खिलाफ विवाद खड़ा हो गया और फिल्म रिलीज नहीं हो पाई। लेकिन अब फिल्म से मुसीबत के बादल हट चुके हैं और इसे सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट दे दिया है।

सनी देओल के बर्थडे पर नई फिल्म का ऐलान

इस बार हैंडपंप नहीं पंखा लिए खूंखार लुक में आए नजर

सनी देओल अपना 67वां जन्मदिन आज यानी 19 अक्टूबर को मना रहे हैं। इस मौके पर जहां फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं तो वहीं गदर एक्टर ने भी फैंस को रिटर्न गिफ्ट दे दिया है। दरअसल, उन्होंने अपने बर्थडे के मौके पर अपकमिंग फिल्म जाट का पहला लुक फैंस को दिखाया है, जिसमें वह हैंडपंप नहीं बल्कि बड़ा सा पंखा हाथ में लिए गुस्से में नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को देखने के बाद फैंस भी रिएक्शन देते हुए खूब प्यार बरसा रहे हैं और फिल्म की पहली झलक देखने की बात कह रहे हैं।

गदर 2 की सफलता के बाद सनी देओल ने तेलुगू डायरेक्टर गोपीचंद मालिनेनी के साथ एक्शन ड्रामा के लिए हाथ मिलाया है, जो कि उनका पहला कोलॉब होने वाला है। इसी के चलते जाट के पहले पोस्टर में सनी देओल को यूनिफॉर्म में देखा जा सकता है। वहीं उनके चेहरे पर खूंखार और इंटेंस लुक देखने को मिल रहा है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए सनी देओल ने लिखा, बड़े पैमाने पर एक्शन के लिए राष्ट्रीय परमिट वाले व्यक्ति से मिलवा रहा हूं। सनी देओल जाट के रोल में। मास फीस्ट लोडिंग। इस नए पोस्टर में गदर एक्टर का नया अवतार देख फैंस भी काफी एक्साइटेड हो गए हैं। इसके अलावा डायरेक्टर गोपीचंद ने भी इसी पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा, हैप्पी बर्थडे एक्शन सुपरस्टार सनी देओल जी। आपके साथ काम करके सम्मान मिला। और आपको जाट के रुप में पेश करते हुए शुक्रिया इस लाइफटाइम मौके के लिए। बता दें कि खबरे हैं कि जाट 2025 में गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होगी, जिसके चलते अक्षय कुमार की स्काई फोर्स से फिल्म का क्लैश हो सकता है। हालांकि अभी ऑफिशियल घोषणा होना बाकी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता है। संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा। आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी जरूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आज का दिन बहुत ही संतुलित लें स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शिवलिंग पर कच्चे दूध से अभिषेक करें आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी। मित्रों का सहयोग भी मिलेगा किसी काम को लेकर काफी दिनों से जो हो रही परेशानी दूर होगी। पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान के किसी सदस्य के साथ मतभेद होने की संभावना है। बेहतर होगा कि तनाव न लें। धन लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कारोबार में लाभ होगा। देर रात घर के किसी सदस्य की एकाएक तबीयत बिगड़ सकती हैं सचेत रहना होगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप को अपनी सोच काफी सकारात्मक रखने की आवश्यकता हैं जिससे शुभ संकेत मिलेंगें। पुरानी समस्या का समाधान होगा। पैतृक मामलों में तेजी आएगी। आपके प्रेम जीवन में ऊर्जा का संचार होगा। आपका साथी काफी सकारात्मक रवैया अपना सकता है। नई जगह घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिल सकती है। युवाओं को काम को लेकर दिक्कत होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है। व्यर्थ के खर्चे को रोकने जरूरत हैं नहीं तो समस्याएं बढ़ते रहेंगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अगर नौकरी की तलाश में हैं तो घर से निकलते वक्त बच्चों को कुछ उपहार अथवा पैसे देकर निकले कार्य सिद्ध होगा। किसी भी तरह के मतभेद से दूर रहें। अगर आपको कोई दुःखद खबर मिले तो चिंतित होने की आवश्यकता नहीं हैं शाम होते होते स्थिति सुधर जाएगी। अपने रिश्ते में गलतफहमी पैदा न होने दें। दफ्तर में सहयोगियों की मदद मिलेगी। किसी भी नया काम को शुरू करने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूर लें। विरोधी पक्ष आज बेहद सक्रिय रहेगा। आपको नुकसान होने की आशंका है। बोलचाल के दौरान सतर्क रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कामकाज से समय मिलने पर परिवार के साथ घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप बच्चों के लिए दिन कामयाबी वाला होगा। आप फ्री महसूस करेंगे। कारोबार को लेकर नया प्लान कर सकते हैं। जोखिम वाले कार्य करते समय सावधान रहें। आपकी दिनचर्या में आज सुधार होगा। आप किसी के प्रति अपने मन में विद्वेष न रखें। सामाजिक रूप से आपकी सराहना होगी। नई जिम्मेदारी मिलेगी। शत्रु पक्ष पर आप हावी रहेंगे। धन लाभ होगा। किसी से विवाद न करें। गैरजरूरी कार्यों में खर्च करने से बचें। घर का खाना ही आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा चिकने भोजन से परहेज करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज परिवार की जिम्मेदारी को निभाने में ही समय व्यतीत होता हुआ नजर आ रहा हैं मित्रों का सहयोग जरूर लेते रहें। आपके कैरियर को नई दिशा मिलेगी। धनलाभ होगा। यात्रा करते करते समय सावधान रहें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना रहेगी। बोलते हुए सावधान रहें व किसी की आपके शब्दों से गलतफहमी हो सकती है। कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशी रहेगी। आज अगर कार्यस्थल पर अवकाश है तो दिन का लाभ उठाए और बच्चों के साथ घूमने का प्लान बनाएं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लक्ष्मी जी को कमल पुष्प अर्पित करें धनकोष में वृद्धि होगी परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे। रिश्तेदारों से मुलाकात कर सकते हैं परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएं। पुराने निवेश से अच्छा खासा लाभ होने की उम्मीद है। जो काम अपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। आपकी नवीनतम दीख रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। किसी काम को लेकर आप दिक्कत में आ सकते हैं। अपनी सामर्थ्य अनुसार कुछ दान के रूप में धन का सदुपयोग करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन ध्यान और आराधना से आरंभ करें जिससे शरीर के अंदर नया उत्साह देखने को मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। बुजुर्गों की स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आप अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। अपने आप को साबित करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करनी होगी। आप अपने कौशल से हर किसी को प्रभावित करेंगे। आप को सामाजिक कार्य करने मे रुचि बनेगी राजनीति क्षेत्र में पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह उठते ही कोई खबर आप को चिंता मे डाल सकती है, हो सकता हैं परिवार में किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब होवे। आज दिन पर थकान महसूस कर होगी। किसी को निजी बातें न बताए। अनजान लोगों से सावधान रहें। परिवार के साथ घूमने जाएंगे, बच्चों से बातचीत करें। सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आज किसी रिश्तेदार के यहां जाने का दिन हो सकता हैं नये लोगों से मुलाकात होगी आपको अपने मुंह से अपनी बढ़ाई नहीं करनी चाहिए

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ नया खरीदने का अवसर बन रहा हैं आप के सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी आप को बेहद खुशी होगी। आप अपनी अधिकांश जिम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगे। किसी नए काम को लेकर यात्रा कर सकते हैं। कारोबारियों को अपने काम को आगे बढ़ाने के मौके मिलेंगे। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए लोन ले सकते हैं। दफ्तर में किसी से विवाद हो सकता है। आपको शांत रहना होगा। सेहत ठीक रहेगी। बटुक ब्राह्मणों को दूध जलेबी का भोजन करवाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आज सच्चा हो तो एक सौ आठ बिल्वपत्र से शिव अर्चना करें धन लाभ होने की संभावना बनेगी। सेहत को लेकर बेफिक्री रहेंगे। जीवनसाथी की मदद मिलेगी। अपनी नौकरी और कैरियर के लिए अधिक प्रयास करेंगे। रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है। आज आप मानसिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे। यात्रा करते समय सतर्क रहें। आज नुकसान होने वाले निवेश से दूर रहें। धन की स्थिति सामान्य रहेगी। निवेश से जुड़े काम न करें। एक्सपर्ट से सलाहमशवरा जरूर करले।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भगवान नारायण का विधिवत पूजन करके दिन का आरंभ करें आज का दिन दिक्कतें का हो सकता है। किसी के झगड़े में जाने से बचें और शांत रहने का प्रयास करें। जीवनसाथी की बीमारी के चलते चिंतित रहेंगे। बच्चे खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने खर्चों की लिमिट तय करें। अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को महत्व देना होगा। संतान पक्ष से मनमुटाव हो सकता है। आवेश में आकर मर्यादा का उल्लंघन न करें।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 20 अक्टूबर 2024, रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 06:48 तक
नक्षत्र : कृत्तिका प्रातः 08:31 तक
योग : व्यतीपात दोपहर 02:10 तक
करण : विष्टि प्रातः 06:48 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:58 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:50 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 05:43 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : करक चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:15 (हैदराबाद), भद्रा प्रातः 06:48 तक

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

व्यावसायीकरण ने शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित किया है : धनखड़

शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग से सुनिश्चित होगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

सीकर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित होना बताते हुए शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योग जगत में आसीन लोगों से सेमिनार आयोजित कर युवाओं को जागरूक करने का आह्वान किया और कहा है कि आज युवाओं के बीच लगातार बढ़ते अवसरों को लेकर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है।

श्री धनखड़ शनिवार को यहां शोभासारिया शैक्षिक समूह के रजत जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के व्यावसायीकरण ने इसकी गुणवत्ता को प्रभावित किया है ऐसे में शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग से इसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा कभी भी आय का स्रोत नहीं था, यह त्याग और दान का एक माध्यम था, जिसका उद्देश्य समाज की मदद करना था लेकिन हम देखते हैं कि इसको फायदे के लिए बेचा जा रहा है। कुछ मामलों में तो यह जबरन वसूली का रूप ले रहा है। श्री धनखड़ ने कहा समय आ गया है कि हमें अपने टियर 2 और टियर 3 शहरों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, पारिस्थितिकी तंत्र और समग्र विकास के लिए छात्रों के लिए स्थानीय लाभ मौजूद है। उन्होंने कहा हमारा संकल्प होना चाहिए कि जब भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बने तो हम विश्व की महाज्ञान शक्ति बनें।

उन्होंने व्यापार, उद्योग, वाणिज्य और व्यवसाय जगत में लोगों से अपील करते हुए उन्हे संस्थानों के विकास में उदारतापूर्वक योगदान देने की बात कही। उन्होंने कहा शिक्षा में कोई भी निवेश हमारे भविष्य, हमारे आर्थिक उत्थान में, शांति और स्थिरता में निवेश है। श्री धनखड़ ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एक नई बीमारी और है – विदेश जाने की, विदेश में पढ़ाई करने की। बच्चा लालायित होकर जाना चाहता है, उसको नया सपना दिखता है, उसको लगता है कि वहां जाते ही स्वर्ग मिल जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह एक अंधाधुन्ध रास्ता है जिसमें देश का युवा विज्ञापनों से प्रभावित होकर फैसले ले लेता है। उन्होंने कहा कि उसका यह फैसला देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर एक गहरी चोट है।

उपराष्ट्रपति ने कहा आज के दिन टेक्नोलॉजी हमारे बीच आ गई है। हम इसका उतना उपयोग नहीं कर पा रहे हैं जितना होना चाहिए। हमारे अध्यापक और अध्यापिकाओं में यह प्रतिभा है किन्तु हम भौतिक बाधाओं से घिरे हुए हैं। हमें शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए जिससे हमारे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने भारत के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए कहा एक जमाना था हमारे भारत में तक्षशिला, नालंदा, मिथिला, वल्लभी, विक्रमशिला ऐसी अनेक संस्थाएं थी जो पूरे भारत में छाई हुई थी। दलाई लामा जी ने कहा कि जो भी बुद्ध का ज्ञान है वह सब नालंदा से निकला किन्तु बख्तियार खिलजी ने अपनी घनघोर कट्टरता के कारण नालंदा में स्थित शिक्षा के उस महान केंद्र को नष्ट कर दिया।

उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के तहत भारतीय संस्थानों को व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया गया किन्तु महापुरुष स्वामी विवेकानंद ने अपने प्रयासों से उसे पुनर्जीवित किया।

अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की अहम भूमिका को उल्लेखित करते हुए श्री धनखड़ ने कहा आज भारत का विश्व में बहुत महत्व है। आज, भारत की आवाज़ वैश्विक स्तर पर पहले से कहीं अधिक बुलंद है। ऐसी स्थिति में, हर व्यक्ति को यह धारणा और निष्ठा रखनी चाहिए कि हमें अपने राष्ट्र पर विश्वास करना है। हर परिस्थिति में, हमें राष्ट्र को पहले रखना चाहिए।

श्री धनखड़ ने कहा कि राजनीतिक, व्यक्तिगत या आर्थिक हितों को राष्ट्र के ऊपर नहीं रखना चाहिए तथा यह हमारा दायित्व है कि हम राष्ट्रविरोधी शक्तियों को निष्क्रिय करें।

सीएम सैनी ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से की मुलाकात

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को यहां केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से शिष्टाचार मुलाकात कर कई अहम विषयों पर चर्चा की। शपथ ग्रहण के पश्चात पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री सैनी ने श्री प्रधान से विभिन्न राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक विषयों पर चर्चा की और विचार–विमर्श किया। इस दौरान श्री सैनी ने केंद्रीय मंत्री को शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को पटका पहनाकर स्वागत किया।

गौरतलब है कि शपथ ग्रहण के पश्चात अपना पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री सैनी का नई दिल्ली में पहला दौरा है और इस दौरान उन्होंने विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की है। मुख्यमंत्री को नई दिल्ली के हरियाणा भवन में प्रदेश की जनता बधाइयां और शुभकामनाएं देने के लिये लगातार आ रही है।

नशा तस्करी में हनुमानगढ़ का भाजपा नेता गिरफ्तार

सिरसा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यूनिट सिरसा ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए ऐलनाबाद एरिया से बोलेरो गाड़ी में एक नशा तस्कर को 20 किलो 210 ग्राम डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। इस संबंध में थाना ऐलनाबाद में मादक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अभियोग अंकित किया गया है। बताया जा रहा है की नशा तस्करी में पकड़ा गया आरोपी विजय सिंह हनुमानगढ़ भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई का पदाधिकारी है। आरोपी को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए इन्चार्ज सिरसा यूनिट उप निरीक्षक तरसेम सिंह ने बताया कि एक पुलिस टीम सहायक उप निरीक्षक चानन राम के नेतृत्व में गावं निमला की फिरनी से होते हुए गाँव निमला जा रहे थे तो सामने से एक गाडी आती दिखाई दी जो पुलिस की गाडी की जलती बत्ती को देखकर गाडी चालक ने गाडी को वापिस मोडने की कोशिश की तो गाड़ी गली मे बाई साईड बने मकान की दीवार में टकराकर बंद हो गई।

तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गाड़ी चालक को गाडी वापिस मोडने का कारण पुछा तो कोई सन्तोष जनक जबाब नहीं दे सका। फिर मौके पर राजपत्रित अधिकारी को बुलाकर जब गाड़ी की तलाशी ली गयी तो गाड़ी में रखे एक कट्टे में भारी मात्रा मे डोडा पोस्त बरामद हुआ। जिसका कुल वजन 20 किलो 210 ग्राम हुआ। सब इंस्पेक्टर ने बताया की पकड़े गए आरोपी का नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम विजय सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह वासी चक–7 वार्ड नं.3 रणजीतपुरा थाना हनुमानगढ टाऊन जिला हनुमानगढ राजस्थान बताया। बताया जा रहा है कि आरोपी हनुमानगढ़ जिला भाजपा इकाई में पदाधिकारी है। श्री सिंह ने आगे बताया कि आरोपी को पूछताछ के बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भारत पाकिस्तान सीमा के निकट खेत में सेंसर, कैमरा युक्त ड्रोन बरामद

श्रीगंगानगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के सीमावर्ती हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक खेत में शुक्रवार को सेंसर और कैमरा युक्त पाकिस्तानी ड्रोन बरामद हुआ। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब ढाई किलोमीटर भारतीय क्षेत्र में दूलापुर केरी गांव में एक किसान दोपहर खेत में काम करने के लिए गया तो उसे ड्रोन पड़ा दिखाई दिया। उसकी सूचना पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), पुलिस और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही आसपास के पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया। आसपास के सभी खेतों को अच्छी तरह से देखा गया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी तस्करों ने इस ड्रोन को हेरोइन, हथियार अथवा नकली नोट की खेप के साथ दो तीन पहले रात में भारतीय क्षेत्र में भेजा है। ड्रोन किसी तकनीकी खराबी के चलते पाकिस्तानी तस्करों के नियंत्रण से बाहर हो गया जिससे वह भारतीय क्षेत्र में एक खेत में गिर गया। इसके साथ जो भी वस्तु बंधी थी उसे संभवतः भारतीय क्षेत्र के तस्कर उठा ले जाने में कामयाब हो गए।पुलिस के एक उच्च अधिकारी ने बताया कि बरामद ड्रोन डीजीआई कंपनी के मैविक–3 मॉडल का है। इस ड्रोन की क्षमता करीब 30 किलोमीटर उड़ान भरने की है।

भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में किए वादे पूरे होंगे : बड़ौली

चंडीगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने शनिवार को कहा कि भाजपा ने जो चुनावी घोषणापत्र जारी किया था, पार्टी की सरकार उसे पूरा करेगी।

श्री बड़ौली ने यहां जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जो वादे किए थे उन्हें भी पूरा करने का काम जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि श्री सैनी ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले 24 हजार युवाओं को नौकरी देने की बात कही थी और उन्होंने 24 हजार युवाओं को रोजगार देकर अपना वादा पूरा किया है।

भाजपा नेता ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के जो नेता हिसाब मांगते घूम रहे थे उनका हिसाब हरियाणा की जनता ने चुनाव में कर दिया है और अब कांग्रेस के विधायक ही श्री हुड्डा का भी हिसाब करेंगे।

लॉरेंस गिरोह को बिश्नोई गिरोह कहने पर बिश्नोई समाज ने जताई कड़ी आपत्ति

फतेहाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
बिश्नोई समाज ने लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह को बिश्नोई गिरोह कहे जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। फतेहाबाद में शनिवार को बिश्नोई समाज के लोगों की एक बैठक हुई, जिसमें समाज के अलग–अलग प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर विरोध जताया। बैठक में कुछ लोगों ने कहा कि यदि उन्हें इसको लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा, तो वे वहां भी जाएंगे, लेकिन इस गिरोह को बिश्नोई समाज के नाम से जोड़ा जाना सहन नहीं करेंगे।

समाज के नेताओं ने स्पष्ट करना चाहा कि लॉरेंस यदि गलत कर रहा है, तो वह भी गलत है, समाज उसके गलत कार्यों में साथ नहीं है, लेकिन यदि वह हिरण मामले में समाज की मांग उठा रहा है, तो वह सही है। समाज के जीव रक्षा दल के अध्यक्ष हंसराज गोदारा ने कहा कि एक आदमी का गिरोह हो सकता है, पूरा समाज गिरोह नहीं हो सकता। अभिनेता सलमान खान ने हिरण मारा, आरोप भी अदालत में तय हो गया और यह मामला अदालत का है, इसलिये ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे। उन्होंने कहा कि लॉरेंस पर आरोप अभी तय नहीं हुए लेकिन उसको लेकर पूरे समाज को गिरोह से जोड़ दिया जाता है। यह सही नहीं है, इससे समाज के लोगों को दुख हुआ है। जीव रक्षा दल के महासचिव विनोद काकड़ और राजस्थान के जोधपुर से आये लोगों ने कहा कि बिश्नोई समाज पूरे विश्व में जीव प्रेमी और पर्यावरण प्रेमी समाज के रूप में जाना जाता है। इसकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक तारीफ कर चुके हैं। सैकड़ों सालों से बिश्नोई समाज पेड़ों और जीवों को बचाने का संदेश देता आया है, इसलिए किसी ने हिरण मारा तो उसके खिलाफ समाज ने आवाज उठाई।

बैठक में बिश्नोई सभा प्रधान भूप सिंह मांझू, सचिव महावीर मांझू, सेवक दल सुरजीत ढुकिया, जीव रक्षा दल से नरसी काकड़ सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में पिछले दिनों हत्या में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ होने की बात सामने आई है। कनाडा के साथ भारत के कूटनीतिक विवाद में भी लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह का नाम आया है। इसके बाद राजनीतिक हल्कों से लेकर मीडिया में डी गिरोह (दाऊद इब्राहिम गिरोह) की तर्ज पर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को बी गिरोह और बिश्नोई गिरोह कहा जा रहा है।

पराली जलाने के मामलों में किसानों पर कार्रवाई का फैसला वापस ले सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शनिवार को कहा कि हरियाणा सरकार को पराली जलाने के मामलों में किसानों पर कार्रवाई का फैसला वापस लेना चाहिए।

श्री हुड्डा ने अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि सरकार को पराली का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करके किसानों से इसकी खरीद करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि पराली जलाने को लेकर सरकार द्वारा किसानों पर की गयी कार्रवाई पूरी तरह निंदनीय है और सरकार को यह किसान विरोधी फैसला वापिस लेना चाहिये। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों पर जुर्माना लगाने, उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उनको रेड लिस्ट करने की बजाय इसके समाधान पर काम करना चाहिये। उन्होंने कहा कि पराली की खरीद करके इसका इस्तेमाल से कई तरह की चीज़ें बनाई जा सकती हैं, जैसे ईंधन, बायो–थर्मोकोल, इथेनॉल, बायो–बिटुमन, पैलेट, लुगदी, खाद, ईंट और बिजली आदि उत्पादन जैसे कार्यों में उपयोग करना चाहिये।

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रदूषण में पराली जलने का बेहद कम अंश होता है। प्रदूषण का असली कारण कारखाने, गाड़ियां और धूल होती है। इसलिये सरकार को चाहिये कि वह पराली का निस्तारण करे या किसानों से पराली की खरीद की जाये। उन्होंने कहा कि फिलहाल पराली के निस्तारण के लिये सरकार जो मशीन देने की बात कर रही है, वह कारगर साबित नहीं हो रही है। मशीनों की संख्या भी बहुत कम है। खास तौर पर छोटे किसान इनका इस्तेमाल करने में अक्षम हैं, क्योंकि एक कार्य के लिये कई–कई बार मशीनों को खेत में बुलाना पड़ता है। पहले धान के अवशेष को काटने, फिर उसके बाद उसे इकट्ठा करने और उसके बाद गांठ बनने के लिये अलग–अलग मशीनों को बुलाना पड़ता है। उसके बाद उठान में भी लंबा समय लग जाता है।

एसीबी ने महाप्रबंधक के विभिन्न ठिकानों पर की छापेमारी

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।
राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने व्यापक कार्रवाई करते हुए तकनीकी, राजकॉम्प इन्फो सर्विस लि, योजना भवन, जयपुर में महाप्रबंधक छत्रपाल सिंह के विरूद्ध दर्ज आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने के मामले में आरोपी के जयपुर, हनुमानगढ़ और उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 10 से अधिक ठिकानों पर सुबह छापा मारकर करोड़ों रुपए की सम्पत्ति का पता लगाया और दस्तावेज बरामद किए।

ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि मुखबिर से ब्यूरो मुख्यालय को गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि छत्रपाल सिंह ने भ्रष्टाचार के जरिये अपने एवं अपने परिजनों के नाम से अपनी वैध आय से आनुपातिक रूप से अधिक चल–अचल सम्पत्तियाँ अर्जित की हैं, जिनकी अनुमानित खरीद कीमत करोड़ों रुपयों से अधिक है।

उन्होंने बताया कि इस शिकायत का ब्यूरो की इन्टेजिलेन्स शाखा द्वारा गोपनीय रूप से सत्यापन किया और तथ्यों की पुष्टि होने पर आय से अधिक सम्पत्तियां अर्जित का मामला दर्ज किया गया। इसके बाद एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक कालूराम रावत की देखरेख में सक्षम न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त किया गया। डॉ मेहरड़ा ने बताया कि कार्रवाई के लिये ब्यूरो के कई दल गठित किये गये। इन दलों ने एक साथ, आज अलसुबह आरोपी के जयपुर, हनुमानगढ़ एवं गाजियाबाद में स्थित 10 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की। तलाशी में छत्रपाल सिंह एवं इसके परिवाजनों के नाम एयर अपार्टमेन्ट श्याम नगर सब्जी मण्डी के पास जयपुर में दो फ्लैट (एक डूप्लेक्स एवं एक अन्य), महादेव नगर सोडाला में एक मकान, करोड़ों रुपये की कीमत के पांच चौपहिया महंगे लग्जरी वाहन (एक पोर्से कार, एक जगुआर लैण्ड रोवर डिफेण्डर कार, एक महिन्द्रा थार, एक महिन्द्रा स्कॉर्पयो, शेवर्ले कुज वीसीडीआई), एक बीएमडब्लयू बाईक एवं करीब छह लाख की नगदी मिले हैं।

उन्होंने बताया इसके अतिरिक्त कई बीमा पॉलिसियों में निवेश, एक बैंक लॉकर (जिसकी तलाशी ली जानी है) एवं विभिन्न बैंको में कई बैंक खाते जिनमें लाखों रुपये जमा हैं, भी मिले हैं। आरोपी द्वारा राजापार्क में एक किराये की सम्पत्ति जिसमें सिम्पली डिवाइन नाम से स्पा होना एवं वर्तमान में स्पा को किसी अन्य को किराये पर देना, अशोक नगर जयपुर में एक हैपी हार्ट फाउण्डेसन भी संचालित करना भी पाया गया है, जिसकी तलाशी में लाखों रूपये निवेश करना पाया गया है। तलाशी में आरोपी द्वारा महंगे रिसोटर्स में रूकने संबंधी कागजात मिले और विदेश यात्राओं की जानकारी भी प्राप्त हुई जिनके संबंध में जांच की जा रही है।

हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर वामदल का हमला, दीपांकर बोले–

मुस्लिमों के खिलाफ विद्वेष भड़का रहे गिरिराज

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री व भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह पर वामदल के प्रमुख नेताओं ने हमला बोला है। गया में भाकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और नालंदा में विधायक संदीप सौरभ ने उनपर निशाना साधा। दीपांकर भट्टाचार्य ने शनिवार को गया में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि गिरिराज सिंह के हिंदू स्वाभिमान यात्रा के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह बिहार में बांग्लादेश–बांग्लादेश कर रहे हैं और बिहार और देश में किसी के पास कोई आंकड़ा हीं नहीं है। सिर्फ अनाप शनाप बोलते है। बांग्लादेशी अगर बिहार में कहीं घुस गए है तो कहां से घुसे, सीमा किसके जिम्मे में है। भारत और बांग्लादेश का बॉर्डर देखने का काम बीएसएफ का है। मोदी सरकार और अमित शाह का हैं। गिरिराज सिंह मंत्री है उनको तो जवाब देना चाहिए कि दिल्ली और पटना में आपकी

सरकार चल रही है। जवाब देने के बजाय लोगो को भड़का रहे है गुमराह कर रहे है। पूरे बिहार में नफरत बांट रहे हैं। हिंसा का माहौल बना रहे हैं यह गैरजिम्मेदार और आपत्तिजनक भूमिका है।

दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि बिहार विकास चाहता है। साथ ही बिहार लोकतंत्र और न्याय के रास्ते पर आगे बढ़े। इसके लिए आवश्यकता है बिहार में अमन चैन हो। जो लोग अमन और भाईचारे के दुश्मन है, ऐसे लोग कभी हमदर्द नहीं हो सकते हैं। ऐसे लोग बिहार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। किस हिंदू को जगाने की बात कह रहे हैं? बिहार में संजय मांझी का हाथ काट लिया गया, माले नेता सुनील चंद्रवंशी की हत्या, महादलित के घरों को जलाया गया तो क्या यह हिंदू नहीं हैं? क्या,हिन्दू के नाम पर मुस्लिमों के खिलाफ विद्वेष भड़काना, हिंसा भड़काना यह कोई हिंदुओं के लिए काम नहीं कर रहे है। बिहार के लोग रोजगार की तालाश में कोलकाता, सिलीगुड़ी समेत अन्य राज्यों में पलायन कर रहे है। यह कौन है, हिन्दू नहीं है क्या। बिहार के लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। हिंदू मुस्लिम का चक्कर जहां भी देश में होगा वह विकास और लोकतंत्र के शांति के लिए घातक है। ऐसा वहीं लोग कर सकते है जिनको सिर्फ अपनी सत्ता और राजनीत से मतलब है।

बदलो बिहार न्याय यात्रा की शुरुआत भाकपा माले के विधायक डॉ संदीप सौरव के द्वारा शनिवार को बिहार शरीफ के श्रम कल्याण मैदान से शुरू किया गया। जिसमें भारी संख्या में भाकपा माले के कार्यकर्ता शामिल हुए।

संदीप सौरभ ने कहा कि ये जो नफरत का व्यापार करने के लिए भाजपा के केंद्रीय मंत्री पूरे बिहार में घूम करके हिंदू स्वाभिमान यात्रा के नाम पर यह जो दंगे की भाषा बोल रहे हैं। उस पर तत्काल रोक लगे, हेट स्पीच बोलने वाले, नफरत भड़काने वाले के ऊपर कारवाई हो यह बिहार के लिए हमलोग चाहते हैं। बता दें कि भाकपा माले के पालीगंज विधायक डॉक्टर संदीप सौरभ ने कहा कि बदलो बिहार न्याय यात्रा आज हम लोग बिहार शरीफ से शुरू कर रहे हैं। नालंदा के कई प्रखंडों से होते हुए जहानाबाद जाएगा। जहानाबाद के बाद पटना ग्रामीण में और पटना ग्रामीण के बाद पटना शहर पहुंचेंगे।

मुजफ्फरपुर में सरकारी स्कूल में छात्र की पिटाई से मौत

वीडियो सामने आया, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की थानाक्षेत्र स्थित तुर्की उच्च विद्यालय में एक छात्र की बुरी तरह पिटाई किए जाने का एक वीडियो वायरल हो गया है। इस घटना में छात्र को लाठी, डंडे और घूंसे से पीटा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कक्षा में कुछ छात्र एक दूसरे के साथ आपसी रंजिश के चलते पिटाई कर रहे हैं। इस दौरान गंभीर रूप से घायल हुए छात्र का नाम सौरव कुमार बताया जा रहा है, जो कि दसवीं कक्षा का छात्र था।

घटना की सूचना मिलने पर सौरव के परिजनों ने उसे आनन–फानन में अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। यह घटना स्कूल प्रशासन की ला–परवाही की ओर इशारा करती है, जिसने छात्रों के बीच पिटाई को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया।

घटना को लेकर मृतक छात्र के परिजनों में नाराजगी व्याप्त है। परिजनों का आरोप है कि स्कूल प्रशासन ने छात्र की पिटाई के दौरान कोई भी हस्तक्षेप नहीं किया। इसके साथ ही वे आरोपी छात्रों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

वहीं, घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर दो आरोपी छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है। ग्रामीण एसपी विद्या सागर ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस सक्रिय रूप से जांच कर रही है और पीड़ित के परिजनों का बयान भी लिया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सारण में जहरीली शराब से अब तक 16 मौत

पटना (एजेंसियां)। बिहार में शराब बंदी के बावजूद शराब का मिलना कोई नई बात नहीं रह गई है। हालांकि शराबियों के ऊपर निर्भर करता है कि वह महंगी या सस्ती शराब पियेगा। सस्ती दर पर मिलने वाली शराब पीने से ना जाने कितने की जाने चली गई है, तो दो शराबियों ने अपनी आंखों की रोशनी गंवा दी है। वहीं दर्जनों व्यक्ति सरकारी या किसी निजी नर्सिंग होम में अपना इलाज करा रहे है।

जहरीले शराब कांड में मौत की जन्मस्थली सारण जिले के मशरक ही है। क्योंकि मशरक थाना क्षेत्र के ब्राहिमपुर गांव में तीसरे दिन तक मौत का सिलसिला जारी रहा।

लेकिन चौथे दिन अभी तक कही से किसी की मृत्यु होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि शुक्रवार को मशरक के अलावा मढ़ौरा और पानापुर में शराब पीने से संदिग्ध परिस्थियों में तीन व्यक्तियों की मौत हुई है।

जिले में अब तक 16 व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। इसमें अब तक केवल मशरक में 12 की मौत हुई है तो मढ़ौरा में दो और पानापुर में दो की मौत जहरीले शराब पीने से हुई है। हालांकि लगभग 40 के करीब बीमार लोगों का इलाज अस्पताल में कराने के बाद घर भेज दिया गया है। मशरक थाना क्षेत्र के ब्राहिमपुर में चार, खजुरी में दो, गंडामन में दो तथा बलि बिशुनपुरा में दो, सुंदर में एक, पिलखी में एक शामिल है। जबकि एक मृतक के परिजन कुछ भी बताने से इनकार कर रहे हैं। ग्रामीणों की मानें तो शराब तो सभी जगह मिलती है लेकिन कोई इसके खिलाफ खुल कर बोलेगा नहीं। क्योंकि शराब से जुड़े कारोबारियों का हुजूम इस कदर बढ़ा हुआ है कि विरोध करने वालों पर कभी भी हमला या मारपीट करने पर उतारू हो जाते है।

एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की फ्लाइट में संदिग्ध सामान मिलने की सूचना से हड़कंप

मिली थी विमान उड़ाने की धमकी

पटना (एजेंसियां)। दरभंगा एयरपोर्ट पर दरभंगा से दिल्ली और दरभंगा से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट में कुछ संदिग्ध समान मिलने की खबर से हड़कंप मच गया है। सीआईएसएफ सहित सभी एजेंसियों सहित जिला पुलिस भी सतर्क हो गई है। आज विभिन्न जगहों से उड़ान भरने वाली नौ विमानों में विस्फोटक होने की खबर मिलने की जानकारी मिलते ही हड़कम्प मचा हुआ है।

हालांकि दरभंगा एयरपोर्ट पर खड़े दोनों विमान में से कोई भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। दरभंगा से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली 8477 और दरभंगा से दिल्ली 6ए417 को उड़ाने की धमकी मिलने की बात कही जा रही है। इस सूचना पर सदर एसडीओ विकास कुमार सदर

डीएसपी अमित कुमार सहित कई थानों की पुलिस एयरपोर्ट पर जांच में जुट गई है।

घटना की पुष्टि करते हुए सदर एसडीओ विकास कुमार ने कहा कि दरभंगा से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसकी जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन सीआईएसएफ सहित कई एजेंसियों की टीम जांच में जुट गई है। धमकी मिलने के कारण अभी जिला पुलिस के सहयोग से सीआईएसएफ सहित कई एजेंसियो के जांच के कारण एयरपोर्ट पर दो विमानों को रोक कर रखा गया है। सभी यात्रियों को जांच के दौरान विमान से उतार दिया गया। बतादें को चार दिन पूर्व भी मुम्बई स दरभंगा को उड़ान भरने वाली स्पाइजेट के विमान को धमकी मिली थी। इसके बाद विमान की जांच की गई जिसमें कोई संदेहास्पद सामान नहीं मिला था।

सदर डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि एक ट्वीट आया था जिसमें स्पाइजेट को टैग किया गया था। स्पाइसजेट के दिल्ली स्थित मुख्य केंद्र पर कन्ट्रोलिंग सेंटर को 12 .01 मिनट पर हुई। इस सूचना के संज्ञान में आने के बाद दरभंगा एयरपोर्ट पर स्पाइ–सजेट के अधिकारी को बताया तबतक दरभंगा से दिल्ली की फ्लाइट एयरऑन हो चुकी थी। तबतक वह फ़्लाइट दरभंगा में उत्तर चुका था और उस विमान के सारे पैसेंजर बाहर निकल कर का चुके थे। फिर भी सुरक्षा के दृष्टिकोण से एयरपोर्ट जो भी प्रक्रिया होती है उस नॉर्म्स के तहत बम असब्समेन्ट कमिटी के गठन किया गया इसमें एयरपोर्ट के ऑफिसर्स के अलावा एयरलाइन के अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों के साथ मीटिंग हुई उसके बाद दरभंगा से दिल्ली जाने 8477 जाने वाली स्पाइसजेट के विमान के पैंसेजर को लाकर जांच की गई जिस कारण विमान के टाइम को रेसेड्यूल किया गया उसके बाद विमान को दिल्ली रवाना किया गया है। उन्होंने बताया कि यह फॉल्स कॉल था। इसमें पांच विमानों को टैग किया गया था जिसमें बम होने की बात कही गया थी।

भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली में हाजीपुर–महनार मुख्य सड़क मार्ग पर दाऊदनगर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई। उसके बाद पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर के सदर अस्पताल भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में मारे गए युवकों की पहचान हाजीपुर नगर थानाक्षेत्र के अनजानपीर चौक बिनटोली गांव निवासी विजय महतों के बेटे करण कुमार (30) और बिदूपुर थानाक्षेत्र के कंचनपुर गांव निवासी रंजन महतों (28) के रूप में हुई है। हादसे में घायल हुए लोगों में बिनटोली गांव निवासी रंजीत कुमार (35) और आकाश कुमार (13) शामिल हैं, जिनका इलाज हाजीपुर के सदर अस्पताल में चल रहा है।

घायल रंजीत कुमार ने बताया कि वे शराब के नशे में थे और देर रात शराब पीने के लिए हाजीपुर से कंचनपुर गए थे। लौटते समय स्कॉर्पियो ने दाऊदनगर के पास खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे यह भीषण हादसा हुआ। घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया।

बिदुपुर थाना अध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई है और तीन अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल हादसे के कारणों की गहनता से पड़ताल की जा रही है।

प्रशांत किशोर की सभा में बवाल

उपचुनाव में बेलागंज से प्रत्याशी चयन को लेकर लगे नारे और चलीं कुर्सियां

गया (एजेंसियां)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की सभा में बेलागंज प्रत्याशी चयन को लेकर लोगों ने जमकर बवाल किया। उसके बाद लोगों ने नारे लगाए। इतना से भी मन नहीं भरा तो कुर्सियां को तोड़ डाला। यह पूरा बवाल प्रशांत किशोर के सामने होता रहा। बिहार में चार सीटों पर होने वाले उपचुनाव होना है। गया जिले के बेलागंज विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशियों के चयन को लेकर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की बैठक बुलाई थी। अपने मन पसंद उम्मीदवार के नाम की घो–षणा नहीं हुई तो कार्यकर्ताओं ने जमकर बवाल किया।

कार्यकर्ता बेकाबू होकर आपस में भिड़ गए। उस समय जिसको जो भी मिला तोड़फोड़ करने लगे। हालांकि यह पूरा घटना प्रशांत किशोर के सामने हुई। प्रशांत किशोर कहते रहे कि दबाव न

बनाएं, लेकिन उग्र हो चुके लोगों ने तोड़ फोड़ शुरू कर दी। बता दें कि गया के 2 विधानसभा में उप–चुनाव होना है। जिले के बेलागंज और इमामगंज में उपचुनाव होना है। इसे लेकर प्रशांत किशोर के द्वारा जन सुराज पार्टी की बैठक बेलागंज में शुक्रवार की देर शाम बुलाई गई। बैठक में बेलागंज से संभावित प्रत्याशी के नाम की चर्चा कर रहे थे। जिसमें मो. अमजद हसन, प्रो. खिलाफत हुसैन, मो. दानिश मुखिया और प्रो. सरफराज खान संभावित प्रत्याशियों के नाम मंच से प्रशांत किशोर ने बताया। इस दौरान अमजद हसन और खिलाफत हुसैन में से किसी एक को प्रत्याशी के नाम पर तय किया जाना था। इसी दौरान कहा कि बेलागंज से किसी मुसलमान को प्रत्याशी बनाया जाया। इसके लिए सभी समुदायों की सहमति बनी है। उन समुदाय को भी धन्यवाद कीजिए।

खिलाफत हुसैन का नाम लेते हीं वहां आए अमजद हसन के समर्थकों ने नारा लगाना शुरू कर दिया। कहा यह नहीं चलेगा। पीके मंच से समझाते दिखे। हंगामा होते देख पीके ने कहा कि शांत रहिए यह जन सुराज का महफिल है। जन सुराज का मजलिस है। इतमीनान से सुनिए। ईमानदारी पर अंगुली मत उठाइए। वैलेट पेपर देखने से पहले बूथ लूटने चले है। नारा लगाओगे तो गर्दन कट जाएगा। शांति से बैठिए, दबाव नहीं बना सकते है। सुनते होंगे टिकट 2 करोड़ में बिक गया है। कोई भी गरीब चुनकर आ सकता है पार्टी अपने खर्चे पर चुनाव लड़ाएगा। उसके बाद कार्यक्रम को समाप्त किया है। शनिवार को दोनों विधानसभा के उपचुनाव के उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी।

हथियार के बल पर पीएनबी बैंक के सीएसपी संचालक से लूट

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मोतिहारी के जीतना थानाक्षेत्र के जीतपुर बेला निवासी अनिकेत कुमार पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के सीएसपी संचालक हैं। अनिकेत को बेखौफ अपराधियों ने हथियार के बल पर लूट का शिकार बना दिया। यह घटना सुबह करीब 9:45 बजे हुई जब अनिकेत अपने घर से जुवाफर सेंटर के लिए लैपटॉप और रुपये लेकर जा रहे थे।

जानकारी के मुताबिक, अनिकेत कुमार जब जुवाफर सेंटर के पास पहुंचे, तो उन्होंने पहले से घात लगाए अपराधियों को देखा। इस दौरान अपराधियों ने पिस्तौल का भय दिखाते हुए अनिकेत पर हमला किया। अपराधियों ने अनिकेत से 82,000 रुपये, लैपटॉप और कुछ ग्राहकों के कागजात छीन लिए।

जानकारी के अनुसार, लुटेरों की संख्या तीन थी और वे बिना नंबर वाली मोटरसाइकिल पर सवार थे। घटना के बाद जब तक स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक अपराधी भाग चुके थे।

वहीं, जीतना थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि अभी तक उन्हें किसी भी प्रकार का लिखित आवेदन नहीं मिला है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में अपराधी बच नहीं पाएंगे।

इस घटना ने इलाके में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोग अपराधियों की गिरफ्तारी की उम्मीद कर रहे हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और संदिग्धों की तलाश जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com